राज्यसभा जाने पर बोले अखिलेश... 12

राष्ट्रीय शिखर

खबरों की स्वतंत्रता

राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र गौतमबुद्धनगर, नई दिल्ली, देहरादून और लखनऊ से एक साथ प्रसारित

राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

असली हीरो कैमरे के पीछे काम... 11

वर्ष - 02, अंक - 07 | गाजियाबाद / शनिवार 11 अप्रैल 2026 | PRGI No. - UPHIN/25/A0086 | पृष्ठ-12, मूल्य - 04 रूपए

संक्षिप्त समाचार

जस्टिस यशवंत वर्मा ने दिया इस्तीफा

दिल्ली वाले घर से मिले थे जले हुए नोट

प्रयागराज (एजेंसी)। कैश कांड में फंसे इलाहाबाद हाईकोर्ट के जस्टिस यशवंत वर्मा ने अपना इस्तीफा दे दिया है। उन्होंने राष्ट्रपति को अपना इस्तीफा सौंप दिया है। आपको बता दें कि उनके दिल्ली वाले आवास पर जले हुए कैश मिले थे। इस विवाद के बाद उनका दिल्ली हाईकोर्ट से वापस इलाहाबाद तबादला कर दिया गया था। उन्होंने 5 अप्रैल, 2025 को शपथ ली थी। फिलहाल उनके खिलाफ आरोपों के संबंध में एक आंतरिक जांच चल रही है। इस मामले की जांच के लिए लोकसभा अध्यक्ष ओम

बिरला द्वारा गठित तीन सदस्यीय समिति आगामी मानसून सत्र में अपनी रिपोर्ट सौंप सकती है। पिछले साल 12 अगस्त को न्यायमूर्ति यशवंत वर्मा को पद से हटाने की मांग वाला एक बहुदलीय नोटिस स्वीकार करने के बाद महाभियोग की प्रक्रिया शुरू करने के संदर्भ में उनके खिलाफ आरोपों की जांच के लिए तीन सदस्यीय समिति का गठन किया गया था। इससे पहले जनवरी में सुप्रीम कोर्ट ने यशवंत वर्मा की ओर से दायर उस रिट याचिका को खारिज कर दिया था, जिसमें उन्होंने न्यायाधीश (जांच) अधिनियम, 1968 के तहत जांच समिति गठित करने के लोकसभा अध्यक्ष के फैसले को चुनौती दी थी। यह निर्णय न्यायमूर्ति दीपांकर दत्ता और न्यायमूर्ति सतीश चंद्र शर्मा की पीठ ने सुनाया था। 21 जुलाई, 2025 को संसद के दोनों सदनों में महाभियोग की बात चली थी।

आपको प्रणाम कर रहे हैं पहले तो हम यहीं ना थे

- पुरानी संसद देख भावुक हुए बिहार सीएम नीतिश कुमार

पटना (एजेंसी)। बिहार के मुख्यमंत्री नीतिश कुमार ने शुक्रवार को संसद भवन में राज्यसभा सांसद पद की शपथ ली। वे पुराना संसद भवन देखकर भावुक हो गए। वे नए संसद भवन से मुस्कुराते हुए बाहर निकले। उनकी नजर सामने स्थित पुराने संसद भवन पर पड़ी तो वे उसे कुछ पल निहारते रहे। इसके बाद उन्होंने पुराने भवन की ओर हाथ उठाकर हिलाया और फिर हाथ जोड़ लिए। नीतिश कुमार 21 साल बाद संसद भवन में लौटे हैं। उन्होंने शुक्रवार को राज्यसभा सदस्यता की शपथ ली और विधिवत सांसद बन गए। शपथ लेने के बाद वे अपने

सुरक्षा कर्मियों और अन्य कुछ लोगों के साथ नए संसद भवन से बाहर आए। बाहर आने पर उनकी नजर जैसे ही पुराने संसद भवन पर पड़ी तो वे कुछ क्षण तक उसे देखते रहे। इसके बाद उन्होंने अपना हाथ उठाया और संसद भवन की ओर से ऐसे हिलाया जैसे किसी व्यक्ति से कुछ कहना चाह रहे हों। पुराने संसद भवन को निहारते हुए भावनाओं में डूबे नीतिश कुमार ने उसकी ओर हाथ हिलाया और फिर अभिवादन की मुद्रा में हाथ भी जोड़े। उन्होंने पुराने संसद भवन को देखते हुए हाथ जोड़कर कहा- आपको प्रणाम कर रहे हैं। पहले तो हम यहीं न थे। पुराने संसद भवन को देखकर नीतिश कुमार की स्मृतियां ताजा हो गईं।

कठिन राह और हौसलों की

साइकिल पर भारत यात्रा

- 5700 किमी की दूरी तय कर कोलकाता पहुंचीं आशा
- एनसीसी कैडेटों ने किया स्वागत

कोलकाता (एजेंसी)। हजारों किलोमीटर की कठिन राह, बदलते मौसम, अनगिनत चुनौतियां- लेकिन हौंसले बुलंद हों तो हर मंजिल करीब लगती है।

इसी जज्बे की जीती-जागती मिसाल बनकर उभरी हैं आशा मालवीय, जिन्होंने अपनी साइकिल यात्रा के जरिए नारी शक्ति, देशभक्ति और अदम्य साहस का ऐसा संदेश दिया है, जिसने युवाओं के दिलों में नई ऊर्जा भर दी है। 78वें भारतीय सेना दिवस के उपलक्ष्य में राष्ट्रीय स्तर की एथलीट, पर्वतारोही व साइक्लिस्ट आशा मालवीय ने 11 जनवरी 2026 को राजस्थान के जयपुर से 7,800 किलोमीटर लंबी देशव्यापी पूर्व-पश्चिम एकल साइकिल अभियान (यात्रा) की शुरुआत की थीं। इस सफर में वह राजस्थान, गुजरात, मध्य प्रदेश, उत्तर प्रदेश, बिहार और झारखंड को पार करते हुए करीब 5,700 किलोमीटर की दूरी तय कर कोलकाता पहुंचीं, जहां गुरुवार को एनसीसी कैडेटों व अधिकारियों ने उनका गर्मजोशी से स्वागत किया। 7,800 किलोमीटर में से अब तक वह लगभग 5,700 किमी की दूरी तय कर चुकी हैं, जबकि उनका अंतिम लक्ष्य चीन की सीमा से लगे अरुणाचल प्रदेश के सीमावर्ती क्षेत्र किबिथु तक पहुंचना है। इस प्रेरणादायक अभियान का उद्देश्य महिला सशक्तीकरण, देशभक्ति और अटूट साहस का संदेश देना है। कोलकाता में एनसीसी के बंगाल व सिक्किम निदेशालय में गुरुवार को उनके सम्मान में आयोजित कार्यक्रम में एनसीसी कैडेटों को उनसे सीधे संवाद का अवसर मिला।

बैलगाड़ियां और ढोल लेकर फिर सड़क पर उतरे किसान

- नए खरीद नियमों पर भड़के अन्नदाता, आंदोलन शुरू

चंडीगढ़ (एजेंसी)। हरियाणा के किसानों ने गेहूं खरीद के नए नियमों का खुलकर विरोध किया है। बैलगाड़ी, ढोल-नगाड़ों और नारों के साथ उन्होंने शुक्रवार को विरोध प्रदर्शन किया। नए नियमों में बायोमेट्रिक सत्यापन, वाहन ट्रैकिंग, जियोफेंसिंग और तीन स्तर की जांच शामिल है। किसान इन्हें बोझिल और अपमानजनक बता रहे हैं।

यमुनानगर की सदहुरा मंडी और जिंद की जुलाना मंडी में किसानों ने पुरानी ट्रॉली और बैलगाड़ी से फसल लाकर सरकार के डिजिटल सिस्टम का विरोध जताया। संयुक्त किसान मोर्चा ने शनिवार को चार घंटे हाईवे ब्लॉक करने की घोषणा की है। नए खरीद नियमों के तहत किसानों को पहले मेरी फसल-मेरा ब्यौरा पोर्टल पर पंजीकरण कराना पड़ता है। मंडी पहुंचने पर बायोमेट्रिक रजिस्ट्रेशन, ट्रैक्टर-ट्रॉली की फोटो, वाहन नंबर और जियोफेंसिंग के जरिए फसल की पुष्टि करनी होती है। सरकार का दावा है कि इससे पड़ोसी राज्यों से सस्ते चावल की घुसपैठ रोकी जा सकेगी।

स्वदेशी मिसाइलों से लैस होंगे राफेल विमान

रक्षा मंत्रालय ने बनाया प्लान, खरीदो और बनाओ की नीति तैयार

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारत जिन 114 राफेल लड़ाकू विमानों को खरीदने का प्लान बना रहा है, उनको लेकर यह सुनिश्चित किया जाएगा कि स्वदेशी रूप से विकसित मिसाइलों और हथियार प्रणालियों को इनमें एकीकृत किया जा सके। रिपोर्ट के मुताबिक, मामले की जानकारी रखने वालों ने बताया कि खरीदो और बनाओ सौदे के तहत होने वाली सरकार-से सरकार डील में तथाकथित इंटरफेस कंट्रोल डॉक्यूमेंट को अनिवार्य किया जाएगा। रक्षा मंत्रालय से उम्मीद है कि वह अगले महीने फ्रांसीसी जेट निर्माता कंपनी डसॉल्ट को रिक्वेस्ट फॉर प्रपोजल जारी करेगा और उसके बाद अनुबंध पर बातचीत शुरू होगी। रक्षा अधिग्रहण परिषद ने 12 फरवरी को इस सौदे को मंजूरी दे दी थी।

96 फाइटर जेट भारत में ही बनाए जाएंगे

मामले के जानकार लोगों ने कहा कि योजना यह है कि 3.25 लाख करोड़ रुपये की इस मेगा डील के फाइनल कॉन्ट्रैक्ट में आईसीडी को पक्का कर दिया जाए। आईसीडी एक बहुत ही जरूरी सिस्टम इंजीनियरिंग डॉक्यूमेंट है, जो किसी सिस्टम और उसके सब-सिस्टम के बीच के सभी अहम प्रोटोकॉल को कंट्रोल और डिफाइन करता है। डीएसी द्वारा मंजूर किए गए प्रस्ताव के मुताबिक, 18 फाइटर जेट फ्रांस से फ्लाई-अवे कंडीशन में डिलीवर किए जाएंगे, जबकि बाकी 96 भारत में ही बनाए जाएंगे, जिनमें 25 फीसदी से ज्यादा स्वदेशी सामग्री का इस्तेमाल होगा। इस तरह की रिपोर्टों के बीच कि इस मेगा डील में एक रुकावट आ गई है, क्योंकि फ्रांसीसी राफेल निर्माता डसॉल्ट ने भारत को लड़ाकू विमान का सोर्स कोड देने से इनकार कर दिया है। रक्षा मंत्रालय के शीर्ष अधिकारियों ने पुष्टि की है कि कोई भी देश ये मालिकाना सॉफ्टवेयर कोड (जो रडार, इलेक्ट्रॉनिक वॉरफेयर सूट और हथियार एकीकरण को नियंत्रित करते हैं) किसी तीसरे देश को नहीं देता है और यह डील पूरी तरह से सही रास्ते पर है। ये सोर्स कोड असल में पूरे लड़ाकू विमान को नियंत्रित करते हैं, जिसमें एवियोनिक्स, टारगेट ट्रैकिंग, फ्लाइट कंट्रोल, हथियार लॉन्च और हथियार छोड़ने के एल्गोरिदम शामिल हैं। अधिकारियों ने आगे बताया कि यह कोड मूल उपकरण निर्माता की बौद्धिक संपदा है, जिसे सबसे करीबी सहयोगियों के साथ भी साझा नहीं किया जाता है।

भारत तेजस पर दे रहा ध्यान

भले ही भारत ने अमेरिका या रूस, किसी से भी पांचवीं पीढ़ी के विमान खरीदने का कोई फैसला नहीं लिया है, लेकिन वह भविष्य के लिए स्वदेशी रूप से तेजस मार्क एलए के विकास पर ध्यान केंद्रित कर रहा है। इसके साथ ही, वह लंबी दूरी की मिसाइलों और दो इंजन वाले एलए पर भी काम कर रहा है, ताकि विदेशी हवाई प्लेटफॉर्म, बियॉन्ड विजुअल रेंज हवा से हवा में मार करने वाली मिसाइलों और हवा से जमीन पर मार करने वाली मिसाइलों पर अपनी निर्भरता कम कर सके।

बंगाल में महिलाओं को 3000 का वादा

- गृहमंत्री अमित शाह ने जारी किया बीजेपी का संकल्प पत्र
- घुसपैठ पर जीरो टॉलरेंस नीति, 7वें वेतन आयोग का वादा

नई दिल्ली (एजेंसी)। बंगाल विधानसभा चुनाव के ठीक 13 दिन पहले शुक्रवार को भारतीय जनता पार्टी (बीजेपी) ने अपने चुनावी वादों का पिटारा खोल दिया। गृह मंत्री अमित शाह ने कोलकाता में आयोजित एक कार्यक्रम के दौरान पार्टी का चुनावी घोषणापत्र जारी किया। इस घोषणापत्र को पार्टी ने भरोसा पत्र नाम दिया गया है। इसमें महिलाओं से लेकर युवाओं तक, प्रमुख वोटर वर्ग के लिए नकदी के वादे किए

गए हैं। केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह ने शुक्रवार को बंगाल में 2026 विधानसभा चुनाव के लिए भाजपा का 'संकल्प पत्र' जारी किया। इस दौरान उन्होंने राज्य में सत्ता परिवर्तन का आह्वान किया।

घुसपैठ को लेकर जीरो टॉलरेंस की नीति करेंगे लागू

अमित शाह ने कहा कि हमारी सरकार घुसपैठ को लेकर जीरो टॉलरेंस की नीति पर आगे बढ़ेगी। पश्चिम बंगाल की जनता को भरोसा दिलाना चाहता हूं कि पूर्ण बहुमत की सरकार बनाइए। हम घुसपैठियों को बाहर निकाल देश और बंगाल को सुरक्षित बनाने का काम करेंगे। उन्होंने कहा कि बकाया डीए भुगतान सुनिश्चित किया जाएगा और सरकार बनने के 45 दिन के भीतर सातवें वेतन आयोग को लागू किया जाएगा।

बंगाल की महिलाओं के लिए किए बड़े वादे

संकल्प पत्र में महिलाओं के लिए कई अहम घोषणाएं की गई हैं। इसके तहत केजी से पीजी तक लड़कियों की शिक्षा मुफ्त करने और सरकारी नौकरियों में 33 प्रतिशत आरक्षण देने का वादा किया गया है। साथ ही हर महिला के बैंक खाते में हर महीने 3,000 रुपये देने की भी बात कही गई है। इसके अलावा घोषणा पत्र में टीएमसी सरकार के कथित भ्रष्टाचार पर श्वेत पत्र जारी करने का वादा, सातवें वेतन आयोग को लागू करने, घुसपैठ और गोतस्करी पर रोक लगाने का संकल्प, उत्तर बंगाल में प्रौद्योगिकी संस्थान खोलने का संकल्प है। गृह मंत्री अमित शाह ने कहा कि यह संकल्प पत्र भरोसे का है।

डॉक्टर हरिवंश फिर से बने राज्यसभा सांसद

- जेडीयू ने नहीं भेजा तो सरकार ने किया नामित

नई दिल्ली (एजेंसी)। राज्यसभा के उपसभापति रहे हरिवंश को फिर से राज्यसभा की सदस्यता मिल गई है। इस बार उन्हें जेडीयू ने राज्यसभा नहीं भेजा था। माना जा रहा था कि अब राज्यसभा का उनका कार्यकाल समाप्त हो गया है, लेकिन उन्हें एक और चांस मिल गया है। यह मौका उन्हें नामित करके दिया गया है। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू की ओर से जारी आदेश के चलते उन्हें मनोनीत किया गया है। अधिसूचना में कहा गया है कि एक मनोनीत सांसद के रिटायरमेंट से जो रिक्ति हुई है, उस स्थान पर हरिवंश को मौका दिया गया है। अब वह फिर से राज्यसभा सांसद होंगे। हरिवंश को बिहार के मुख्यमंत्री नीतिश कुमार का

करीबी माना जाता था, लेकिन बीते कुछ समय से उनके रिश्तों में वह गर्मजोशी नहीं दिखी है। इसी वजह से मौका नहीं दिया।

अंतरिक्ष में इतिहास रचने के करीब भारत!

- गगनयान के दूसरे एयर ड्रॉप टेस्ट में इसरो को शानदार कामयाबी

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन ने भारत के पहले मानव अंतरिक्ष उड़ान मिशन गगनयान की दिशा में एक और ऐतिहासिक मील का पत्थर पार कर लिया है। केंद्रीय विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी राज्य मंत्री डॉ. जितेंद्र सिंह ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर जानकारी दी है कि इसरो ने गगनयान के लिए दूसरा इंटीग्रेटेड एयर ड्रॉप टेस्ट सफलतापूर्वक पूरा कर लिया है। यह परीक्षण श्रीहरिकोटा स्थित सतीश धवन अंतरिक्ष केंद्र में किया गया। गगनयान मिशन का सबसे जटिल और महत्वपूर्ण हिस्सा अंतरिक्ष यात्रियों को अंतरिक्ष से सुरक्षित वापस पृथ्वी पर लाना है। जब अंतरिक्ष यात्री अपना मिशन पूरा करके वापस

लौटेंगे, तो उनका क्रू मॉड्यूल (वह कैप्सूल जिसमें वे बैठे होंगे) तेज गति से पृथ्वी के वायुमंडल में प्रवेश करेगा। इस वापसी के दौरान पैराशूट सिस्टम की भूमिका अहम होगी। मॉड्यूल की गति को धीमा करने और उसे सुरक्षित रूप से समुद्र (या सतह) पर उतारने के लिए एक बेहद जटिल पैराशूट प्रणाली का इस्तेमाल होता है।

जल्द इंसानों को अंतरिक्ष में भेजेगा इसरो

डॉ. जितेंद्र सिंह ने अपने ट्वीट में स्पष्ट किया है कि यह सफलता गगनयान मिशन की तैयारियों के लिए एक महत्वपूर्ण मील का पत्थर है। किसी भी मानव मिशन में इंसानी जान की सुरक्षा सर्वोपरि होती है। यह परीक्षण सुनिश्चित करता है कि लैंडिंग के वक्त कोई दुर्घटना नहीं होगी। ऐसे हर सफल परीक्षण के साथ इसरो गगनयान के फाइनल लॉन्च के एक कदम और करीब पहुंच जाता है। गगनयान भारत का पहला ऐसा अंतरिक्ष मिशन है जिसमें इंसानों को अंतरिक्ष में भेजा जाएगा। इसके तहत 3 अंतरिक्ष यात्रियों के दल को 400 किलोमीटर की ऊंचाई वाली पृथ्वी की निचली कक्षा में 3 दिन के मिशन के लिए भेजा जाएगा।

- गलत ट्रांजेक्शन कैंसिल करने का मौका मिलेगा, आ गया नया प्रस्ताव

10 हजार से ज्यादा के ऑनलाइन पेमेंट पर अब 1 घंटे का रहेगा होल्ड

- आरबीआई ने 'किल स्विच' का सुझाव भी दिया, डिजिटल फ्रॉड रुकेगा

मुंबई (एजेंसी)। जल्द ही ऐसा हो सकता है कि आपका 10 हजार से ज्यादा का ऑनलाइन ट्रांजैक्शन तुरंत न हो। उसमें 1 घंटे की देरी हो सकती है। इससे ग्राहकों को गलत ट्रांजैक्शन रोकने या कैंसिल करने का मौका मिलेगा। देश में बढ़ते डिजिटल फ्रॉड को रोकने के लिए आरबीआई ने ये प्रस्ताव रखा है। आरबीआई का मानना है कि जालसाज अक्सर मनोवैज्ञानिक दबाव बनाकर जल्दबाजी में पैसे ट्रांसफर करवाते हैं, यह देरी उस दबाव को खत्म करेगी। फिलहाल ज्यादातर डिजिटल ट्रांजैक्शन तुरंत होते हैं, जिससे यूजर को सोचने या गलती सुधारने का मौका नहीं मिलता।

सीनियर सिटीजंस के लिए 'ट्रस्टेड पर्सन' सुविधा- 70 साल से ज्यादा उम्र के बुजुर्गों और

दिव्यांगों के लिए सुरक्षा और सख्त होगी। 50,000 रुपए से ज्यादा के ट्रांजैक्शन के लिए एक ट्रस्टेड पर्सन (भरोसेमंद व्यक्ति) की मंजूरी जरूरी हो सकती है। यह फ्रॉड के खिलाफ सुरक्षा की एक दूसरी लेयर की तरह काम करेगा। अगर आप किसी ऐसे व्यक्ति या मर्चेंट को पैसे भेज रहे हैं, जिसे आप जानते हैं, तो आप उसे व्हाइटलिस्ट में शामिल कर सकते हैं।

डिजिटल पेमेंट बंद करने के लिए 'किल स्विच'

आरबीआई ने एक किल स्विच का सुझाव भी दिया है। अगर किसी ग्राहक को लगता है कि उसका अकाउंट हैक हो गया है या कोई गलत ट्रांजैक्शन हो रहा है, तो वह एक क्लिक से अपनी सभी डिजिटल पेमेंट सेवाओं को तुरंत बंद कर सकेगा। पिछले साल देश में डिजिटल फ्रॉड के कारण होने वाला नुकसान 22 हजार करोड़ रुपए के पार पहुंच गया। आरबीआई के अनुसार 10 हजार रुपए से ऊपर के ट्रांजैक्शन कुल फ्रॉड केस का सिर्फ 45 फीसदी हैं, लेकिन कुल फ्रॉड वैल्यू में इनकी हिस्सेदारी 98.5 फीसदी है। इसी को ध्यान में रखते हुए 10 हजार की लिमिट तय की गई है।

दिल्ली पुलिस ने आईएसआई से जुड़े जासूसी नेटवर्क का भंडाफोड़ किया

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली पुलिस की स्पेशल सेल ने पाकिस्तान की खुफिया एजेंसी आईएसआई के एक बड़े जासूसी नेटवर्क का भंडाफोड़ करते हुए इससे जुड़े 11 व्यक्तियों को गिरफ्तार करके अहम कामयाबी हासिल की है। सूत्रों ने बताया कि आरोपी कठुआ से लेकर उत्तर भारत के अन्य हिस्सों तक सेना से जुड़े प्रतिष्ठानों सहित कई संवेदनशील क्षेत्रों की निगरानी के लिए सीसीटीवी कैमरे लगा रहे थे। देशभर में कुल नौ स्थानों पर ऐसे कैमरे लगाए जाने की पुष्टि हुई है। गौरतलब है कि इसी तरह के एक नेटवर्क का पहले गाजियाबाद में भी भंडाफोड़ किया गया था। जांच में सामने आया है कि यह मॉड्यूल किसी आतंकी नेटवर्क के पैटर्न पर काम कर रहा था, जिससे सुरक्षा व्यवस्था को लेकर गंभीर चिंताएं पैदा हो गई हैं।

दिल्ली हाईकोर्ट में राणा अय्यूब के सोशल मीडिया पोस्ट हटाने की याचिका पर सुनवाई, 19 मई को होगी अगली सुनवाई

नई दिल्ली (एजेंसी)। पत्रकार राणा अय्यूब के 2013 से 2017 के बीच सोशल मीडिया से भारत और हिंदू विरोधी भड़काऊ पोस्ट हटाने की मांग वाली याचिका पर दिल्ली हाईकोर्ट में सुनवाई हुई। सुनवाई के दौरान दिल्ली पुलिस ने अदालत को बताया कि विवादित पोस्ट हटाने के लिए केंद्र सरकार को एक पत्र भेजा गया है और कानून के अनुसार तय प्रक्रिया के तहत पोस्ट हटाने की कार्रवाई की जा रही है। इस मामले की अगली सुनवाई 19 मई को होगी। राणा अय्यूब की वकील ने शिकायतकर्ता अमिता सचदेवा की याचिका पर जवाब देने के लिए समय मांगा है जिसमें उनके पोस्ट को हटाने की मांग की गई है। वकील ने यह भी कहा कि वह अपने जवाब में याचिका की वैधता पर सवाल उठाएंगी। पिछली सुनवाई में अदालत ने कहा था कि हिंदू देवी-देवताओं और वीर सावरकर पर किए गए कुछ पोस्ट आपत्तिजनक और भड़काऊ प्रतीत होते हैं। याचिका में आरोप लगाया गया है कि सोशल मीडिया पर किए गए कुछ पुराने पोस्ट आपत्तिजनक हैं और उन्हें प्लेटफॉर्म से हटाने की मांग की गई है। अदालत में इस पर कानूनी प्रक्रिया के तहत सुनवाई चल रही है और दोनों पक्ष अपनी दलीलें पेश कर रहे हैं और अदालत ने सभी पक्षों को आवश्यक दस्तावेज प्रस्तुत करने के निर्देश दिए हैं। दिल्ली पुलिस ने अदालत को यह भी बताया कि मामले में ऑनलाइन प्लेटफॉर्म से सामग्री हटाने की प्रक्रिया सूचना प्रौद्योगिकी नियमों के अनुसार आगे बढ़ रही है और इसके लिए संबंधित प्राधिकरणों को पत्राचार किया गया है तथा जांच और तकनीकी समीक्षा का काम भी जारी है। अदालत ने कहा कि वह सभी दलीलों को सुनकर ही अंतिम निर्णय पर पहुंचेगी और फिलहाल किसी भी पक्ष पर कोई अंतिम टिप्पणी नहीं की गई है। दोनों पक्षों के बीच कानूनी बहस जारी है और अगली सुनवाई में आगे की स्थिति स्पष्ट होगी।

साइबर ठगों के लिए लगाया था सिम बॉक्स, दो गिरफ्तार

नई दिल्ली (एजेंसी)। विदेश में बैठे साइबर ठगों की सुविधा के लिए लगाए गए सिम बॉक्स को इफ्सो ने गुरुवार को बरामद किया है। पुलिस ने मयूर विहार के फ्लैट से बरामद कर दो आरोपियों को भी गिरफ्तार किया है। इसका इस्तेमाल डिजिटल अरेस्ट और निवेश के नाम पर ठगी करने वाले गिरोह करते थे। डीसीपी विनीत कुमार ने बताया कि कम्बोडिया और अन्य दक्षिण पूर्व एशियाई देशों में बैठे ठग डिजिटल अरेस्ट एवं निवेश के नाम पर ठगी के लिए इंटरनेट काल करते हैं। ये काल को सिम बॉक्स के माध्यम से स्थानीय मोबाइल नेटवर्क पर आती थीं। इसी दौरान इफ्सो के एसीपी विवेका नंद झा की टीम को टेक्निकल जांच के दौरान मालूम हुआ कि मयूर विहार फेज तीन स्थित एक फ्लैट में सिम बॉक्स रखा गया है। इसके बाद टीम ने छापा मारा और वैभव राज एवं अनिल को गिरफ्तार कर लिया। इस फ्लैट को अनिल ने किराए पर लिया था जबकि इंटरनेट कनेक्शन वैभव के नाम पर था। इनके कब्जे से 32 सिम कार्ड वाला सिम बाक्स, 350 सिम और अन्य सामान बरामद हुए। जांच में मालूम हुआ कि वैभव मुम्बई स्थित हैंडलर के इशारे पर यह काम करता था। वह एनीडेस्क के माध्यम से इसकी एसेस ठगों को देता था। इसके अलावा हैंडलर के कहने पर तेजी से सिम कार्ड को बदलता रहता था। सिम बाक्स के इस्तेमाल से फोन करने पर भारतीय नंबर पीड़ित के मोबाइल पर दिखाई देता था जिससे उन्हें सहज विश्वास हो जाता था।

उपराष्ट्रपति ने सिंधी भाषा में संविधान का नवीन संस्करण जारी किया

नई दिल्ली (एजेंसी)। उपराष्ट्रपति सीपी राधाकृष्णन ने शुक्रवार को देवनागरी और फारसी लिपियों में सिंधी भाषा में संविधान का नवीनतम संस्करण जारी किया। सिंधी भाषा दिवस पर उपराष्ट्रपति भवन में आयोजित कार्यक्रम में राधाकृष्णन ने सिंधी भाषी समुदाय को हार्दिक शुभकामनाएं दीं। उन्होंने कहा, सिंधी सबसे प्राचीन भाषाओं में से एक है और इसकी साहित्यिक परंपरा वेदांतिक दर्शन और सूफी विचारों के अनूठे संगम को दर्शाती है। यह एकता, प्रेम और भाईचारे के सार्वभौमिक मूल्यों को बढ़ावा देती है। राधाकृष्णन ने कहा कि आजादी के बाद पहली बार सिंधी भाषा में संविधान का प्रकाशन भाषाई समावेशिता को बढ़ावा देने में एक महत्वपूर्ण कदम है। उन्होंने कहा कि संविधान केवल कानूनी दस्तावेज नहीं है, बल्कि राष्ट्र की जीवंत आत्मा है। उन्होंने केंद्र सरकार द्वारा संविधान को अनेक भारतीय भाषाओं में सुलभ बनाने के प्रयासों की सराहना की। उन्होंने कहा, इससे लोग संविधान को अपनी मातृभाषा में समझ पाते हैं और लोकतांत्रिक भागीदारी और विश्वास मजबूत होता है। इस अवसर पर केंद्रीय मंत्री अर्जुन राम मेघवाल, राजस्थान विधानसभा के अध्यक्ष वासुदेव देवनानी, सांसद शंकर लालवानी और विधायी विभाग के सचिव डॉ. राजीव मणि मौजूद थे।

फर्जी कॉल सेंटर का भंडाफोड़, 11 आरोपी गिरफ्तार

नई दिल्ली (एजेंसी)। दक्षिणी जिले की साकेत पुलिस ने 'साइबरहॉक 4.0' अभियान के तहत गोविंदपुरी में चल रहे फर्जी कॉल सेंटर का पर्दाफाश कर मास्टरमाइंड समेत 11 आरोपियों को गिरफ्तार किया है। यह गिरोह सोशल मीडिया पर वजन घटाने के उत्पादों का विज्ञापन देकर लोगों को ठगता था। पुलिस ने 21 महिला कर्मचारियों और एक महिला पार्टनर को भी जांच में शामिल होने का नोटिस दिया है। डीसीपी अनंत मित्तल के अनुसार, मौके से 35 मोबाइल फोन, 15 सिम कार्ड, तीन लैपटॉप, एक डेस्कटॉप, 35 लौटे पार्सल, बैंक दस्तावेज और चेकबुक बरामद हुए। गुरुग्राम निवासी एक पीड़ित की शिकायत पर जांच शुरू हुई, जिसमें 13,200 रुपये की ठगी सामने आई। पैसे का ट्रेल पवन कुमार के म्यूल अकाउंट तक पहुंचा, जिसने कमीशन के बदले अपना खाता गिरोह को दिया था। जांच के आधार पर छापा मारकर आरोपियों को पकड़ा गया। गिरोह पहले असली डिलीवरी कर भरोसा जीतता, फिर नकली उत्पाद बेचकर अतिरिक्त रकम ऐंठता और बाद में संपर्क तोड़ देता था। मुख्य आरोपी संदीप चौधरी, अश्विनी कुमार और नीरज गुप्ता हैं। पुलिस पूरे नेटवर्क और लेन-देन की जांच कर रही है।

फर्जी लोन ऐप गिरोह के दो गुर्गे दबोचे

दक्षिण-पश्चिम जिले की साइबर पुलिस ने 'ऑपरेशन साइबरहॉक 4.0' के तहत फर्जी लोन ऐप गिरोह का पर्दाफाश कर दो आरोपियों को गिरफ्तार किया है। इनके तार पाकिस्तान और बांग्लादेश के वर्चुअल नंबरों से जुड़े मिले हैं। पहले चार आरोपी पकड़े जा चुके हैं। डीसीपी अमित गोयल के अनुसार, जांच में करण कुमार और शमी अहमद को कापसहेड़ा से गिरफ्तार किया गया। दोनों रैपिडो ड्राइवर थे। इनके पास से मोबाइल फोन बरामद हुए, जिनमें विदेशी नंबरों से व्हाट्सएप चैट मिली। गिरोह ऐप के जरिए लोन का झांसा देकर फोन का एक्सेस लेता, फिर फोटो मॉर्फ कर पीड़ितों को ब्लैकमेल कर रकम वसूलता था।

घर का ताला तोड़कर 14 लाख नकद और सोने का हार चोरी

नई दिल्ली (एजेंसी)। शाहदरा के न्यू सीमापुरी इलाके में चोरों ने एक बंद फ्लैट का ताला तोड़कर 14 लाख नकद और पांच तोले का सोने का हार उड़ा लिया। घटना के वक्त घर का मालिक अपनी दुकान पर था और पत्नी बाजार गई हुई थी। फिलहाल पीड़ित की शिकायत सीमापुरी पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। पुलिस के मुताबिक, 32 वर्षीय नावेद अपने परिवार के साथ न्यू सीमापुरी के बी-74 की दूसरी मंजिल पर रहते हैं। भूतल पर उनकी कपड़े की दुकान है। नावेद ने बताया कि चार अप्रैल को वह अपनी दुकान पर थे। दोपहर करीब 2-30 बजे उनकी पत्नी मसरत फ्लैट के मेन गेट पर ताला लगाकर खरीदारी के लिए बाजार चली गई थीं। शाम करीब बजे जब वह लौटीं, तो देखा कि गेट का ताला टूटा हुआ है और कुंडी लगी है। पत्नी ने तुरंत नीचे जाकर पति को इसकी जानकारी दी। जब दोनों पति-पत्नी अंदर गए तो देखा कि कमरे में रखी अटैची का सारा सामान बिखरा पड़ा था और उसमें रखे 14 लाख नकद व सोने का गले का हार गायब था।

महिला आरक्षण विधेयक: दिल्ली यूनिवर्सिटी में हस्ताक्षर अभियान की शुरुआत, सीएम रेखा ने कहा- ये आधुनिक भारत का बिल

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने शुक्रवार को दिल्ली विश्वविद्यालय के फैकल्टी ऑफ आर्ट्स से आज 'महिला आरक्षण विधेयक' के समर्थन में हस्ताक्षर अभियान का शुभारंभ किया। उन्होंने कहा कि महिला आरक्षण बिल आधुनिक भारत का आधुनिक बिल है। इसको लाना बहुत जरूरी था, जिससे कि महिलाओं को एक बल मिलेगा।

दिल्ली यूनिवर्सिटी में आयोजित कार्यक्रम में मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने शिक्षकों और छात्रों से चाय पर चर्चा की। इसके बाद, दिल्ली विश्वविद्यालय की आर्ट्स फैकल्टी में 'महिला आरक्षण विधेयक' के समर्थन में हस्ताक्षर अभियान शुरू किया। उन्होंने छात्रों के साथ तस्वीर भी खिंचाई। इस अवसर पर दिल्ली विश्वविद्यालय के कुलपति भी उपस्थित थे।

पत्रकारों से बात करते हुए मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने कहा, 'यह हम सबके लिए बहुत ही उत्साह और खुशी का अवसर है कि देश की संसद और विधानसभाओं में महिलाओं के लिए आरक्षण अब इतना नजदीक दिखाई दे रहा है।' उन्होंने कहा, 'इस देश को चलाने, नीति बनाने में और इस देश के प्रशासन में महिलाओं की एक बहुत बड़ी भूमिका होनी चाहिए। यह देश की आधी आबादी है।'

उन्होंने कहा कि जब महिलाएं आगे बढ़कर आएंगी और विधायक-सांसद से लेकर मंत्री और मुख्यमंत्री बनेंगी तो व्यवस्था में उस बदलाव को लाना संभव होगा, जिसके बारे में महिलाएं सोचती हैं। रेखा गुप्ता ने कहा, 'देश में बेटियों की सुरक्षा की बात हो, बेटियों को आगे बढ़ाने की बात हो या आत्मनिर्भर बनाने की बात हो, उन सब व्यवस्थाओं को वे अपने हिसाब से ठीक कर सकती है।'

सीएम रेखा गुप्ता ने कहा, ÷मैं प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का धन्यवाद करती हूं, जिन्होंने विधेयक को लाने के लिए देश में एक बड़ा प्रयास किया है। जहां एक ओर हम बात करते थे 'बेटी बचाओ' की, उससे आगे बढ़कर हमने 'बेटी पढ़ाओ' की बात की और अब 'बेटी बढ़ाओ' तक हम लोग पहुंच रहे हैं।'

मंत्री प्रवेश साहिब सिंह ने दिल्ली गेट और बारापुल्ला नालों में गाद हटाने के काम का लिया जायजा

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली के लोक निर्माण मंत्री प्रवेश साहिब सिंह ने मानसून से पहले दिल्ली गेट और बारापुल्ला नालों में गाद हटाने के काम की प्रगति का जायजा लेने के लिए आज यहां का दौरा किया।

मंत्री प्रवेश साहिब सिंह ने सोशल मीडिया अकाउंट एक्स पर पोस्ट करते हुए बताया कि दिल्ली गेट पर लगभग 40 वर्षों से ढका हुआ नाला अब आखिरकार सफाई के लिए खोला जा रहा है। अब तक 21,000 मीट्रिक टन से अधिक गाद हटाई जा चुकी है, जो 70 फीसद से अधिक काम पूरा होने का संकेत है। उन्होंने कहा कि बारापुल्ला में गाद हटाने का काम 78 फीसद पूरा होने के करीब है और 31,000 मीट्रिक टन से अधिक गाद हटाई जा चुकी है।

मंत्री प्रवेश साहिब सिंह ने कहा कि पूरे दिल्ली में नालों से गाद हटाने का काम पूरी गति से चल रहा है। उन्होंने कहा कि 77 नालों में से लगभग 50 फीसद गाद हटाने का काम पूरा हो चुका है और अब तक 14 लाख मीट्रिक टन से अधिक गाद हटाई जा चुकी है। लक्ष्य अभी भी 28 लाख मीट्रिक टन है।

उल्लेखनीय है कि मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने गुरुवार को दिल्ली सचिवालय में मानसून की तैयारियों को समीक्षा बैठक की थी। उन्होंने सभी विभागों को मानसून से पूर्व (30 जून तक) नालों से गाद निकालकर उसे चिन्हित स्थानों पर पहुंचाना का निर्देश दिया है।

रेखा गुप्ता पर हमले का मामला हाईकोर्ट पहुंचा, अगली सुनवाई 15 अप्रैल को

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता पर हुए हमले के मामले में नया कानूनी मोड़ सामने आया है। इस केस में आरोपी राजेश भाई खीमजी और तहसीन रजा उर्फ बापू ने निचली अदालत द्वारा आरोप तय किए जाने के फैसले को दिल्ली हाईकोर्ट में चुनौती दी है। आरोपियों की याचिका पर सुनवाई करते हुए दिल्ली हाई कोर्ट ने दिल्ली पुलिस को नोटिस जारी किया है। अदालत ने मामले की सुनवाई के बाद दोनों पक्षों को 15 अप्रैल तक अपनी लिखित दलीलें दाखिल करने का निर्देश दिया है। अब इस मामले की अगली सुनवाई 15 अप्रैल को होगी। इस केस में दोनों आरोपियों पर आपराधिक साजिश और हत्या की कोशिश जैसी गंभीर धाराएं लगाई गई हैं। हालांकि, आरोपियों ने इन धाराओं का विरोध करते हुए कहा है कि यह मामला केवल एक हमले का है, इसे हत्या की कोशिश के रूप में पेश करना गलत है। मामले में आरोपियों की ओर से पेश हुए एडवोकेट हैरी छिब्बर ने कहा कि घटना बेहद दुर्भाग्यपूर्ण थी लेकिन इसे बढ़ा-चढ़ाकर पेश किया जा रहा है। उन्होंने कहा, 'यह सच है कि घटना से गंभीर चोट लग सकती थी, लेकिन मौजूदा तथ्यों के आधार पर यह कहना सही नहीं है कि गला घोंटने की कोशिश हुई थी। यह केवल एक हमला था, जिसे हत्या की कोशिश नहीं कहा जा सकता।' उन्होंने कहा कि दिल्ली में रोजाना ऐसे हमले या रोड रेज जैसी घटनाएं सामने आती हैं, लेकिन हर मामले को हत्या की कोशिश नहीं माना जा सकता। छिब्बर ने यह भी बताया कि आरोपी राजेश भाई खेमजी गुजरात के राजकोट का रहने वाला है और वह दिल्ली मुख्यमंत्री के कैंप ऑफिस में अपनी एक चिंता को लेकर आया था। एडवोकेट के अनुसार, उस समय आवारा कुत्तों को लेकर सुप्रीम कोर्ट के आदेश के खिलाफ विरोध चल रहा था। इसी मुद्दे पर अपनी बात रखने के लिए आरोपी दिल्ली आया था। उनका कहना है कि वह मुख्यमंत्री से मिलकर यह आग्रह करना चाहता था कि इस मामले में मानवीय दृष्टिकोण अपनाया जाए और कुत्तों को शेल्टर होम में रखकर उनकी देखभाल की जाए। हालांकि, बातचीत के दौरान अचानक क्या हुआ, इस पर वकील ने खुलासा करने से इनकार कर दिया और कहा कि यह ट्रायल का हिस्सा है, जिस पर अभी चर्चा नहीं की जा सकती।

रिकॉर्ड मतदान से मजबूत हुआ लोकतंत्र, असम, केरल और पुडुचेरी ने रचा इतिहास

अरणि गौड़
नई दिल्ली (शिखर समाचार)।
देश के तीन राज्यों असम, केरल और पुडुचेरी में 9 अप्रैल को हुए मतदान ने भारतीय लोकतंत्र के इतिहास में एक नया अध्याय जोड़ दिया है। इन राज्यों के मतदाताओं ने अभूतपूर्व उत्साह का परिचय देते हुए अब तक का सर्वाधिक मतदान दर्ज कराया, जिससे यह स्पष्ट हो गया कि लोकतंत्र के प्रति जनता की आस्था और भागीदारी लगातार बढ़ रही है।

आंकड़ों के अनुसार असम में 2026 के विधानसभा चुनाव में कुल मतदान 85.91 प्रतिशत तक पहुंच गया, जो राज्य के इतिहास का सर्वोच्च स्तर है। इस चुनाव की सबसे उल्लेखनीय बात महिला मतदाताओं की सक्रिय भागीदारी रही, जहां महिलाओं का मतदान प्रतिशत 86.50 रहा, जो पुरुषों के 85.33 प्रतिशत से अधिक है। यह बदलाव समाज में महिलाओं की बढ़ती जागरूकता और सशक्त उपस्थिति को दशार्ता है।

पुडुचेरी में भी मतदाताओं ने रिकॉर्ड कायम किया। यहां कुल मतदान 89.87 प्रतिशत दर्ज किया गया, जबकि महिला मतदाताओं की भागीदारी 91.40 प्रतिशत तक पहुंच गई। यह आंकड़ा न केवल राज्य के लिए बल्कि पूरे देश के लिए प्रेरणादायक उदाहरण बन गया है।

केरल, जो पहले से ही उच्च मतदान प्रतिशत के लिए जाना जाता है, ने भी इस बार नया कीर्तिमान स्थापित किया। यहां 2026 के विधानसभा चुनाव में कुल 78.27 प्रतिशत मतदान हुआ, जिसमें महिलाओं की भागीदारी 81.19 प्रतिशत रही।

जन जागरण और राजनीतिक सक्रियता का असर

विशेषज्ञों का मानना है कि इस रिकॉर्ड मतदान के पीछे बढ़ती राजनीतिक जागरूकता एक प्रमुख कारण है। डिजिटल माध्यमों और सामाजिक मंचों के विस्तार ने मतदाताओं को अधिक जागरूक और सक्रिय बनाया है। इसके साथ ही राजनीतिक दलों की व्यापक प्रचार रणनीतियों और जमीनी स्तर पर किए गए प्रयासों ने भी मतदाताओं को मतदान केंद्रों तक पहुंचाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।

चुनाव आयोग की पहल रंग लाई

इस उपलब्धि का श्रेय चुनाव आयोग की सक्रियता को भी दिया जा रहा है। मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार के नेतृत्व में आयोग ने मतदाता जागरूकता, सरल मतदान प्रक्रिया और विशेष रूप से महिलाओं एवं युवाओं को जोड़ने के लिए कई प्रभावी पहल कीं। SVEEP कार्यक्रम के माध्यम से मतदाता ही लोकतंत्र की असली ताकत है संदेश को व्यापक स्तर पर पहुंचाया गया, जिसका सकारात्मक परिणाम मतदान प्रतिशत में वृद्धि के रूप में सामने आया।

महिलाओं ने संभाली लोकतंत्र की कमान

तीनों राज्यों में एक समान रुझान देखने को मिला महिला मतदाताओं की भागीदारी पुरुषों के बराबर या उससे अधिक रही। यह न केवल सामाजिक बदलाव का संकेत है, बल्कि यह भी दशार्ता है कि शिक्षा और जागरूकता के प्रसार ने महिलाओं को लोकतांत्रिक प्रक्रिया में अग्रणी बना दिया है।

लोकतंत्र के लिए उत्साहजनक संकेत

विशेषज्ञों के अनुसार यह रिकॉर्ड मतदान लोकतंत्र की मजबूती का प्रतीक है। यह दशार्ता है कि अब जनता केवल दर्शक नहीं रही, बल्कि सक्रिय भागीदारी निभा रही है। ऐसे रुझान भविष्य में और अधिक सशक्त और जवाबदेह शासन व्यवस्था की दिशा में महत्वपूर्ण कदम साबित होंगे।

सरकारी स्कूलों में किताबों की कमी पर कांग्रेस का हमला, छात्रों के भविष्य से खिलवाड़ का आरोप

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष देवेंद्र यादव ने दिल्ली के सरकारी स्कूलों में छात्रों को समय पर किताबें न मिलने को लेकर सरकार पर गंभीर आरोप लगाए हैं। उन्होंने कहा कि करोड़ों रुपये के शिक्षा बजट के बावजूद आठवीं कक्षा तक के विद्यार्थियों को नए सत्र की किताबें उपलब्ध न होना सरकार की नीतिगत विफलता को दर्शाता है। देवेंद्र यादव ने कहा कि शैक्षणिक सत्र 2026-27 एक अप्रैल से शुरू हो चुका है, लेकिन अब तक बड़ी संख्या में छात्र किताबों का इंतजार कर रहे हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि यह समस्या पिछले कई वर्षों से बनी हुई है, फिर भी इसे दूर करने के लिए कोई ठोस कदम नहीं उठाए गए हैं। उन्होंने सवाल उठाया कि जब एनसीईआरटी द्वारा किताबें तैयार की जाती हैं और बाजार में उपलब्ध भी रहती हैं, तो शिक्षा विभाग समय पर उनकी आपूर्ति क्यों नहीं सुनिश्चित कर पाता। उनके अनुसार यह स्थिति सरकारी स्कूलों में पढ़ने वाले गरीब बच्चों के भविष्य के साथ अन्याय है। कांग्रेस अध्यक्ष ने यह भी आरोप लगाया कि लगभग 20 हजार अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति और अन्य पिछड़ा वर्ग के छात्रों को पिछले एक दशक से ट्यूशन फीस नहीं दी गई है। उन्होंने बताया कि हजारों पात्र छात्र अभी भी करोड़ों रुपये की सहायता राशि का इंतजार कर रहे हैं। देवेंद्र यादव ने कहा कि सरकार को छात्रों की सहायता राशि वितरण की प्रक्रिया को सरल बनाना चाहिए और स्कूल स्तर पर सत्यापन की सुविधाएं उपलब्ध करानी चाहिए, ताकि पात्र विद्यार्थियों को समय पर लाभ मिल सके।

उल्लास 2026 : केएनसी में विरासत, नारीत्व और प्रतिभा का भव्य संगम

नई दिल्ली (शिखर समाचार)। दिल्ली विश्वविद्यालय के कमला नेहरू कॉलेज में 9 अप्रैल से शुरू हुआ वार्षिक सांस्कृतिक उत्सव 'उल्लास 2026' इस बार 'धरोहर दी हेरिटेज" थीम के साथ खास आकर्षण का केंद्र बना। दो दिवसीय इस आयोजन में नारीत्व को संस्कृति, परंपरा और विरासत के जीवंत प्रतीक के रूप में प्रस्तुत किया गया, जिसने पूरे परिसर को रंगों, कला और ऊर्जा से भर दिया। उत्सव का शुभारंभ गरिमामयी उद्घाटन समारोह से हुआ, जिसमें मुख्य अतिथि के रूप में संत ईश्वर फाउंडेशन की राष्ट्रीय सचिव और प्रज्ञान इम्पैक्ट सॉल्यूशंस की निदेशक वृंदा खन्ना शामिल रहीं। उन्होंने अपने संबोधन में ग्लोबलाइजेशन के दौर में अपनी जड़ों से जुड़े रहने की आवश्यकता पर जोर देते हुए युवाओं को अपनी विरासत अपनाने के लिए प्रेरित किया। कॉलेज की प्राचार्या प्रो. (डॉ.) पवित्रा भारद्वाज ने भी थीम को समयानुकूल बताते हुए कहा कि विरासत हमारी पहचान और निरंतरता का महत्वपूर्ण हिस्सा है। उद्घाटन समारोह का मुख्य आकर्षण 'लक्ष्य' थिएटर सोसाइटी की नाट्य प्रस्तुति 'अवसाना' रही, जो यक्षगान शैली से प्रेरित एक प्रभावशाली मंचन था। वहीं 'ल्यूमिनोसो' फाइन आर्ट्स सोसाइटी द्वारा सजाए गए परिसर में हस्तनिर्मित कलाकृतियां, सॉफ्ट लाइटिंग और पेपर लैंप्स ने सांस्कृतिक वातावरण को जीवंत बना दिया। साथ ही खाने पीने के स्टॉल, क्रोशे, ज्वेलरी और कपड़ों की प्रदर्शनी ने छात्रों की रचनात्मकता को उजागर किया।

उत्सव के दौरान विभिन्न कॉलेजों के छात्रों ने उत्साहपूर्वक भागीदारी की। किरोड़ीमल कॉलेज, हिंदू कॉलेज, गर्गी कॉलेज, कॉलेज ऑफ वोकेशनल स्टडीज, श्री वेंकटेश्वर कॉलेज, लेडी श्रीराम कॉलेज और मिरांडा हाउस के प्रतिभागियों ने प्रतियोगिताओं में शानदार प्रदर्शन कर आयोजन को प्रतिस्पर्धात्मक और रोमांचक बनाया। मुख्य आकर्षणों में 'देव भूमि' उत्तराखंड सोसाइटी का पारंपरिक 'जागर' लोक नृत्य और 'ऑर्किड' नॉर्थ-ईस्ट सोसाइटी की रंगारंग प्रस्तुति शामिल रही, जिसने भारत की सांस्कृतिक विविधता को खूबसूरती से दशार्या। 'स्नैपशॉट्स' फोटोग्राफी सोसाइटी की इंटरैक्टिव प्रदर्शनी और 'लक्ष्य' की 'ब्यूरोक्रेजी' नाट्य प्रस्तुति ने भी दर्शकों को खूब आकर्षित किया।

दूसरे दिन हरियाणा की लोक परंपरा को समर्पित 'सपेरा बीन पार्टी' का प्रदर्शन विशेष आकर्षण रहा, जिसने पारंपरिक बीन की धुनों से माहौल को मंत्रमुग्ध कर दिया। वहीं लाइव म्यूजिक परफॉर्मेंस में पहले दिन रजत राठौर की प्रस्तुति ने युवाओं में जोश भर दिया, जबकि दूसरे दिन डीजे कशिश राठौर के धमाकेदार समापन ने पूरे परिसर को झूमने पर मजबूर कर दिया। छात्र संघ अध्यक्ष राजेश्वरी शेलके ने कहा कि 'उल्लास 2026' ने विभिन्न प्रतिभाओं और विचारों को एक मंच पर लाकर रचनात्मकता और सांस्कृतिक विरासत को नई पहचान दी है। पारंपरिक परिधानों में सजे छात्रों की मौजूदगी ने उत्सव की भव्यता को और बढ़ा दिया। 'उल्लास 2026' केवल एक सांस्कृतिक कार्यक्रम नहीं, बल्कि विरासत और नारीत्व के महत्व को दशार्ने वाला एक सशक्त मंच बनकर उभरा, जिसने युवाओं को अपनी संस्कृति से जुड़ने और उसे गर्व के साथ आगे बढ़ाने का संदेश दिया।

उत्तम नगर हत्याकांड :जेजेबी ने दो नाबालिग आरोपियों की जमानत खारिज की

नई दिल्ली (एजेंसी)। नई दिल्ली, 10 अप्रैल (वेब वार्ता)। उत्तम नगर में होली के दिन दो पड़ोसी परिवारों के बीच हुई झड़प में 26 वर्षीय तरुण की हत्या के मामले में जुवेनाइल जस्टिस बोर्ड ने दो नाबालिग आरोपियों की जमानत याचिका खारिज कर दी है। द्वारका स्थित जुवेनाइल जस्टिस बोर्ड की प्रधान मजिस्ट्रेट चित्रांशी अरोड़ा की अध्यक्षता वाली पीठ ने कहा कि इन नाबालिगों को इस समय रिहा करने से सार्वजनिक शांति भंग हो सकती है। और न्याय व्यवस्था में जनता का विश्वास डगमगा सकता है। बोर्ड ने यह भी टिप्पणी की कि उनकी रिहाई से इलाके में मौजूद सांप्रदायिक तनाव बढ़ सकता है, साथ ही उन्हें शारीरिक व मानसिक खतरा हो सकता है तथा जांच पर भी असर पड़ सकता है।

04 मार्च 2026 को उत्तम नगर की जेजे कॉलोनी में दो पड़ोसी परिवारों (जो अलग-अलग समुदायों के हैं) के बीच विवाद शुरू हुआ था। विवाद की शुरुआत तब हुई जब एक समुदाय की लड़की द्वारा फेंका गया पानी का गुब्बारा गलती से दूसरे समुदाय की महिला पर गिर गया। इस छोटे से विवाद ने जल्दी ही हिंसक झड़प का रूप ले लिया। झड़प में 26 वर्षीय तरुण भुतोलिया (या तरुण कुमार) गंभीर रूप से घायल हो गए थे। उन्हें अस्पताल में भर्ती कराया गया, जहां इलाज के दौरान उनकी मौत हो गई। पुलिस ने इस मामले में छह वयस्कों को गिरफ्तार किया था, जबकि दो नाबालिगों को हिरासत में लिया गया। दोनों नाबालिग फिलहाल ऑब्जर्वेशन होम में हैं। जमानत याचिका खारिज करते हुए बोर्ड ने कहा कि अपराध की प्रकृति गंभीर है और जांच अभी संवेदनशील चरण में है। बोर्ड में प्रधान मजिस्ट्रेट चित्रांशी अरोड़ा के अलावा सदस्य पूनम उपाध्याय और चंद्र सुमन कुमार भी शामिल थे।

भारत बन रहा सिंथेटिक ड्रग्स का नया हब, आसानी से युवाओं तक पहुंच रहा सफेद जहर : एलजी

-दिल्ली के उपराज्यपाल ने सिंथेटिक ड्रग्स के बढ़ते खतरे को लेकर दी गंभीर चेतावनी

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली के उपराज्यपाल तरनजीत सिंह संधू ने सिंथेटिक ड्रग्स के बढ़ते खतरे को लेकर गंभीर चेतावनी दी है। उन्होंने कहा कि भारत अब सिर्फ ड्रग्स का रास्ता भर नहीं रह गया, बल्कि इसके उत्पादन और वितरण का केंद्र बनने की ओर बढ़ रहा है, जो सुरक्षा और समाज दोनों के लिए बडी चुनौती है।

काउंटरिंग नार्को-टेररिज्म पर आयोजित अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन में बोलते हुए एलजी ने कहा कि मादक पदार्थों का अवैध कारोबार अब केवल अपराध का मुद्दा नहीं है, बल्कि ये राष्ट्रीय सुरक्षा, अर्थव्यवस्था और शासन व्यवस्था से सीधे जुड़ा खतरा बन चुका है। उन्होंने बताया कि वैश्विक स्तर पर ये कारोबार सैकड़ों अरब डॉलर का है और इसकी जड़ें संगठित अपराध और आतंकवाद तक फैली हुई हैं। एलजी ने स्पष्ट किया कि ड्रग्स से होने वाली कमाई मनी लॉन्ड्रिंग और आतंकी गतिविधियों को फंड करने में इस्तेमाल हो रही हैं। ये नेटवर्क अब इतना मजबूत हो चुका है कि इससे निपटना सिर्फ कानून-व्यवस्था का मामला नहीं रह गया है।

ड्रग्स की बढ़ती बरामदी बेहद गंभीर विषय -भारत के संदर्भ में एलजी ने खास तौर पर सिंथेटिक ड्रग्स को लेकर चिंता जताई। उनके मुताबिक, मेथामफेटामाइन और अन्य एम्फेटामाइन जैसे ड्रग्स की देश में बढ़ती बरामदगी और अलग-अलग इलाकों में इसकी मौजूदगी इस बात का संकेत है कि भारत ट्रांजिट रूट से आगे बढ़कर एक संभावित प्रोडक्शन और डिस्ट्रीब्यूशन हब बनता जा रहा है। उन्होंने युवाओं में नशे की बढ़ती प्रवृत्ति को भी गंभीर सामाजिक संकट बताया। इसके चलते स्वास्थ्य सेवाओं पर दबाव बढ़ रहा है और कार्यक्षमता पर भी असर पड़ रहा है। प्रभावी रणनीति के बिना रोक पाना असंभव -इस चुनौती से निपटने के लिए एलजी ने बहु-आयामी रणनीति पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि इंटेलिजेंस शेयरिंग, कानून प्रवर्तन एजेंसियों, वित्तीय निगरानी तंत्र और पब्लिक हेल्थ सिस्टम को एक साथ जोड़कर काम करना होगा, तभी इस खतरे को प्रभावी ढंग से रोका जा सकता है। दिल्ली हाई कोर्ट में आयोजित एक अन्य सम्मेलन में एलजी ने आर्थिक मोर्चे पर भी बात रखी। उन्होंने कहा कि मजबूत आर्बिट्रेशन सिस्टम निवेशकों का भरोसा बढ़ाने और कारोबार को आसान बनाने में अहम भूमिका निभाता है। एलजी ने भरोसा जताया कि सही सुधारों और संस्थागत मजबूती के साथ भारत वैश्विक स्तर पर आर्बिट्रेशन हब बनने की दिशा में आगे बढ़ सकता है।

प्रधानमंत्री के प्रमुख सचिव ने नमो भारत कॉरिडोर का किया विस्तृत निरीक्षण

नई दिल्ली/गाजियाबाद (शिखर समाचार)। प्रधानमंत्री के प्रमुख सचिव पी. के. मिश्र ने प्रधानमंत्री के सलाहकार तरुण कपूर तथा प्रधानमंत्री कार्यालय के वरिष्ठ अधिकारियों के साथ दिल्ली गाजियाबाद मेरठ नमो भारत कॉरिडोर का विस्तृत निरीक्षण किया। इस दौरान आवासन एवं शहरी कार्य मंत्रालय के सचिव श्रीनिवास कटिकिथाला सहित अन्य अधिकारी भी मौजूद रहे। सराय काले खां स्टेशन पर राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र परिवहन निगम के प्रबंध निदेशक शलभ गोयल ने प्रतिनिधिमंडल का स्वागत किया।

निरीक्षण के दौरान नमो भारत परियोजना की विस्तृत प्रस्तुति दी गई, जिसमें इसके समग्र ढांचे, उन्नत तकनीकी प्रयोग और नवाचारों की जानकारी शामिल रही। बताया गया कि दिल्ली, गाजियाबाद और मेरठ को जोड़ने वाला लगभग 82 किलोमीटर लंबा यह कॉरिडोर क्षेत्रीय परिवहन व्यवस्था में एक नया मानक स्थापित कर रहा है। यह परियोजना प्रदूषण और यातायात जाम जैसी समस्याओं के समाधान के साथ साथ टिकाऊ और कुशल परिवहन प्रणाली को बढ़ावा दे रही है।

दौरे की शुरूआत सराय काले खां स्टेशन से हुई, जो एक बहुमाध्यम परिवहन केंद्र के रूप में विकसित किया जा रहा है। यहां से मेट्रो, रेलवे, अंतरराज्यीय बस अड्डा और शहर की बस सेवाओं के बीच सहज संपर्क उपलब्ध है। प्रतिनिधिमंडल ने

विभिन्न परिवहन साधनों के बीच निर्बाध आवागमन की व्यवस्था का अनुभव किया। पी. के. मिश्र ने इस एकीकृत प्रणाली को 'नेटवर्क का नेटवर्क' बताते हुए इसकी सराहना की और कहा कि इससे लोगों को निजी वाहनों की बजाय सार्वजनिक परिवहन अपनाने की प्रेरणा मिलेगी। प्रतिनिधिमंडल ने सराय काले खां से दुहाई डिपो तक नमो भारत ट्रेन में यात्रा कर यात्री सुविधाओं का अवलोकन किया। यात्रा के दौरान आराम, सुरक्षा और समावेशिता से जुड़ी व्यवस्थाओं, जैसे चिकित्सीय आवश्यकता के लिए स्ट्रेचर सुविधा, पर विशेष ध्यान दिए जाने की सराहना की गई।

दुहाई स्थित डिपो में प्रतिनिधिमंडल ने अपरिमित नामक नवाचार केंद्र का उद्घाटन किया। यहां आभासी वास्तविकता, संवर्धित वास्तविकता, अनुकरण प्रणाली और भवन सूचना मॉडलिंग जैसी आधुनिक तकनीकों का उपयोग कर संचालन और प्रशिक्षण को मजबूत किया जा रहा है। इसके अलावा डिपो कार्यशाला और निरीक्षण लाइनों का भी अवलोकन किया गया, जहां ट्रेनों का रखरखाव और परीक्षण किया जाता है।

इस अवसर पर नमो भारत परियोजना की यात्रा पर आधारित एक दस्तावेजी पुस्तक का विमोचन भी किया गया। उल्लेखनीय है कि नरेंद्र मोदी ने 22 फरवरी 2026 को इस पूरे कॉरिडोर को राष्ट्र को समर्पित किया था, जो देश की शहरी परिवहन व्यवस्था में एक महत्वपूर्ण परिवर्तनकारी कदम माना जा रहा है।

असम के मुख्यमंत्री के खिलाफ कांग्रेसियों का प्रदर्शन, पुतला फूंककर बर्खास्तगी की मांग

बिजनौर (शिखर समाचार)। हिमंत बिस्वा सरमा द्वारा कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे और प्रवक्ता पवन खेड़ा के खिलाफ कथित अभद्र टिप्पणी को लेकर शुक्रवार को जिला कांग्रेस कमेटी के कार्यकताओं में भारी रोष देखने को मिला। आक्रोशित कार्यकताओं ने पार्टी कार्यालय पर एकत्र होकर जोरदार नारेबाजी की और मुख्यमंत्री का पुतला फूंककर विरोध दर्ज कराया।

शुक्रवार को बड़ी संख्या में कांग्रेस कार्यकर्ता जिला कार्यालय पहुंचे और असम सरकार तथा मुख्यमंत्री के खिलाफ जमकर नारेबाजी की। इसके बाद कार्यकताओं ने राष्ट्रपति को संबोधित एक ज्ञापन एसडीएम सदर रितु रानी को सौंपा। ज्ञापन में आरोप लगाया गया कि मुख्यमंत्री द्वारा कांग्रेस के शीर्ष नेतृत्व के खिलाफ अमर्यादित भाषा का प्रयोग किया गया है, जो लोकतांत्रिक मूल्यों के विपरीत है। कार्यकताओं ने मांग की कि ऐसी टिप्पणी करने वाले

मुख्यमंत्री को तत्काल पद से बर्खास्त किया जाए।

प्रदर्शन के दौरान कानून-व्यवस्था बनाए रखने के लिए पुलिस बल तैनात रहा। पुलिस की मौजूदगी के चलते कार्यकताओं ने कार्यालय परिसर के भीतर ही मुख्यमंत्री का पुतला फूंककर अपना विरोध दर्ज कराया। इस मौके पर जिला अध्यक्ष हेनरीता राजीव सिंह ने कहा कि भाजपा के नेता लगातार विपक्ष के नेताओं के खिलाफ ओछी राजनीति और अभद्र भाषा का प्रयोग कर रहे हैं, जिसे किसी भी सूरत में स्वीकार नहीं किया जाएगा।

प्रदर्शन और ज्ञापन सौंपने वालों में हुमायूं बेग, ओमवती, आर.के. सिंह, हरीराज सिंह, अकबर अहमद, अनिल त्यागी, नजाकत अल्वी, चितवन शर्मा, मीनू गोयल, हीरा सिंह और शूरवीर सिंह सहित कई कांग्रेस कार्यकर्ता मौजूद रहे।

शिनाख्त बिना अंतिम संस्कार पर बवाल: थाने पर प्रदर्शन, हाईवे जाम, दो दरोगा निलंबित

गढ़मुक्तेश्वर(शिखर समाचार)। क्षेत्र के गांव माधापुर निवासी 22 वर्षीय प्रशांत उर्फ पप्पू की बिना शिनाख्त अंतिम संस्कार किए जाने के मामले में शुक्रवार को जमकर बवाल हो गया। गुस्साए परिजन और ग्रामीण थाने पहुंच गए और विरोध प्रदर्शन करते हुए पुराने हाईवे पर जाम लगा दिया। मामले की गंभीरता को देखते हुए एसपी ने तत्काल कार्रवाई करते हुए दो दरोगाओं को निलंबित कर दिया।

जानकारी के अनुसार एक अप्रैल को प्रशांत पुराने बाइपास पर अज्ञात वाहन की चपेट में आकर गंभीर रूप से घायल हो गया था। पुलिस ने उसे अस्पताल में भर्ती कराया, जहां से हालत गंभीर होने पर मेरठ रेफर कर दिया गया। तीन अप्रैल को उपचार के दौरान उसकी मौत हो गई। पुलिस ने 72 घंटे तक शव की शिनाख्त कराने का प्रयास किया, लेकिन सफलता नहीं मिली।

इसी दौरान मृतक के पिता ऋषिपाल ने थाने में बेटे की गुमशुदगी दर्ज कराई

थी, बावजूद इसके पुलिस मृतक की पहचान नहीं कर सकी और लापरवाही बरतते हुए शव का अंतिम संस्कार कर दिया। शुक्रवार को जब परिजनों को इस बात की जानकारी मिली तो उनका आक्रोश फूट पड़ा और बड़ी संख्या में ग्रामीणों के साथ थाने पहुंचकर प्रदर्शन किया गया।

मौके पर पहुंचे अधिकारियों ने समझाने का प्रयास किया, लेकिन परिजन कार्रवाई की मांग पर अड़े रहे। इसके बाद मामले की सूचना उच्च अधिकारियों को दी गई, जिस पर एसपी ने दरोगा गोविंद सिंह और विकेश कुमार को तत्काल प्रभाव से निलंबित कर दिया। कार्रवाई के आश्वासन के बाद जाम खोला गया और परिजन शांत हुए। बाद में पीड़ित पक्ष ने रिपोर्ट दर्ज कराने और आगे की कार्रवाई की मांग रखी।

अंतिम मतदाता सूची जारी: एसआईआर के बाद 2.03 लाख नाम कटे, जनपद में मतदाताओं की संख्या में बड़ी गिरावट

हापुड़ (शिखर समाचार)। चुनाव आयोग के निर्देश पर चलाए गए विशेष संक्षिप्त पुनरीक्षण (एसआईआर) अभियान के तहत शुक्रवार को जनपद की अंतिम मतदाता सूची जारी कर दी गई। इस प्रक्रिया के बाद जिले में कुल 2.03 लाख मतदाताओं के नाम सूची से हटा दिए गए हैं, जिससे मतदाताओं की कुल संख्या 11,56,699 से घटकर अब 9,53,273 रह गई है। इस बड़े बदलाव के बाद प्रशासनिक स्तर पर मतदाता सूची को अधिक सटीक और पारदर्शी बनाने की बात कही जा रही है। जिलाधिकारी अभिषेक पांडेय के अनुसार, यह कार्रवाई मतदाता सूची को शुद्ध और अद्यतन करने के उद्देश्य से की गई है। पुनरीक्षण के दौरान मृत, स्थानांतरित और डुप्लीकेट मतदाताओं के नाम चिन्हित कर सूची से हटाए गए हैं, जिससे भविष्य में चुनाव प्रक्रिया अधिक निष्पक्ष और व्यवस्थित ढंग से संपन्न कराई जा सके। विधानसभा क्षेत्रों की बात करें तो धौलाना में मतदाताओं की संख्या 4,23,154 से घटकर 3,47,391 रह गई है, जहां 75,763 नाम काटे

गए। हापुड़ विधानसभा क्षेत्र में 3,81,831 से घटकर 3,08,409 मतदाता रह गए हैं, जिसमें 73,422 नाम हटाए गए। वहीं गढ़मुक्तेश्वर क्षेत्र में भी 3,51,714 से घटकर 2,97,473 मतदाता रह गए, जहां 54,241 नाम सूची से बाहर किए गए हैं। प्रशासन ने स्पष्ट किया है कि यदि कोई पात्र व्यक्ति इस सूची में शामिल होने से छूट गया है, तो वह निर्धारित प्रक्रिया के तहत फॉर्म-6 भरकर अपना नाम जुड़वा सकता है। इसके लिए निर्वाचन कार्यालय में आवेदन की सुविधा उपलब्ध कराई गई है, ताकि कोई भी योग्य मतदाता अपने अधिकार से वंचित न रह जाए।

शारदा यूनिवर्सिटी में 'एक्सप्रेशन्स-26' के जरिए दिखी छात्रों की रचनात्मक प्रतिभा

ग्रेटर नोएडा (शिखर समाचार)। ग्रेटर नोएडा स्थित शारदा यूनिवर्सिटी के स्कूल ऑफ डिजाइन द्वारा आयोजित दो दिवसीय कार्यक्रम 'एक्सप्रेशन्स-26' रचनात्मकता और प्रतिभा का अनूठा मंच बनकर उभरा। इस आयोजन में पासआउट हो रहे विद्यार्थियों ने अपने अंतिम प्रोजेक्ट, डिजाइन कलेक्शन और नए क्रिएटिव आइडियाज को प्रदर्शनी और फैशन शो के माध्यम से प्रस्तुत किया। प्रदर्शनी में विभिन्न डिजाइन क्षेत्रों से जुड़े अभिनव कार्य देखने को मिले, जिन्होंने छात्रों की कल्पनाशीलता और तकनीकी कौशल को दर्शाया। वहीं फैशन शो के दौरान विद्यार्थियों ने अपने डिजाइन किए परिधानों को रनवे पर पेश कर प्रोफेशनल मंच का अनुभव प्राप्त किया। कार्यक्रम का उद्देश्य केवल छात्रों के काम को प्रदर्शित करना ही नहीं, बल्कि उन्हें डिजाइन इंडस्ट्री से जोड़ना भी रहा। इस अवसर पर कई डिजाइन विशेषज्ञ, प्रोफेशनल्स और अतिथि उपस्थित रहे, जिन्होंने छात्रों को मार्गदर्शन देने के साथ-साथ नेटवर्किंग और करियर के नए अवसरों की जानकारी भी दी। कार्यक्रम की योजना और संचालन में भी छात्रों की सक्रिय भागीदारी रही, जिससे उन्हें वास्तविक अनुभव प्राप्त हुआ। शारदा यूनिवर्सिटी के प्रो-चांसलर वाई.के. गुप्ता ने कहा कि एक्सप्रेशन्स-26 छात्रों की मेहनत और क्रिएटिविटी का बेहतरीन उदाहरण है, जो उन्हें प्रोफेशनल दुनिया के लिए तैयार करता है। वहीं स्कूल ऑफ डिजाइन की डीन प्रो. (डॉ.) दीप्ति पराशर ने इसे छात्रों की कल्पनाशीलता और नवाचार का उत्सव बताया। इस अवसर पर डॉ. पूनम, डॉ. अभय, डॉ. सतविंदर सिंह वालिया, डॉ. मनीष, डॉ. कंचन, डॉ. नीलम, डॉ. संदीप, डॉ. बलप्रीत सिंह सहित कई डीन, फैकल्टी सदस्य, स्टाफ और छात्र मौजूद

आईपीएल सट्टे का भंडाफोड़: हापुड़ में तीन सटोरिए गिरफ्तार, तीन फरार बाहर बैठकर गैंग चला रहे सट्टा माफिया

हापुड़ (शिखर समाचार)। जिले में आईपीएल मैचों के दौरान बड़े स्तर पर चल रहे सट्टा कारोबार का पुलिस ने खुलासा करते हुए तीन सटोरियों को गिरफ्तार किया है, जबकि तीन आरोपी मौके से फरार हो गए। पुलिस ने गिरफ्तार आरोपियों के पास से नगदी और मोबाइल फोन बरामद किए हैं। बताया जा रहा है कि शहर के बड़े सट्टा माफिया खुद बाहर रहकर अपने गुर्गों के जरिए इस अवैध धंधे को संचालित कर रहे हैं।

जानकारी के अनुसार हापुड़ में आईपीएल मैचों पर करोड़ों रुपये का सट्टा लगाया जा रहा है। सट्टा माफिया आधुनिक तकनीक का इस्तेमाल करते हुए मोबाइल एप के माध्यम से स्कोर अपडेट कर लोगों से दांव लगवा रहे हैं। बीती रात कोतवाली प्रभारी निरीक्षक विनोद पांडेय ने कोठीगेट क्षेत्र में छापेमारी कर सट्टा लगाते तीन आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया। पकड़े गए आरोपियों में इंद्रलोक कॉलोनी निवासी पंकज, शिवपुरी निवासी मनोज गोयल और छज्जूपुरा निवासी राघव शामिल हैं। वहीं अनुज त्यागी, शहदेव शास्त्री और सोनू मौके से फरार हो गए, जिनकी तलाश में पुलिस लगातार दबिश दे रही है। पुलिस की इस कार्रवाई के बाद सट्टा कारोबार से जुड़े लोगों में हड़कंप मच गया है। सूत्रों के मुताबिक, बाहर बैठे बड़े सट्टा संचालक अपने गुर्गों से लगातार संपर्क कर पुलिस की गतिविधियों की जानकारी ले रहे हैं। यह भी सामने आया है कि अब सट्टा कारोबार घरों से निकलकर होटलों के कमरों तक पहुंच गया है, जहां किराये पर कमरे लेकर यह अवैध धंधा संचालित किया जा रहा है। पुलिस इस नेटवर्क से जुड़े सभी लोगों की जानकारी जुटाने में लगी हुई है।

सोशल मीडिया पर कट्टरता फैलाने वाले दो गिरफ्तार, तीन के खिलाफ लुकआउट नोटिस

बिजनौर (शिखर समाचार)। जनपद में सांप्रदायिक सौहार्द बिगाड़ने और सोशल मीडिया के माध्यम से भड़काऊ व कट्टरपंथी सामग्री प्रसारित करने के मामले में पुलिस ने बड़ी कार्रवाई करते हुए दो आरोपियों को गिरफ्तार किया है, जबकि विदेश में बैठे तीन मुख्य आरोपियों के खिलाफ लुकआउट नोटिस जारी किया गया है। मामले का खुलासा उस समय हुआ जब सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म इंस्टाग्राम पर आकिब नामक युवक का लाइव शस्त्र प्रदर्शन और मैजुल द्वारा उसे साझा किया गया वीडियो तेजी से वायरल हुआ। जांच में सामने आया कि यह केवल एक वीडियो नहीं, बल्कि सुनियोजित तरीके से कट्टरपंथी विचारधारा फैलाने का प्रयास था।

नांगल थाना पुलिस ने इस मामले में उबैद मलिक (निवासी चांदपुर) और जलाल हैदर उर्फ समीर जाफरी (निवासी मुंडा खेड़ा, नजीबाबाद) को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने इनके पास से दो मोबाइल फोन बरामद किए हैं, जिनका इस्तेमाल आपत्तिजनक और भड़काऊ पोस्ट साझा करने में किया जा रहा था।

जांच के दौरान यह भी सामने आया कि मुख्य आरोपी मैजुल (दक्षिण अफ्रीका), आकिब (सऊदी अरब) और उनका साथी आजाद फिलहाल विदेश में रहकर इस नेटवर्क को संचालित कर रहे हैं। इन तीनों के खिलाफ लुकआउट नोटिस जारी कर दिया गया है, ताकि देश में प्रवेश करते ही उन्हें गिरफ्तार किया जा सके।

पुलिस पूछताछ में यह तथ्य सामने आया कि सभी आरोपी गुजरात में काम करने के दौरान एक-दूसरे के संपर्क में आए थे, जहां से इस नेटवर्क की शुरूआत हुई। गिरफ्तार आरोपी उबैद और जलाल हैदर, विदेश में बैठे अपने साथियों के निर्देश पर स्थानीय स्तर पर गतिविधियों को अंजाम दे रहे थे। इस संवेदनशील मामले में प्रारंभिक स्तर पर लापरवाही और त्रुटिपूर्ण विवेचना के आरोप में बिजनौर के पुलिस अधीक्षक पहले ही नांगल थाना अध्यक्ष सत्येंद्र मलिक को निलंबित कर चुके हैं। वर्तमान में मामले की जांच नजीबाबाद के प्रभारी निरीक्षक अमित कुमार द्वारा की जा रही है।

पुलिस अधिकारियों का कहना है कि जनपद में शांति व्यवस्था बनाए रखने के लिए ऐसे तत्वों के खिलाफ सख्त कार्रवाई आगे भी जारी रहेगी।

भीम महोत्सव 13 और 14 अप्रैल को, शोभायात्रा व सांस्कृतिक कार्यक्रम होंगे आयोजित

मुरादनगर (शिखर समाचार)। संविधान निमार्ता डॉ. भीमराव अंबेडकर की जयंती इस वर्ष मुरादनगर में भीम महोत्सव के रूप में 13 और 14 अप्रैल को धूमधाम से मनाई जाएगी। यह जानकारी जन्मोत्सव समिति के अध्यक्ष एवं बसपा के पूर्व जिला अध्यक्ष विनोद प्रधान ने पत्रकार वार्ता में दी। इस अवसर पर बाबा साहब के चित्र से सुसज्जित एक विशाल बैलून भी आसमान में छोड़ा गया।

उन्होंने बताया कि महोत्सव के तहत 13 अप्रैल को विभिन्न सांस्कृतिक एवं बौद्धिक कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। इस दिन प्रसिद्ध हास्य कलाकार शेखचिल्ली अपनी टीम के साथ प्रस्तुति देंगे, वहीं कई प्रख्यात विचारक बाबा साहब के जीवन, संघर्ष और उनके विचारों पर प्रकाश डालेंगे। जन्मोत्सव समिति के महासचिव एडवोकेट लोकेश जाटव ने बताया कि 14 अप्रैल को रावली रोड स्थित चुंगी नंबर तीन, रामलीला

मैदान से एक भव्य शोभायात्रा निकाली जाएगी, जो नगर के मुख्य बाजारों से होती हुई मेरठ रोड स्थित डॉ. भीमराव अंबेडकर पार्क पर संपन्न होगी। उन्होंने बताया कि शोभायात्रा में शांति एवं अनुशासन बनाए रखने के लिए समिति के कार्यकर्ता वालंटियर के रूप में तैनात रहेंगे। इस दौरान मिशनरी गायिका निशा बौद्ध व त्रिशला बौद्ध बाबा साहब पर आधारित भजन व गीत प्रस्तुत करेंगी। इसके अलावा अनेक बुद्धिजीवी भी अपने विचार साझा करेंगे। महोत्सव के दौरान 13 और 14 अप्रैल दोनों दिन श्रद्धालुओं के लिए भंडारे की व्यवस्था भी की गई है। शोभायात्रा के सफल संचालन हेतु डॉ. राम किशोर गौतम को प्रभारी नियुक्त किया गया है।

इस अवसर पर बिट्टू प्रधान, रामकिशन प्रधान, मनोज भारती, चमन सिंह चौधरी, संजय जाटव, महेश मुखिया, चांद किशोर, सुरेश चंद्र, मनोहर लाल सहाय, योगेंद्र कुमार, मुकेश बड़का, बाबूराम, विनोद काले व कृष्ण पाल दरोगा सहित अनेक गणमान्य लोग उपस्थित रहे।

दुर्लभ बीमारी पर विजय: 4 वर्षीय बच्ची का सफल ऑपरेशन, मिली नई जिंदगी

हापुड़ (शिखर समाचार)। पिलखुवा क्षेत्र स्थित नेशनल हाईवे 9 पर सरस्वती मेडिकल कॉलेज के चिकित्सकों ने चार वर्षीय बच्ची मानवी का अत्यंत दुर्लभ एवं जटिल जन्मजात रोग द्विपक्षीय ब्रांचियल फिस्टुला का सफल ऑपरेशन कर चिकित्सा क्षेत्र में उल्लेखनीय उपलब्धि हासिल की है। यह बीमारी अत्यंत कम मामलों में पाई जाती है और इसकी सर्जरी को काफी जटिल माना जाता है। विभागाध्यक्ष डॉ. अविनाश कुमार के नेतृत्व में डॉ. शुभम मित्तल, डॉ. नंदिनी और डॉ. थजाना की टीम ने बताया कि इस रोग में गर्दन के दोनों ओर असामान्य नलिकाएं विकसित हो जाती हैं, जो त्वचा और आंतरिक संरचनाओं के बीच संपर्क बनाती हैं। इसके कारण बार बार संक्रमण, पस

का स्राव और सूजन जैसी समस्याएं उत्पन्न होती हैं। समय पर उपचार न मिलने पर यह गंभीर जटिलताओं का रूप ले सकता है। चिकित्सकों के अनुसार, इस प्रकार के मामलों में सटीक निदान और सर्जरी के दौरान फिस्टुला पथ का पूर्ण निष्कासन अत्यंत आवश्यक होता है, अन्यथा बीमारी दोबारा हो सकती है। अनुभवी ईएनटी सर्जिकल टीम ने अत्याधुनिक तकनीकों और कुशलता के साथ ऑपरेशन को सफलतापूर्वक संपन्न किया, जिससे पुनरावृत्ति की संभावना समाप्त हो गई। सर्जरी के बाद बच्ची की स्थिति स्थिर है और वह तेजी से स्वस्थ हो रही है। इस सफलता पर संस्थान की प्राचार्या डॉ. बरखा गुप्ता, वरिष्ठ सलाहकार ब्रिगेडियर डॉ. आर.के. सहगल, महाप्रबंधक एन. वर्धराजन, निदेशक रघुवर दत्त एवं चिकित्सा अधीक्षक मेजर जनरल डॉ. सी.एस. आहलूवालिया सहित संस्थान के वरिष्ठ पदाधिकारियों ने पूरी टीम को बधाई दी। वहीं संस्थान के संस्थापक डॉ. जे. रामचंद्रन और उपाध्यक्ष रम्या रामचंद्रन ने भी इस उपलब्धि पर हर्ष व्यक्त किया।

हापुड़ डिपो को मिली नई रफ्तार: मथुरा के लिए शुरू हुई सीधी बस सेवा, 5 नई बसें भी शामिल

हापुड़ (शिखर समाचार)। रोडवेज के हापुड़ डिपो ने यात्रियों की सुविधा को ध्यान में रखते हुए मथुरा के लिए प्रतिदिन सीधी बस सेवा शुरू कर दी है। यह बस सुबह 6 बजे मोदीनगर बस अड्डे से चलकर 7:45 बजे हापुड़ पहुंचेगी और यहां से मथुरा के लिए रवाना होगी। इस सेवा के शुरू होने से मथुरा वृंदावन जाने वाले यात्रियों को अब काफी राहत मिलेगी। हापुड़ डिपो के सहायक क्षेत्रीय प्रबंधक सतीश कुमार के अनुसार, मथुरा तक का किराया 277 रुपये निर्धारित किया गया है। पहले यात्रियों को बस बदलकर या लंबा इंतजार कर यात्रा करनी पड़ती थी, लेकिन अब सीधी सेवा से सफर अधिक आसान और सुविधाजनक हो गया है। हापुड़ से हरिद्वार के लिए भी प्रतिदिन सुबह 6 बजे रोडवेज बस का संचालन पहले से जारी है। इसी के साथ हापुड़ डिपो को पांच नई रोडवेज बसें भी प्राप्त हुई हैं, जिन्हें कालागढ़ रूट पर संचालित किया जाएगा। इस रूट पर लंबे समय से बसों की कमी बनी हुई थी, जिससे यात्रियों को परेशानी का सामना करना पड़ता था। वर्तमान में हापुड़ डिपो द्वारा विभिन्न मार्गों पर लगभग 130 बसों का संचालन किया जा रहा है, लेकिन कई रूटों पर बसों की कमी को देखते हुए मुख्यालय को लगातार मांग भेजी जा रही थी। नई बसों के शामिल होने से न केवल यात्रियों को बेहतर सुविधा मिलेगी, बल्कि विभाग के राजस्व में भी वृद्धि होने की उम्मीद है।

हापुड़ भाजपा उत्तरी मंडल को मिला नया कोषाध्यक्ष: व्यापारी नेता दीपांशु गर्ग की नियुक्ति पर बधाइयों का तांता

हापुड़ (शिखर समाचार)। शहर के प्रमुख व्यापारी एवं व्यापार मंडल से जुड़े सक्रिय नेता दीपांशु गर्ग को भारतीय जनता पार्टी के हापुड़ उत्तरी मंडल का कोषाध्यक्ष नियुक्त किया गया है। इस महत्वपूर्ण जिम्मेदारी मिलने पर व्यापारियों और पार्टी कार्यकताओं में खुशी की लहर है और उन्हें लगातार बधाइयाँ दी जा रही हैं। नवनियुक्त मंडल कोषाध्यक्ष दीपांशु गर्ग ने संगठन के प्रति आभार व्यक्त करते हुए कहा कि पार्टी नेतृत्व ने जिस विश्वास के साथ उन्हें यह जिम्मेदारी सौंपी है, वह उस पर पूरी निष्ठा और समर्पण के साथ खरा उतरने का प्रयास करेंगे। उन्होंने कहा कि वे पार्टी की नीतियों और योजनाओं को जन-जन तक पहुंचाने के लिए निरंतर कार्य करेंगे तथा अधिक से अधिक लोगों को पार्टी से जोड़कर संगठन को मजबूत बनाने में योगदान देंगे। इस अवसर पर सनातन धर्म सभा के प्रधान रोहित गर्ग, अशोक छारिया, व्यापार मंडल के जिला अध्यक्ष विजेंद्र पंसारी, सांसद प्रतिनिधि अशोक बबली, विनोद गुप्ता, हिमांशु मित्तल, गोविंद अग्रवाल कसेरे, अमन गुप्ता, शशांक गुप्ता (सभासद), शोभित सिंघल,

अंकित बंसल, विभोर अग्रवाल, आशीष वर्मा, एडवोकेट जावेद खान मेवाती, गोपाल अग्रवाल, यश गुप्ता, मनन जिंदल, राजीव जिंदल, सौरव गोयल, सुमित कंसल, मुदित मोहन अग्रवाल, अमित कृपाल (मोनू), शिवांग वर्मा, हिमांशु गोयल, सुमित अग्रवाल, राज कुमार शर्मा सहित अनेक व्यापारी एवं भाजपा कार्यकताओं ने दीपांशु गर्ग को शुभकामनाएं देते हुए उनके उज्ज्वल कार्यकाल की कामना की।

माजरा में तीन दिवसीय महायज्ञ का हुआ समापन, वेद ज्ञान पर हुआ विमर्श

बुढ़ाना/मुजफ्फरनगर (शिखर समाचार)। क्षेत्र के गांव टांडा माजरा में आयोजित तीन दिवसीय सामवेद खंड महायज्ञ का शुक्रवार को विधिवत समापन हो गया। समापन अवसर पर विद्वानों ने वेदों में निहित ज्ञान और विज्ञान पर विस्तार से प्रकाश डालते हुए उपस्थित श्रद्धालुओं को उसके महत्व से अवगत कराया।

महायज्ञ के दौरान अतिथि के रूप में पहुंचे स्वामी सत्यवेश महाराज ने पंच महायज्ञों पर आधारित सुंदर कविता प्रस्तुत कर सभी का मन मोह लिया। वहीं सविता आर्य ने वेदों की महिमा का गुणगान करते हुए भजन प्रस्तुत किया, जिससे पूरा वातावरण भक्तिमय हो गया और श्रोता मंत्रमुग्ध हो उठे।

आर्य समाज बुढ़ाना के प्रधान प्रवीण राणा ने अपने संबोधन में कहा कि मनुष्य को प्रतिदिन यज्ञ जैसे श्रेष्ठ कर्म करने चाहिए। इससे न केवल आत्मिक उन्नति होती है, बल्कि पर्यावरण भी शुद्ध रहता है। उन्होंने कहा कि सभी को वेदों के अनुसार आचरण करना चाहिए, जिससे पाखंड और अंधविश्वास से दूर रहा जा सके।

आचार्य कपिल शास्त्री ने शिक्षा के साथ साथ बच्चों को अच्छे संस्कार देने पर जोर देते हुए कहा कि संस्कार ही व्यक्ति को अपनी संस्कृति से जोड़े रखते हैं और समाज को सशक्त बनाते हैं।

कार्यक्रम में रघुराज और अवधेश सपत्नीक यज्ञमान के रूप में उपस्थित रहे। इस अवसर पर चंद्रपाल सिंह, सोमपाल सिंह, महक सिंह, ओमपाल सिंह, विनोद त्यागी, विजय कुमार सहित बड़ी संख्या में ग्रामीण मौजूद रहे।

संक्षिप्त समाचार

रोज लाइन में लगते हैं...पर नहीं मिलता भरा सिलिंडर

लखनऊ , एजेंसी। रोज खाली सिलिंडर लेकर इस आशा के साथ लाइन में लगते हैं कि शायद आज भरा सिलिंडर मिल जाए, लेकिन रोज खाली हाथ लौटना पड़ रहा है। सबसे ज्यादा परेशान नौकरी-पेशा वाले हैं। बुधवार को आशियाना क्षेत्र के किला मोहम्मदी में संचालित एचपी गैस एजेंसी के संचालक के खिलाफ उनका गुस्सा फूट पड़ा और वे खाली सिलिंडर लेकर आशियाना थाने शिकायत करने पहुंच गए। थाने पहुंचे उपभोक्ताओं का आरोप है कि उनकी गैस बुकिंग है और ओटीपी भी आ चुकी है। इसके बावजूद वे एक हफ्ते से रोज काम छोड़कर गैस सिलिंडर के लिए लाइन लगा रहे हैं, लेकिन एजेंसी मैनेजर न फोन रिसीव करते हैं और न ही स्पष्ट जानकारी देते हैं। पीड़ितों के अनुसार सुबह 7 बजे खाली सिलिंडर लेकर एजेंसी पहुंच जाते हैं, लंबी कतारें भी लगती हैं, लेकिन दिन के 11 बजे तक सिलिंडर की गाड़ी ही नहीं पहुंचती। मामले में आशियाना इंस्पेक्टर छत्रपाल सिंह ने बताया कि उपभोक्ताओं की शिकायत पर एजेंसी के मैनेजर को गैस सिलिंडर उपलब्ध कराने की हिदायत दी गई है।

बीआरडी मेडिकल कॉलेज में इलाज से ज्यादा पिटाई के लिए चर्चा में रहते हैं जूनियर डॉक्टर

गोरखपुर , एजेंसी। बीआरडी मेडिकल कॉलेज एक बार फिर इलाज से ज्यादा मारपीट की घटनाओं को लेकर चर्चा में है। यहां तैनात जूनियर डॉक्टरों पर तीमारदारों के साथ बदसलूकी और पिटाई के आरोप लगातार सामने आ रहे हैं। ताजा मामला एक दिन पहले का है, जिसमें ब्लड सैंपल को लेकर हुए विवाद के बाद तीमारदारों के मारपीट की गई।

जीवन में सफलता के लिए योजना बनाकर करें कार्य

गोरखपुर। दिग्विजयनाथ पीजी कॉलेज के वाणिज्य विभाग की ओर से बुधवार को बीकॉम एवं एमकॉम प्रथम वर्ष के विद्यार्थियों का स्वागत व अंतिम वर्ष के छात्रों के लिए विदाई समारोह का आयोजन किया गया। इस अवसर पर प्राचार्य प्रो. ओम प्रकाश सिंह ने कहा कि जीवन में सफल होने के लिए हमें प्रत्येक कार्य को योजना बनाकर करना चाहिए। एक अच्छी योजना हमें सही दिशा देती है और समय का सही उपयोग सिखाती है। विभाग के प्रभारी डॉ. संजीव सिंह ने कहा कि हमें अपनी भाषा, बोलने का तरीका और आत्मविश्वास पर काम करना चाहिए। संचालन नव्या सिंह एवं श्रेया पांडेय ने किया। बीकॉम में अनुष्ठान उपाध्याय मिस्टर फ्रेशर व अंजू निषाद मिस फ्रेशर चुनी गईं। एमकॉम में रमेश मिश्र व श्रेया पांडेय को क्रमशः मिस्टर एवं मिस फ्रेशर चुना गया। इसी तरह बीकॉम एवं एमकॉम अंतिम वर्ष के मिस्टर फेयरवेल अभिषेक प्रजापति और सत्यव्रत विश्वकर्मा और मिस फेयरवेल ज्योति कुमारी एवं नव्या सिंह को चुना गया। इस अवसर पर डॉ. संजय त्रिपाठी, डॉ. चंडी प्रसाद पांडेय, डॉ. अभय मालवीय, डॉ. दीपक साहनी, डॉ. सुभाष गुप्ता, डॉ. रानी द्विवेदी, डॉ. विवेक शाही आदि उपस्थित रहे।

अंकपत्र न मिलने की समस्या होगी दूर, छात्रों को नहीं लगाने होंगे चक्कर

गोरखपुर , एजेंसी। दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय से संबद्ध कॉलेजों के बहुत से छात्रों को विभिन्न वर्षों का अंकपत्र नहीं मिल सका है। इसे देखते हुए डीडीयू प्रशासन ने नई पहल की है। डीडीयू प्रशासन की कोशिश है कि एक महीने के अंदर अंकपत्र से जुड़ी सभी समस्याओं का समाधान किया जाए। बड़ी संख्या में कई कॉलेजों के छात्रों का अलग-अलग वर्षों का अंकपत्र अब तक नहीं मिल पाया है, जबकि उनके उत्तीर्ण हुए एक से दो साल हो गए। छात्र अपनी समस्याएं अलग-अलग लेकर आते हैं। इस वजह से उनकी समस्याओं के समाधान में वक्त लगता है। बताया जा रहा है कि नामांकन नहीं होने की वजह से उन छात्रों का अंकपत्र नहीं मिल पा रहा है। ज्यादातर छात्रों की समस्याएं बैक पेपर के बाद अंकपत्र न मिलने या नामांकन को लेकर है। इसे देखते हुए डीडीयू प्रशासन ने सभी कॉलेजों को निर्देशित किया है कि वे 15 दिनों के अंदर संबंधित छात्रों का पाठ्यक्रमवार व वर्षवार विवरण उपलब्ध कराएं। परीक्षा नियंत्रक डॉ. कुलदीप सिंह ने बताया कि कोशिश है कि मार्कशीट का सभी बैकलॉग एक महीने के अंदर पूरी तरह से समाप्त कर दी जाए। सभी कॉलेजों को निर्देश दिए गए हैं कि 15 दिन में संबंधित ब्योरा उपलब्ध कराएं। इसके बाद ऐसे किसी प्रकरण पर विचार नहीं किया जाएगा। बैठक के दौरान डीन एकेडमिक डॉ. प्रशांत एस, नर्सिंग एवं पैरामेडिकल संकाय की अधिष्ठाता डॉ. डीएस अजीथा, स्वास्थ्य विज्ञान संकाय के अधिष्ठाता डॉ. सुनील सिंह, कृषि संकाय के अधिष्ठाता डॉ. विमल कुमार दूबे, कंप्यूटर साइंस संकाय के अधिष्ठाता डॉ. हरिओम शरण, वाणिज्य संकाय के अधिष्ठाता डॉ. तरुण श्याम व पैरामेडिकल कॉलेज के प्राचार्य रोहित श्रीवास्तव आदि उपस्थित रहे।

मीडिया और अकादमिक जगत में संवाद जरूरी, सत्यनिष्ठ शब्द सबसे प्रभावी : अच्युतानंद मिश्र

भोपाल (शिखर समाचार)। माखनलाल चतुर्वेदी राष्ट्रीय पत्रकारिता एवं संचार विश्वविद्यालय में आयोजित पंडित माखनलाल चतुर्वेदी स्मृति व्याख्यान में मीडिया और अकादमिक जगत के बीच गहन संवाद की आवश्यकता पर बल देते हुए वक्ताओं ने वर्तमान पत्रकारिता की दिशा और दशा पर गंभीर चिंतन प्रस्तुत किया। कार्यक्रम में मुख्य वक्ता के रूप में उपस्थित वरिष्ठ पत्रकार, संपादक एवं विश्वविद्यालय के पूर्व कुलगुरु अच्युतानंद मिश्र ने कहा कि स्वतंत्रता पूर्व और वर्तमान पत्रकारिता के मूल्यों में व्यापक परिवर्तन आया है। जहां पहले पत्रकारिता लोकहित, नैतिकता और राष्ट्र निर्माण के उद्देश्य से प्रेरित थी, वहीं आज इसमें व्यक्तिगत महत्वाकांक्षाएं अधिक हावी होती दिखाई दे रही हैं।

अच्युतानंद मिश्र ने पंडित माखनलाल चतुर्वेदी के व्यक्तित्व और कृतित्व पर प्रकाश डालते हुए उन्हें केवल पत्रकार नहीं, बल्कि एक तेजस्वी योद्धा, संत और समाज के पथप्रदर्शक के रूप में प्रस्तुत किया। उन्होंने कहा कि चतुर्वेदी ने अपनी लेखनी से देश की राजनीति, साहित्य, संस्कृति और सभ्यता को नई ऊंचाई दी। उनका प्रभाव इतना व्यापक था कि उस समय का लगभग हर बड़ा नेता, साहित्यकार और पत्रकार उनसे मिलने उनके गांव बावाई और कर्मस्थली खंडवा पहुंचता था। उन्होंने यह भी बताया कि चतुर्वेदी ने न केवल स्वयं आदर्श पत्रकारिता की स्थापना की, बल्कि अपने समकालीनों को भी प्रेरित कर राष्ट्र निर्माण में महत्वपूर्ण भूमिका निभाने के लिए प्रेरित किया।

उन्होंने माधवराव सप्रे, महावीर प्रसाद द्विवेदी और 'कल्याण' पत्रिका के संपादक हनुमान प्रसाद पोद्दार का उल्लेख करते हुए विद्यार्थियों से उनके जीवन और कार्यों का अध्ययन करने का आह्वान किया। ह्यपुष्प की अभिलाषाह्ण कविता का उदाहरण देते हुए उन्होंने कहा कि यह रचना आज भी इसलिए कालजयी है क्योंकि यह देशभक्ति और मातृभूमि के प्रति समर्पण की भावना से उत्पन्न हुई है। उन्होंने यह भी रेखांकित किया कि 'कल्याण' पत्रिका आज भी बिना विज्ञापन और पुस्तक समीक्षा के प्रकाशित होती है, जो पत्रकारिता के आदर्श स्वरूप का उदाहरण है।

कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए प्रख्यात लेखक एवं विचारक मनोज श्रीवास्तव ने कहा कि माखनलाल चतुर्वेदी ने पत्रकारिता को एक विद्या के रूप में स्थापित करने का प्रयास किया। उन्होंने कहा कि जिस समय पत्रकारिता को एक हथियार की तरह इस्तेमाल किया जा रहा था, उस समय चतुर्वेदी ने उसे ज्ञान और मयार्दा का माध्यम माना। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि पत्रकारिता के क्षेत्र में संस्थागत साहस अत्यंत आवश्यक है।

मनोज श्रीवास्तव ने कहा कि जब शब्द सत्य से उत्पन्न होते हैं, तो उनका प्रभाव किसी भी तोप से अधिक होता है। उन्होंने चतुर्वेदी के संघर्षपूर्ण जीवन का उल्लेख करते हुए कहा कि वे जब-जब जेल से लौटे, और अधिक सशक्त और प्रखर होकर सामने आए, जैसे तपकर सोना और अधिक निखर जाता है। उन्होंने उदाहरण देते हुए बताया कि सागर जिले में प्रस्तावित कसाईखाने की योजना को चतुर्वेदी के तीखे संपादकीय के प्रभाव से बंद करना पड़ा था, जो पत्रकारिता की शक्ति का प्रमाण है।

कार्यक्रम के प्रारंभ में कुलगुरु विजय मनोहर तिवारी ने स्वागत भाषण देते हुए अच्युतानंद मिश्र के योगदान को स्मरण किया और कहा कि विश्वविद्यालय की वर्तमान उपलब्धियों की आधारशिला उनके प्रयासों से रखी गई है। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि इस समृद्ध परंपरा को आगे भी संरक्षित और विकसित किया जाएगा।

इस अवसर पर पत्रकारिता विभाग के विद्यार्थियों द्वारा तैयार विकल्प समाचार पत्र का विमोचन किया गया। साथ ही, निगमित सामाजिक दायित्व के अंतर्गत एमपी ऑनलाइन द्वारा विश्वविद्यालय को एक विद्युत चालित रिक्शा भेंट किया गया, जिसका शुभारंभ अतिथियों ने किया। कार्यक्रम का संचालन संस्कृतिकर्मी विनय उपाध्याय ने किया, जबकि आभार कुलसचिव पी. शशिकला ने व्यक्त किया। इस अवसर पर विश्वविद्यालय के विभिन्न विभागों के विभागाध्यक्ष, प्राध्यापक, विद्यार्थी, कर्मचारी तथा शहर के गणमान्य नागरिक बड़ी संख्या में उपस्थित रहे।

पैसे मांगते रहे दरोगा, इधर दफन हो गया बेटा, 15 दिन बाद मिला कंकाल, 30 लाख की मांगी फिरौती

कानपुर, एजेंसी। उरई में छोटे भाई से कुकर्म की बात पता चलने पर आरोपियों के घर उलाहना देने गए 17 साल के किशोर की हत्या कर शव पशुबाड़े में दफना दिया गया। आरोपियों ने वारदात के दूसरे दिन किशोर की मां के मोबाइल पर मैसेज कर 30 लाख रुपये की फिरौती भी मांगी थी।

25 मार्च की यह घटना माधवगढ़ कोतवाली क्षेत्र के एक गांव की है। पुलिस ने बुधवार को घटना का खुलासा कर दो आरोपियों को हिरासत में लिया। उनकी निशानदेही पर पशुबाड़े से किशोर का कंकाल भी बरामद कर लिया। थानाक्षेत्र के एक गांव निवासी किशोर ने इसी साल 12वीं की परीक्षा दी थी।

किशोर के पिता के मुताबिक पांच माह पहले उनके छोटे बेटे के साथ रोहित याज्ञिक भूरे, तेज प्रताप उर्फ तेजा, विक्रम सिंह, सुनील सिंह ने अनैतिक कार्य किया था। यह बात बड़े बेटे से छुपाए रहे। 25 मार्च को पता चलने पर वह आरोपियों के घर उलाहना देने गया था। देर तक घर न लौटने पर वे थाने गए, तो पुलिस गुमशुदगी दर्ज कर शांत बैठ गई।

अगले दिन मां के मोबाइल पर 30 लाख की फिरौती का मैसेज आया था। परिजन ने फिरौती के मैसेज की जानकारी पुलिस को दी थी। पिता का आरोप है कि इसके बाद भी पुलिस हाथ पर हाथ धरे बैठी रही। इस पर उन्होंने 1076 पर शिकायत दर्ज कराई, तो पुलिस सक्रिय हुई।

फोन से मैसेज आया था, उसे सर्विलांस पर लगाया गया तो घटना खुल गई। सुराग मिलने पर पुलिस ने आरोपी रोहित और तेज प्रताप को हिरासत में लिया। पूछताछ में उन्होंने अपना जुर्म कबूल कर लिया। आरोपियों के मुताबिक उन्होंने 25 मार्च को ही सिर पर कांच की बोतल मारकर किशोर की हत्या कर दी थी, और शव को रोहित के पशुबाड़े में दफना दिया था।बुधवार को पुलिस ने पशुबाड़े में खोदाई कर कंकाल बरामद किया। वहीं, उपनिरीक्षक रामऔतार ने का कहना है कि मृतक के परिजन द्वारा उनके ऊपर लगाए जा रहे आरोप निराधार हैं।

डीजीपी राजीव कृष्ण ने शहरों में ट्रैफिक जाम की समस्या को दूर करने के लिए मानक संचालन प्रक्रिया जारी की

लखनऊ, एजेंसी। डीजीपी राजीव कृष्ण ने शहरों में ट्रैफिक जाम की समस्या को दूर करने के लिए मानक संचालन प्रक्रिया (एसओपी) जारी की है। इसमें यातायात विभाग के अधिकारियों, कर्मचारियों व संबंधित थानों के प्रभारियों की जिम्मेदारी भी तय की गई है। साथ ही नो एंट्री, नो पार्किंग, गलत दिशा में ड्राइविंग, अतिक्रमण, ई-रिक्शा संचालन के संबंध में निर्देश दिए गए हैं। एसओपी में आसपास के दफ्तरों और स्कूलों के छूटने के समय में 15-15 मिनट के अंतराल की सिफारिश भी की गई है।

दरअसल, डीजीपी ने मंगलवार को 20 शहरों के 172 मार्गों को ट्रैफिक जाम से मुक्त कराने के लिए रिड्यूसिंग ट्रैफिक कंजेशन स्कीम (सीआरटीसी) की शुरुआत की थी। इसी क्रम में एसओपी जारी की गई है। इसमें रूट मार्शल की तैनाती, यात्रा का समय कम करने का जिक्र है। साथ ही व्यस्त चौराहों व तिराहों के 100 मीटर के क्षेत्र को पूरी तरह खाली रखने को कहा गया है। इस क्षेत्र में किसी भी सवारी तो उतारा या बैठाया नहीं जा सकेगा।

अधिक यातायात दबाव वाले क्षेत्रों में पीक ऑवर में अतिरिक्त पुलिस बल की तैनाती होगी। नो एंट्री का उल्लंघन करने पर 20 हजार रुपये, नो पार्किंग एवं अवैध पार्किंग पर पहली बार में 500 रुपये और उसके बाद 2000 रुपये जुर्माना, गलत दिशा में वाहन चलाने पर 2000 रुपये जुर्माना लेने का निर्देश दिया गया है। अतिक्रमण हटवाने, सड़कों को चौड़ा करने, मुख्य मार्गों को ई-रिक्शा मुक्त क्षेत्र घोषित करने समेत कई अन्य उपाय भी बताए गए हैं।

शहर के अलग-अलग इलाकों में लगा जाम : सीआरटीसी योजना के तहत कराए गए सर्वे में राजधानी के दो मुख्य मार्गों पर लगने वाले ट्रैफिक जाम की हकीकत सामने आई है। बख्शी का तालाब से पॉलीटेक्निक और आलमबाग स्थित अवध चौराहा से दुबग्गा मार्ग के सर्वे से पता चला कि पीक आवर्स में इन रास्तों पर यात्रा का समय न्यूनतम की तुलना में 10 से 15 गुना तक बढ़ जाता है।

बख्शी का तालाब से पॉलिटेक्निक मार्ग की कुल लंबाई 16.26 किलोमीटर है। यात्रा में न्यूनतम समय 12.05 मिनट लगता है, जो पीक ऑवर्स में बढ़कर 15 गुना अधिक हो जाता है। अधिकतर दोपहर में 1:30 से 2:30 बजे, शाम 4:00 से 4:30 बजे और 7:00 से 7:30 बजे के बीच जाम लगता है। इसी तरह अवध चौराहा से दुबग्गा की दूरी 10.51 किलोमीटर है। पीक ऑवर्स दोपहर 11:30 से 12:00 बजे, दोपहर 3:00 से 3:40 बजे और रात 11:25 से 11:45 बजे यात्रा करने में 10 गुना से अधिक समय लगता है।

चाचा-चाची का कत्लः पुराने खून का हिसाब करना चाहती है बेटी, इसलिए 21 साल बाद खोली गई फाइल

आगरा, एजेंसी। 21 साल पुराने दंपती हत्याकांड में फिर से जांच शुरू होते ही माफिया के भाई को जेल से लाकर पूछताछ की गई। बी-वारंट तामील होने के बाद आरोपी की रिहाई रुकी, अब पुराने खून के राज खुलने की उम्मीद बढ़ी।

मोहम्मदाबाद फर्रुखाबाद के गांव सहसपुर निवासी कौशल किशोर दुबे और उनकी पत्नी कृष्णा देवी की नवीगंज क्षेत्र में गोलियां मारकर हत्या कर दी गई थी। मृतक दंपती के भतीजे और फर्रुखाबाद के माफिया अनुपम दुबे उसके भाई अनुराग उर्फ डब्बन दुबे सहित 6 लोगों के खिलाफ प्राथमिक की दर्ज की गई थी। लेकिन साक्ष्य ना मिलने की वजह से पुलिस ने एफआर लगा दी थी।

इसके बाद मृतक दंपती की पुत्री राधिका ने इस मामले में पुनः विवेचना के लिए एसपी गणेश प्रसाद साहा को प्रार्थना पत्र दिया था और शासन से भी गुहार लगाई थी। शासन के निर्देश पर मामले की दोबारा जांच के लिए टीम गठित की गई। जिसकी जांच बेवर पुलिस को दी गई। वहीं इसके बाद आरोपी पुनः विवेचना पर रोक लगाने के लिए हाई कोर्ट गए, लेकिन हाई कोर्ट ने उनकी याचिका को खारिज कर दिया।

मैनपुरी पुलिस ने फर्रुखाबाद जेल में बंद डब्बन दुबे से पूछताछ के लिए कोर्ट से बी वारंट लिया और उसे मैनपुरी लेकर आई। 24 घंटे की रिमांड पर लेकर पुलिस ने बुधवार को डब्बन दुबे से पूछताछ की और मैनपुरी कोर्ट में पेश कर उसके बयान दर्ज कराए। वहीं अब पुलिस मथुरा जेल में बंद मुख्य आरोपी अनुपम दुबे से पूछताछ करने के लिए बी वारंट हासिल करने में लगी है।

मैनपुरी के कस्बा नवीगंज में छह अगस्त 2005 में माफिया अनुपम दुबे के चाचा कौशल किशोर और चाची पत्नी कृष्णा देवी की गोली मारकर हत्या कर दी गई थी। इस मामले में पुलिस ने पहले फाइनल रिपोर्ट लगा दी थी। अनुपम दुबे के साथ ही उसके भाइयों के जेल जाने के बाद कौशल किशोर की पुत्री राधिका ने शासन से दोबारा विवेचना की मांग की थी।

कारगिल चौराहे से शास्त्रीपुरम तक ठेले-खोखे ध्वस्त, बुलडोजर देख छूटे दुकानदारों के पसीने

आगरा, एजेंसी। अतिक्रमण हटाने के दौरान उस समय स्थिति तनावपूर्ण हो गई जब टीम ने सड़क किनारे रखे खोखों और ठेलों को ध्वस्त करना शुरू किया। कार्रवाई के विरोध में स्थानीय दुकानदार और ठेले वाले लामबंद हो गए। मौके पर काफी देर तक हंगामा और तीखी नोकझोंक होती रही। इस दौरान भारी पुलिस फोर्स मौजूद रहा।

शास्त्री पुरम और अवंतीबाई चौक के आसपास बढ़ते अतिक्रमण को लेकर स्थानीय लोग लंबे समय से शिकायत कर रहे थे। नगर निगम प्रशासन ने इनका संज्ञान लेते हुए बुधवार दोपहर लाव-लश्कर के साथ अभियान शुरू किया। जैसे ही टीम कारगिल चौराहे पर पहुंची, अतिक्रमणकारियों में अफरातफरी मच गई। सड़क और फुटपाथ को घेरकर लगाए गए अवैध ठेल-धकेलों को टीम ने जब्त करना शुरू किया, जबकि कई अवैध खोखों को मौके पर ही ध्वस्त कर दिया।

इस दौरान कई जगह टीम को कड़े विरोध का सामना करना पड़ा। अपना सामान जब्त होता देख कुछ दुकानदार और फड़ संचालक टीम के सामने आ गए और नारेबाजी करने लगे। अधिकारियों और प्रदर्शनकारियों के बीच काफी देर तक बहस होती रही। प्रशासन की सख्ती और पुलिस बल की मौजूदगी के चलते विरोध कर रहे लोग पीछे हटने को मजबूर हुए। कार्रवाई के दौरान टीम की नजर उन बाइक मिस्त्रियों पर भी पड़ी जिन्होंने सड़क किनारे कबाड़ खड़े कर रखे थे। यातायात में बाधा बन रहे इन ढांचों को नगर निगम ने जब्त कर लिया। अधिकारियों ने साफ चेतावनी दी है कि फुटपाथ और मुख्य मार्ग पर किसी भी तरह का व्यावसायिक कार्य बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। मां की भी तबीयत बहुत खराब हो गई है। महाराजपुर थाना प्रभारी राजेश कुमार ने बताया कि लापता किशोर के बारे में कई टीमें लगाई गई हैं। आसपास के क्षेत्र में भी पता लगाया जा रहा है और नजदीकी थानों में सूचना दे दी गई है।

रोते-गिड़गिड़ाते रह गए व्यापारी...: अरमानों पर लगी सील, 40,000 लोगों की रोजी-रोटी नौ घंटे में छिन गई

मेरठ , एजेंसी। मेरठ के शास्त्रीनगर सेंट्रल मार्केट के इतिहास में बुधवार का दिन एक काले अध्याय के रूप में दर्ज हो गया। महज 9 घंटे के भीतर प्रशासन ने 40 साल से बसे सपनों और लगभग 40 हजार लोगों की आजीविका पर सरकारी सील लगा दी। इस दौरान दुकानदार, स्कूल व अस्पताल संचालक अधिकारियों से गुहार लगाते रहे। रोते गिड़गिड़ाते रहे लेकिन अधिकारियों ने किसी की नहीं सुनी। सुबह 9 बजे से शुरू हुआ सीलिंग का अभियान शाम 6 बजे तक चला।

व्यापारियों ने मंगलवार रात 2 बजे तक बैठक कर सीलिंग रोकने की रणनीति बनाई थी। बुधवार सुबह 5 बजे से ही अलग-अलग पॉइंट्स पर व्यापारियों की तैनाती की गई थी लेकिन प्रशासन की तैयारी उनसे कहीं बड़ी थी। पुलिस ने सुबह ही बैरिकेडिंग कर दी और चप्पे-चप्पे पर फोर्स तैनात कर दी।

सुबह 8 बजे आवास विकास के अधिकारियों के दौरे के बाद 9 बजे एमपीजीएस गर्ल्स कॉलेज पर पहली सील लगाकर अभियान शुरू हुआ। सात टीमों ने एक साथ कार्रवाई शुरू की। रंगोली मंडप और सुधा हॉस्पिटल पर सील लगते ही व्यापारियों में हड़कंप मच गया।

गुरुद्वारा रोड पर सेंडफॉर्ड अस्पताल, अमेरिकन किड्स स्कूल को सील कर दिया गया। टीम जब डॉ. अशोक गर्ग के क्लीनिक पर पहुंची तो उन्होंने उपकरण निकालने के लिए समय मांगा। इधर दूसरी टीम ने 694/2 वर्धमान अस्पताल, 251/1 बॉक्सी पार्क रेस्टोरेंट और 686/2 स्थित वेयरहाउस पर सीलिंग की कार्रवाई की।

सुमित नर्सिंग होम के सामने स्थित 7/2 कॉमर्शियल कॉम्प्लेक्स (30+ दुकानें) को सील होते देख लोग बिलख उठे। वहीं सतेश ढाका का कॉम्प्लेक्स भी सील किया गया इसमें नशा मुक्ति केंद्र और दर्जनभर दुकानें थीं।

दुहाई देते रहे व्यापारी, किया खूब तर्क-वितर्क : तमाम दुकानदार जिन्होंने दुकानें पीछे कर शटर भी लगा लिए थे उन्होंने भी खूब तर्क-वितर्क किए। व्यापारियों के

परिवार की कई महिलाओं के आंसू तो थम नहीं रहे थे। कई छोटे दुकानदार हाथ जोड़े परिवार की रोजी-रोटी की दुहाई देते रहे लेकिन टीम ने एक नहीं सुनी।

इससे पहले छंगा हलवाई वाली गली, श्रीबालाजी स्टोर्स वाला मार्ग और भीतरी गलियों में 144 दुकानें बंद हो चुकी हैं। वहीं, बुधवार को सीलिंग में करीब 350 दुकानें बंद हुई। इनके अलावा स्कूल, अस्पताल और बैंक्वेट हॉल पर भी सील लगी।

यहां का स्टाफ फफक-फफक कर रो पड़ा। इससे करीब 40 हजार लोगों की रोजी-रोटी प्रभावित हो रही है। वहीं अधिकारियों ने स्पष्ट कहा कि सुप्रीम कोर्ट के आदेश पर कार्रवाई की जा रही है।

अपनों के ही खिलाफ खड़े हुए व्यापारी : जब कॉम्प्लेक्स 492/3 पर सील लगी तो वहां के व्यापारियों ने आरोप लगाया कि कुछ लोगों को राहत दी जा रही है। इस कॉम्प्लेक्स में जिसमें होंग्स किचेन, पाहवा गारमेंट्स, गढ़वाल पेंट्स और राजभारती आरोग्यम सेंटर थे। यहां के व्यापारी 498/3 कॉम्प्लेक्स की सीलिंग पर अड़ गए।

दोनों पक्षों में जमकर नोकझोंक और हाथापाई की नौबत आई जिसे पुलिस ने बमुश्किल शांत कराया। 498/3 कॉम्प्लेक्स में राज ज्वैलर्स, मित्तल गाउन कनेक्शन, अन्नपूर्णा पूजा केंद्र, कैरियर कोचिंग आदि संचालित हो रहे हैं। बाद में इसे भी सील कर दिया गया।

व्यापारी नेताओं के प्रतिष्ठान भी नहीं बचे : सेंट्रल मार्केट बचाओ संघर्ष समिति के मीडिया प्रभारी निमित जैन के आकर्षक साडीन और ऊपरी तल पर भूषण पैलेस को भी सील कर दिया गया। इसमें शटर के सामने आधी दूर तक ही दीवार की गई थी और आवास का बैनर लगा था।

व्यापारी नेता एडवोकेट अंजनेय सिंह के साहिल प्लाजा पर कार्रवाई के दौरान खूब हंगामा हुआ। प्लाजा में साहिल होटल बना है जिसे व्यापारी हॉस्टल बता रहे थे। अधिशासी अभियंता अभिषेक राज इसका मुआयना करने पर अड़ गए और आधे घंटे तक चली रस्साकसी के बाद अधिकारियों ने मौका मुआयना कर जीने में सील लगा दी।

कुछ व्यापारियों में इसे लेकर चर्चा रही कि जीने में बीच जगह सबसे ऊपर सरियों के बीच सीलिंग की पट्टी फंसा दी गई जबकि आसानी से जीने से ऊपर बिना सील हटाए जाया जा सकता है। इसमें ग्राउंड फ्लोर पर 15 दुकानें और ऊपर हॉल व होटल है।

अफसरों ने एक न सुनी : जब आवास विकास की टीम प्रतिष्ठानों पर सील लगा रही थी तो वहां रह रहे निवासियों और दुकानदारों की आंखें नम थीं। मकान नंबर 492 के निवासियों ने पुलिस के सामने कड़ा विरोध दर्ज कराया। उनका कहना था कि यह आवासीय भवन हैं फिर भी नोटिस चस्पा कर दिए गए। सुमित्रा ने रुधे गले से कहा हम यहां 30 साल से ज्यादा समय से रह रहे हैं हमारे साथ सरासर अन्याय हो रहा है।

अंतिम मतदाता सूची जारी: जिला निर्वाचन अधिकारी की बैठक में राजनीतिक दलों को सौंपी गई सूची

ग्रेटर नोएडा (शिखर समाचार)। भारत निर्वाचन आयोग के निदेर्शानुसार विशेष प्रगाढ़ पुनरीक्षण कार्यक्रम 2026 के अंतर्गत 10 अप्रैल को विधानसभा निर्वाचन क्षेत्रों की अंतिम मतदाता सूची का प्रकाशन कर दिया गया। इस संबंध में कलेक्ट्रेट सभागार में जिला निर्वाचन अधिकारी की अध्यक्षता में एक महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई, जिसमें सभी मान्यता प्राप्त राजनीतिक दलों के प्रतिनिधियों को अंतिम मतदाता सूची औपचारिक रूप से उपलब्ध कराई गई। अधिकारियों ने बताया कि सूची निर्वाचन रजिस्ट्रीकरण नियम, 1960 के तहत निर्धारित प्रक्रिया के अनुसार तैयार की गई है।

बैठक में यह भी जानकारी दी गई कि आम नागरिक आगामी एक सप्ताह तक अपने-अपने क्षेत्र के मतदेय स्थलों (पोलिंग बूथ) पर जाकर मतदाता सूची का अवलोकन कर सकते हैं। प्रशासन ने लोगों से अपील की है कि वे अपने नाम और विवरण की जांच अवश्य कर लें, ताकि निर्वाचन प्रक्रिया में किसी प्रकार की त्रुटि न रहे।

जनपद गौतम बुद्ध नगर में कुल 15,05,082 मतदाता पंजीकृत हैं, जिनमें 8,23,304 पुरुष, 6,81,728 महिला तथा 50 ट्रांसजेंडर मतदाता शामिल हैं। विधानसभा क्षेत्र 61 नोएडा में

5,87,195, 62 दादरी में 6,05,204 तथा 63-जेवर में 3,12,683 मतदाता दर्ज किए गए हैं, जो जिले में चुनावी परिदृश्य की व्यापकता को दर्शाते हैं।

मतदान व्यवस्था के तहत जनपद में कुल 743 मतदान केंद्र तथा 2,024 मतदेय स्थल स्थापित किए गए हैं। इनमें नोएडा में 233 केंद्र व 811 मतदेय स्थल, दादरी में 303 केंद्र व 794 मतदेय स्थल तथा जेवर में 207 केंद्र व 419 मतदेय स्थल शामिल हैं। बैठक में विभिन्न राजनीतिक दलों के प्रतिनिधि उपस्थित रहे और निष्पक्ष एवं पारदर्शी चुनाव संपन्न कराने के लिए प्रशासन को सहयोग का आश्वासन दिया।

बेटियों ने लहराया सफलता का परचम, सम्मान समारोह में बढ़ाया गौरव

दादरी (शिखर समाचार)। नगर के जी रोड स्थित मिहिर भोज बालिका इंटर कॉलेज में क्षेत्र की होनहार बेटियों की उपलब्धियों पर सम्मान समारोह का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में प्रशासनिक सेवाओं और खेल के क्षेत्र में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाली छात्राओं को सम्मानित कर उनका उत्साहवर्धन किया गया। समारोह में नेहा नागर और निधि नागर को यूपीपीसीएस परीक्षा में सफलता प्राप्त कर असिस्टेंट कमिश्नर बनने पर सम्मानित किया गया, वहीं बरौला गांव की मानसी बैसोया को नायब तहसीलदार पद प्राप्त करने पर सराहा गया। खेल जगत में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाली कनिष्का तोंगड़ और निकिता पंडित को भी सम्मानित किया गया। कार्यक्रम में वक्ताओं ने कहा कि बेटियों की यह सफलता समाज के लिए प्रेरणादायक है और इससे अन्य छात्राओं को आगे बढ़ने की प्रेरणा मिलेगी। उन्होंने अभिभावकों से बेटियों को सीमाओं में बांधने के बजाय उन्हें आगे बढ़ने के अवसर देने की अपील की। इस अवसर पर कॉलेज प्रबंधन और क्षेत्र के गणमान्य लोग उपस्थित रहे।

भाजपा स्थापना दिवस पर बस्ती चलो अभियान के तहत अटल विहार में चौपाल आयोजित

शामली (शिखर समाचार)। भारतीय जनता पार्टी के 47वें स्थापना दिवस के अवसर पर गांव/बस्ती चलो अभियान के अंतर्गत नगर के मोहल्ला अटल विहार पंसारियान में एक चौपाल का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में स्थानीय लोगों ने भाग लेकर अपनी उपस्थिति दर्ज कराई। चौपाल के मुख्य अतिथि नगर पालिका परिषद शामली के अध्यक्ष अरविंद संगल ने भाजपा के इतिहास, विचारधारा और वर्तमान उपलब्धियों पर विस्तार से प्रकाश डाला। उन्होंने मौके पर ही लोगों की समस्याएं सुनीं और संबंधित अधिकारियों को निर्देश देकर उनके समाधान की प्रक्रिया शुरू कराई। इस दौरान बस्ती चलो अभियान के तहत जनसंपर्क करते हुए विभिन्न सरकारी योजनाओं के लाभार्थियों से संवाद किया गया। योजनाओं की जमीनी स्थिति का फीडबैक लिया गया और लाभार्थियों से उनके अनुभव भी साझा कराए गए। मुख्य अतिथि ने घर घर संपर्क कर केंद्र व राज्य सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं की जानकारी भी दी। चौपाल में आयोजित जनसुनवाई के दौरान डेवा बस्ती की प्रमुख समस्या अतिक्रमण एवं सड़क निर्माण का मौके पर ही समाधान कराया गया, जिससे स्थानीय लोगों में संतोष और उत्साह का माहौल देखा गया। कार्यक्रम के अंत में पार्टी के वरिष्ठ कार्यकताओं को उनके समर्पण और संगठन के प्रति योगदान के लिए सम्मानित किया गया। अरविंद संगल ने कहा कि भाजपा सदैव जनता की सेवा और उनके हितों के लिए प्रतिबद्ध है तथा बस्ती चलो अभियान के माध्यम से पार्टी सीधे जनता के बीच पहुंचकर समस्याओं का समाधान कर रही है। कार्यक्रम का संचालन चौपाल संयोजक एवं भाजपा पिछड़ा वर्ग मोर्चा के जिला उपाध्यक्ष पंकज कश्यप ने किया। इस अवसर पर मनोज उपाध्याय, धर्म सिंह सैनी, रविंद्र कश्यप, अरविंद कश्यप, विपिन कश्यप, रेनू कश्यप, अशोक उपाध्याय, सीमा कश्यप, स्नेहलता कश्यप, मोहित उपाध्याय, रामचंद्र, राजेंद्र प्रजापत, मोहित प्रजापत सहित अनेक कार्यकर्ता एवं स्थानीय नागरिक मौजूद रहे।

सदरपुर को मिली बड़ी सौगात: 689 लाख की लागत से बना हाईटेक सम्पवेल, अब खत्म होगी सीवर की पुरानी समस्या

आरव शर्मा
नोएडा (शिखर समाचार)।

नोएडा क्षेत्र में तेजी से बढ़ती आबादी और सीवर निकासी की समस्या को दूर करने के लिए 10 अप्रैल 2026 को ग्राम सदरपुर और सेक्टर 45 के लिए अत्याधुनिक सम्पवेल का उद्घाटन किया गया। इस महत्वपूर्ण परियोजना का शुभारंभ क्षेत्र के विधायक पंकज सिंह द्वारा किया गया। इस अवसर पर गौतमबुद्धनगर सांसद के प्रतिनिधि, नोएडा प्राधिकरण के अपर मुख्य कार्यपालक अधिकारी (एसीईओ) एवं महाप्रबंधक (जल) भी विशेष रूप से उपस्थित रहे। कार्यक्रम में अन्य अधिकारी और स्थानीय गणमान्य लोग भी मौजूद रहे, जिन्होंने इस परियोजना को क्षेत्र के लिए एक बड़ी उपलब्धि बताया।

इस नव-निर्मित सम्पवेल के माध्यम से ग्राम सदरपुर और सेक्टर 45 से निकलने वाले सीवर का निस्तारण अब सेक्टर 168 स्थित सीवेज ट्रीटमेंट प्लांट में किया जाएगा। इसके लिए आधुनिक आईपीएस4 और एमएसपी 1 तकनीक का उपयोग किया जा रहा है, जिससे सीवर प्रबंधन अधिक प्रभावी और व्यवस्थित बनेगा। इस सम्पवेल की कुल क्षमता 10 एमएलडी (मिलियन लीटर प्रतिदिन) है और इसके निर्माण पर लगभग 689.20 लाख रुपये की लागत आई है। यह परियोजना न केवल वर्तमान सीवर समस्या को दूर करेगी, बल्कि भविष्य में बढ़ती आबादी के बावजूद भी जल निकासी की समस्या उत्पन्न नहीं होने देगी।

कार्यक्रम में उपस्थित अतिथियों ने कहा कि इस प्रकार की परियोजनाएं क्षेत्र के समग्र विकास और स्वच्छता को नई दिशा देती हैं। इससे न केवल लोगों को गंदगी और जलभराव से राहत मिलेगी, बल्कि उनका जीवन स्तर भी बेहतर होगा। स्थानीय निवासियों ने भी इस पहल का स्वागत करते हुए इसे एक बड़ी राहत बताया और उम्मीद जताई कि आने वाले समय में इस तरह के और विकास कार्य क्षेत्र में किए जाएंगे।

जिला अस्पताल गेट पर महिला ने दिया बच्चे को जन्म, भाकियू का सीएमओ कार्यालय पर हंगामा

शामली (शिखर समाचार)। जनपद के जिला अस्पताल में स्वास्थ्य सेवाओं की लापरवाही का एक गंभीर मामला सामने आया है, जहां एक गर्भवती महिला को समय पर भर्ती न किए जाने के कारण उसने अस्पताल के मुख्य गेट पर ही बच्चे को जन्म दे दिया। घटना के बाद भारतीय किसान यूनियन (भाकियू) के पदाधिकारियों में आक्रोश फैल गया और उन्होंने मुख्य चिकित्सा अधिकारी (सीएमओ) कार्यालय पर जमकर हंगामा किया।

जानकारी के अनुसार कांधला क्षेत्र के गांव असारा निवासी उसमान अपनी पत्नी कौंसर को प्रसव पीड़ा होने पर सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र कांधला लेकर पहुंचे थे। वहां चिकित्सकों ने महिला की हालत गंभीर बताते हुए उसे जिला अस्पताल रेफर कर दिया। परिजन देर रात महिला को जिला अस्पताल लेकर पहुंचे, लेकिन आरोप है कि ड्यूटी पर मौजूद स्टाफ नर्स ने ऑपरेशन का हवाला देते हुए भर्ती करने से इंकार कर दिया।

परिजन लगातार अस्पताल स्टाफ से गुहार लगाते रहे, लेकिन उनकी कोई सुनवाई नहीं हुई। मजबूर होकर वे महिला को अस्पताल गेट के बाहर ले आए, जहां कुछ ही देर में प्रसव पीड़ा तेज होने पर महिला ने सड़क पर ही बच्चे को जन्म दे दिया। इस घटना से परिजनों में भारी आक्रोश फैल गया और उन्होंने अस्पताल प्रशासन पर गंभीर लापरवाही के आरोप लगाए। बताया गया कि बाद में दूसरी स्टाफ नर्स ने महिला को अस्पताल में भर्ती कर उपचार शुरू कराया। शुक्रवार को इस अमानवीय घटना के विरोध में भाकियू पदाधिकारी सीएमओ कार्यालय पहुंचे और दोषियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की मांग की। आरोप है कि सीएमओ ने उनकी शिकायत सुनने से इंकार कर दिया, जिससे आक्रोशित किसानों ने कार्यालय का गेट बंद कर दिया और सीएमओ की गाड़ी को भी रोक लिया।

स्थिति को देखते हुए मौके पर पुलिस पहुंची और अधिकारियों के हस्तक्षेप के बाद मामला शांत कराया गया। इस दौरान भाकियू नेताओं ने स्वास्थ्य विभाग पर गंभीर आरोप लगाते हुए कहा कि पहले भी कई शिकायतें लंबित हैं, लेकिन अब तक कोई ठोस कार्रवाई नहीं हुई है। उन्होंने पूरे मामले की निष्पक्ष जांच कर दोषियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की मांग की है।

कारखाना अधिनियम 1948 : मुरादाबाद की सेन्सस लाइफस्टाइल कंपनी में हेल्थ एंड सेफ्टी ट्रेनिंग हुई सम्पन्न

मुरादाबाद (शिखर समाचार)। कारखाना अधिनियम 1948 की धारा 111-अ के अनुपालन मे सेन्सस लाइफस्टाइल में फर्स्ट ऐड व हेल्थ एंड सेफ्टी ट्रेनिंग सम्पन्न हुई, जिसमें एसएमई गुरुकुल फाउंडेशन एनजीओ की तरफ से डॉक्टर अभिषेक कंचन ने कंपनी के सभी कर्मचारियों को हेल्थ एंड सेफ्टी के बारे जानकारी दी। कार्यस्थल पर काम करते समय किस प्रकार की सावधानियां रखनी चाहिये, जिसे कंपनी परिसर में किसी भी तरह की दुर्घटना होने से बचा जा सके।कारखाना अधिनियम 1948 की धारा 111-अ के तहत कारखाने के नियोक्ता की जिम्मेदारी है कि वह कारखाने में काम करने वाले सभी कर्मचारियों को हेल्थ एंड सेफ्टी का प्रशिक्षण दिलवाए। मुख्य निरीक्षक कारखाना द्वारा अनुमोदित किसी प्रशिक्षण संस्था से प्रशिक्षण दिलवाए, जो कार्यस्थल पर श्रमिकों के स्वास्थ्य और सुरक्षा के लिए प्रशिक्षण देते है। यह भी आवश्यक होगा की इस प्रकार की ट्रेनिंग की वार्षिक विवरण क्षेत्र के फैक्ट्री डिपार्टमेंट के कार्यालय में प्रत्येक वर्ष जमा करना अनिवार्य है अन्यथा कंपनी के ऊपर दंड के भी प्रावधान है।

विकास भवन में भीमराव अंबेडकर के तस्वीर को लेकर वकीलों ने किया हंगामा, पुलिस ने कराया शांत

गाजियाबाद (शिखर समाचार)। डीएम कंपाउंड स्थित विकास भवन में उस समय हंगामा होना शुरू हो गया, जब एक कार्यालय में डॉ. भीमराव अंबेडकर की तस्वीर को अधिवक्ताओं ने उसका अपमान होते हुए देखा। देखते ही देखते मौके पर अधिवक्ताओं का जमावड़ा लग गया और हंगामा की सूचना पुलिस को दी गई। मौके पर पहुंची पुलिस ने अधिवक्ताओं को समझाते हुए मामले को शांत करवाया। वही इस पूरे प्रकरण में अधिवक्ताओं ने तस्वीर का अपमान करने वालों पर सख्त कार्यवाही की मांग भी की है और इस संबंध में पुलिस को लिखित शिकायत दी है। विकास भवन परिसर के प्रोबेशन कार्यालय के एक लिपिक कक्ष में बाबा साहेब की तस्वीर खिड़की के पास बाहर की तरफ लगी हुई थी। तस्वीर पर धूल और गंदगी जमी हुई थी। साथ ही वह उल्टी अवस्था में लगाई हुई थी। इस स्थिति को देखकर अधिवक्ताओं में आक्रोश फैल गया और उन्होंने इसे बाबा साहेब का अपमान बताते हुए विरोध करना शुरू कर दिया था। उनका विरोध इतना ज्यादा बढ़ गया कि मौके पर पहुंची पुलिस ने सभी को शांत कराया। अधिवक्ता हरेंद्र गौतम ने बताया कि 14 अप्रैल को बाबा साहेब का जन्म उत्सव मनाया जाता है और उससे पहले इस तरह की घटना बेहद दुर्भाग्यपूर्ण व अस्वीकार्य है। बाबा साहेब का अपमान किसी भी सूरत में बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। इस मामले में संबंधित सरकारी कर्मचारी जितेंद्र के खिलाफ पुलिस में तहरीर दे दी गई है। बाबा साहेब की तस्वीर को सम्मानपूर्वक वहां से हटा दिया गया है। पुलिस प्रशासन ने जल्द कार्यवाही नहीं की तो सभी अधिवक्ता एकजुट होकर व्यापक विरोध प्रदर्शन करेंगे। इस घटना ने प्रशासनिक व्यवस्था पर सवाल खड़े कर दिए हैं और सरकारी कार्यालयों में महापुरुषों के सम्मान को लेकर लापरवाही की जा रही है।

क्रांति कवि सौरभ जैन सुमन को मिला साहित्य सनातन सम्मान

गाजियाबाद (शिखर समाचार)। हिन्दू नववर्ष विक्रम संवत 2083 के शुभारंभ अवसर पर राजनगर एक्सटेंशन में आयोजित एक भव्य सांस्कृतिक एवं साहित्यिक कार्यक्रम में अंतर्राष्ट्रीय कवि सौरभ जैन सुमन को साहित्य सनातन सम्मान से सम्मानित किया गया। कार्यक्रम का आयोजन वैभव शर्मा फाउंडेशन एवं साहित्य सनातन परिवार द्वारा किया गया।

कार्यक्रम श्रद्धेय हनुमंत कथा वाचक अरविंद भाई ओझा महाराज एवं मनोकामना धाम गाजियाबाद के पीठाधीश्वर पूज्य जीवन ऋषि महाराज के सान्निध्य में तथा अंतर्राष्ट्रीय शायर एवं वरिष्ठ पत्रकार राज कौशिक की अध्यक्षता में संपन्न हुआ। मुख्य अतिथि के रूप में गाजियाबाद विकास मंच के संयोजक अभिषेक शर्मा उपस्थित रहे।

कार्यक्रम का शुभारंभ मुख्य अतिथि अभिषेक शर्मा और कार्यक्रम संयोजक एवं कवि वैभव शर्मा द्वारा दीप प्रज्वलित कर किया गया। मंच संचालन भी वैभव शर्मा ने किया। उन्होंने बताया कि हिन्दी साहित्य के उन्नयन, विकास एवं संवर्धन में सौरभ जैन सुमन के उत्कृष्ट योगदान

को देखते हुए उन्हें यह सम्मान प्रदान किया गया। उन्होंने यह भी उल्लेख किया कि सौरभ जैन सुमन द्वारा स्थापित हिन्दी साहित्य अकादमी भारत के तत्वावधान में गत वर्ष लखनऊ में आयोजित कवि कुंभ में 450 से अधिक कवियों की भागीदारी एक रिकॉर्ड रही।

कार्यक्रम के दूसरे सत्र में हापुड़ के प्रसिद्ध कवि डॉ. अनिल वाजपेयी ने अपनी कविताओं से श्रोताओं को मंत्रमुग्ध कर दिया, जबकि संचालन युवा कवयित्री प्रेरणा सिंह ने किया। इस अवसर पर महिला सफाई कर्मियों को उपहार देकर सम्मानित किया गया। साथ ही श्रीराम जन्मोत्सव के उपलक्ष्य में पुष्पवर्षा कार्यक्रम का विशेष आकर्षण रहा। कार्यक्रम में दिल्ली एनसीआर, हरियाणा, उत्तर प्रदेश और उत्तराखंड से आए 100 से अधिक कवियों ने काव्य पाठ किया और सभी को सम्मानित किया गया।

कार्यक्रम को सफल बनाने में पार्षद मधुकर त्यागी, अभिषेक शर्मा, भानू सिसौदिया, मधुर बाला, राहुल त्यागी, डॉ. दर्शन अग्रवाल, रेनू बंसल, वी.के. सक्सेना, डॉ. प्रदीप शर्मा, हर्ष श्रीवास्तव, डॉ. ममता शर्मा, एडवोकेट रजनी जैन, प्रमोद त्यागी, दुष्यंत त्यागी, अवलोक कुमार सहित अनेक गणमान्य व्यक्तियों की विशेष भूमिका रही।

पुलिस हिरासत में घायल युवक की हालत गंभीर, अज्ञात पुलिसकर्मियों पर मुकदमा दर्ज

मोदीनगर (शिखर समाचार)। निवाड़ी थाना क्षेत्र में पुलिस हिरासत के दौरान घायल हुए पतला निवासी अमित चौधरी की हालत गाजियाबाद के अस्पताल में अभी भी गंभीर बनी हुई है। घायल युवक का इलाज नेहरू नगर स्थित यशोदा अस्पताल में चल रहा है, जहां उसे वेंटिलेटर पर रखा गया है। प्राप्त जानकारी के अनुसार 7 अप्रैल की रात निवाड़ी पुलिस ने अमित चौधरी पुत्र सुभाष चौधरी को हिरासत में लिया था। पुलिस के मुताबिक, जब उसे मुरादनगर के सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र ले जाया जा रहा था, तभी वह रास्ते में पुलिस वाहन से उतरकर दिल्ली मेरठ मार्ग की ओर भाग निकला और इसी दौरान किसी ट्रक की चपेट में आकर गंभीर रूप से घायल हो गया। वहीं घायल के पिता सुभाष चौधरी ने पुलिस पर गंभीर आरोप लगाते हुए कहा है कि उनके बेटे की यह हालत पुलिस की पिटाई के कारण हुई है। उनकी शिकायत पर अज्ञात पुलिसकर्मियों के खिलाफ गंभीर धाराओं में मुकदमा दर्ज कर लिया गया है। मामले की संवेदनशीलता को देखते हुए शुक्रवार को पतला कस्बे में प्रस्तावित पंचायत की सूचना पर पुलिस प्रशासन अलर्ट हो गया। निवाड़ी गंग नहर से लेकर पतला तक पुलिस और पीएसी बल की तैनाती कर दी गई, ताकि किसी भी प्रकार की अप्रिय स्थिति से निपटा जा सके। इस प्रकरण में लापरवाही के आरोप में डीसीपी ग्रामीण सुरेंद्रनाथ तिवारी ने दो उपनिरीक्षक लोकेंद्र सिंह और शाहिद खान सहित हेड कांस्टेबल सचिन मोहन और कांस्टेबल नरेंद्र को निलंबित कर दिया है।एसीपी भास्कर वर्मा ने बताया कि अज्ञात पुलिसकर्मियों के विरुद्ध रिपोर्ट दर्ज कर ली गई है और मामले की गंभीरता से जांच कराई जा रही है। जांच के आधार पर आगे की कार्रवाई सुनिश्चित की जाएगी।

आवास विकास की बड़ी कार्रवाई: वसुंधरा में बिल्डर लॉबी का हौसला पस्त, अवैध निर्माणों पर गरजा बुलडोजर

आरव शर्मा
गाजियाबाद (शिखर समाचार)।

उत्तर प्रदेश आवास एवं विकास परिषद ने वसुंधरा योजना में भू माफियाओं और नियमों की धज्जियां उड़ाने वाले बिल्डरों के खिलाफ आर-पार की जंग छेड़ दी है। परिषद की संपत्ति पर अवैध कब्जा करने और स्वीकृत नक्शे के विपरीत निर्माण करने वालों को कड़ा संदेश देते हुए आज टीम ने भारी पुलिस बल के साथ ध्वस्तीकरण की बड़ी कार्रवाई को अंजाम दिया।

नक्शा पास कहीं का, निर्माण कहीं और: आवास विकास ने रोका खेल

वसुंधरा योजना के भवन संख्या 11/267, 11/368, 11/423 और 12/900 में बिल्डर लॉबी द्वारा परिषद के नियमों को दरकिनार कर निर्माण किया जा रहा था। बिल्डरों ने न केवल 'सेटबैक' (खुली जगह) को अवैध रूप से कवर कर लिया था, बल्कि स्टिल्ट फ्लोर, जो कि पार्किंग के लिए आरक्षित होता है, उसमें भी अवैध फ्लैट और दुकानें खड़ी कर दी थीं। आवास विकास का प्रवर्तन दल लगातार इसे रोकने का प्रयास कर रहा था, लेकिन पुलिस बल के अभाव का फायदा उठाकर बिल्डर निर्माण कार्य को गति दे रहे थे।

अधीक्षण अभियंता अजय कुमार मित्तल की दो टूक: "जीरो टॉलरेंस" की नीति

कार्यवाही के संबंध में जानकारी देते हुए अधीक्षण अभियंता अजय कुमार मित्तल ने बताया कि परिषद की योजनाओं में अनुशासनहीनता और अवैध निर्माण के लिए कोई जगह नहीं है। उन्होंने कहा कि "बिल्डरों ने नियमों को ताक पर रखकर जो

दुस्साहस किया था, उस पर यह कार्यवाही तो मात्र एक शुरूआत है। परिषद अपनी एक एक इंच जमीन और जन-सुविधाओं के लिए छोड़ी गई जगह (सेटबैक) की रक्षा के लिए प्रतिबद्ध है।" उनके निर्देश पर ही टीम ने पुलिस बल के साथ तालमेल बिठाकर इस 'क्लीन अप' ऑपरेशन को अंजाम दिया।

विरोध के बावजूद पीछे नहीं हटी टीम निर्माण खण्ड 1

जैसे ही पुलिस बल उपलब्ध हुआ, परिषद के अधिशासी अभियंता निखिल माहेश्वरी के नेतृत्व में 'टीम निर्माण खण्ड 1' ने धावा बोल दिया। इस टीम में सहायक अभियंता बी.के. चाहर, फैज अवादिन और जूनियर अभियंता प्रवीण, शुभम शिवहरे व प्रभाकर झा शामिल रहे। मौके पर मौजूद बिल्डर लॉबी ने परिषद की कार्रवाई को रोकने के लिए भारी हंगामा और विरोध किया, लेकिन आवास विकास के जांबाज अधिकारियों ने बिना झुके ध्वस्तीकरण जारी रखा।

बिल्डर लॉबी में हड़कंप: तीन भवनों पर चला बुलडोजर, एक सील

परिषद की इस सख्त कार्यवाही के दौरान: तीन प्रमुख भवनों में किए गए अवैध निर्माण को जमींदोज कर दिया गया।

भवन संख्या 12/900 में व्यावसायिक लाभ के लिए बनाई जा रही दुकानों को तत्काल प्रभाव से सील कर दिया गया।

आवास विकास की चेतावनी: अवैध निर्माण पर नहीं मिलेगी ढील

आवास विकास परिषद के अधिकारियों ने साफ कर दिया है कि वसुंधरा जैसी सुव्यवस्थित योजना में किसी भी प्रकार का अनाधिकृत निर्माण स्वीकार नहीं किया जाएगा। परिषद की इस त्वरित कार्रवाई से उन आवंटियों में खुशी की लहर है जो नियमों का पालन करते हैं। विभाग ने चेतावनी दी है कि यदि दोबारा निर्माण की कोशिश की गई, तो इससे भी सख्त कानूनी कार्रवाई की जाएगी।

पैतृक संपत्ति के बंटवारे को लेकर बवाल, महिला से मारपीट चार के खिलाफ मुकदमा दर्ज

जेवर (शिखर समाचार)। क्षेत्र के गांव कानीगढ़ी में पैतृक संपत्ति के बंटवारे को लेकर विवाद इतना बढ़ गया कि मामला मारपीट तक पहुंच गया। पीड़िता की शिकायत पर पुलिस ने चार लोगों के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

गांव निवासी मनु शर्मा पत्नी धर्मवीर शर्मा ने पुलिस को दी तहरीर में बताया कि 4 अप्रैल की दोपहर करीब 2 बजे पैतृक घेर का बंटवारा किया जा रहा था, जिसमें वह भी अपने हिस्से की मांग को लेकर पहुंची थीं। आरोप है कि इसी दौरान उनके जेठ वीरेंद्र, जिठानी डोली शर्मा, सास उर्मिला और देवेश ने उन्हें हिस्सा देने से साफ इनकार कर दिया। पीड़िता का आरोप है कि हिस्सा मांगने पर उक्त लोगों ने उनके साथ मारपीट की, जिससे वह घायल हो गईं। इतना ही नहीं, आरोपियों ने उन्हें जान से मारने की धमकी भी दी।

पुलिस ने तहरीर के आधार पर चारों आरोपियों के खिलाफ मामला दर्ज कर लिया है और पूरे प्रकरण की जांच की जा रही है। स्थानीय स्तर पर इस घटना को लेकर चर्चा बनी हुई है।

संपादकीय

यमुना में डूबी जिम्मेदारियाँ: हादसों से कब सीखेगा तंत्र?

मथुरा में शुक्रवार को हुआ दर्दनाक नाव हादसा एक बार फिर हमारी व्यवस्था, लापरवाही और संवेदनहीनता पर बड़ा सवाल खड़ा करता है। लुधियाना से वृंदावन दर्शन के लिए आए करीब 30 श्रद्धालुओं से भरी नाव का यमुना नदी में पलटना और उसमें सवार लोगों का डूब जाना केवल एक दुर्घटना नहीं, बल्कि कई स्तरों पर विफलताओं का परिणाम है। अब तक दस लोगों के शव बरामद किए जा चुके हैं और राहत बचाव कार्य जारी है। लेकिन हर बार की तरह सवाल वही है आखिर ऐसी घटनाएं कब तक होती रहेंगी और हम कब सीखेंगे?

भारत में नदियां केवल जल स्रोत नहीं, बल्कि आस्था और संस्कृति का केंद्र हैं। विशेषकर मथुरा वृंदावन जैसे धार्मिक स्थलों पर रोजाना हजारों श्रद्धालु पहुंचते हैं। ऐसे में नाव संचालन, सुरक्षा मानकों और प्रशासनिक निगरानी का मजबूत होना अत्यंत आवश्यक हो जाता है। लेकिन हकीकत यह है कि अधिकांश स्थानों पर नावों का संचालन बिना किसी ठोस नियम कानून के हो रहा है। न तो नावों की क्षमता का ध्यान रखा जाता है, न ही यात्रियों के लिए जीवन रक्षक जैकेट जैसी मूलभूत सुविधाएं उपलब्ध कराई जाती हैं। इस हादसे के पीछे भी प्राथमिक तौर पर ओवरलोडिंग और सुरक्षा इंतजामों की कमी सामने आ रही है। सवाल यह है कि क्या नाविक को यह नहीं पता था कि उसकी नाव में कितने लोगों को बैठाना सुरक्षित है? या फिर लालच और लापरवाही ने जान की कीमत को भी छोटा बना दिया? इससे भी बड़ा प्रश्न प्रशासन की भूमिका को लेकर उठता है। क्या स्थानीय प्रशासन और संबंधित विभागों ने कभी इन नावों की जांच की? क्या किसी ने यह सुनिश्चित किया कि यात्रियों की सुरक्षा के लिए आवश्यक उपाय मौजूद हैं?

हर बड़े हादसे के बाद जांच के आदेश दिए जाते हैं, मुआवजे की घोषणा होती है और कुछ समय के लिए सख्ती भी दिखाई जाती है। लेकिन जैसे जैसे समय बीतता है, सब कुछ फिर पुराने ढर्रे पर लौट आता है। यह एक खतरनाक चक्र बन चुका है, जिसमें जानें जाती हैं, आंसू बहते हैं और फिर सब कुछ भुला दिया जाता है। यह केवल मथुरा का मामला नहीं है, बल्कि देश के कई हिस्सों में ऐसी घटनाएं पहले भी हो चुकी हैं कभी गंगा में, कभी ब्रह्मपुत्र में तो कभी अन्य जल स्रोतों में। इस तरह के हादसों को केवल 'दुर्भाग्यपूर्ण' कहकर टाल देना आसान है, लेकिन यह सच्चाई से मुंह मोड़ने जैसा होगा। दरअसल, यह एक व्यवस्थागत समस्या है, जिसमें कई स्तरों पर सुधार की आवश्यकता है। सबसे पहले, नाव संचालन के लिए सख्त लाइसेंस प्रणाली लागू होनी चाहिए। बिना पंजीकरण और सुरक्षा प्रमाणन के किसी भी नाव को संचालन की अनुमति नहीं दी जानी चाहिए। नावों की नियमित जांच, उनकी क्षमता का स्पष्ट निर्धारण और उसका सख्ती से पालन अनिवार्य होना चाहिए। दूसरा, यात्रियों की सुरक्षा को सर्वोच्च प्राथमिकता दी जानी चाहिए। हर नाव में पर्याप्त संख्या में लाइफ जैकेट, रेस्क्यू उपकरण और प्रशिक्षित कर्मी मौजूद होने चाहिए। यात्रियों को भी जागरूक किया जाना चाहिए कि वे बिना सुरक्षा उपायों के नाव में सवार न हों। अक्सर देखा जाता है कि लोग खुद भी लापरवाही बरतते हैं और जोखिम को नजरअंदाज कर देते हैं। यह प्रवृत्ति भी बदलनी होगी। तीसरा, प्रशासन को केवल हादसे के बाद सक्रिय होने के बजाय पहले से सतर्क रहना होगा। नियमित निरीक्षण, निगरानी और नियमों के उल्लंघन पर कड़ी कार्रवाई ही ऐसी घटनाओं को रोक सकती है। स्थानीय स्तर पर आपदा प्रबंधन की टीमों को भी मजबूत किया जाना चाहिए, ताकि किसी भी आपात स्थिति में तुरंत और प्रभावी ढंग से राहत कार्य किया जा सके।

~ मौलिक चिंतन ~

वो स्व-भाव ही क्या जो पर-भाव से प्रभावित हो जाए!

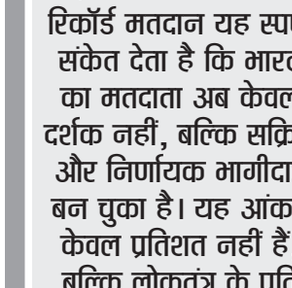

~~~~~~~~~

© विनय संकोची

सत्यशोधक ज्योतिबा फुले: जिनके विचारों ने बदली समाज की दिशा

दिलीप कुमार पाठक

इतिहास अक्सर उन लोगों को भूल जाता है जो किसी भव्य इमारत की नींव में ईंट बनकर समा जाते हैं। लेकिन जब-जब आधुनिक भारत में न्याय और बराबरी की बात होगी, ज्योतिबा फुले का नाम सबसे ऊपर लिया जाएगा। फुले कोई पारंपरिक नेता नहीं थे, वे एक ऐसे दूरद्रष्टा शिक्षक थे जिन्होंने ब्लैकबोर्ड पर अक्षर लिखने से पहले समाज की कड़वी सच्चाइयों और गरीबों के आंसू पढ़ना सीखा था। आज हम जिस आधुनिक भारत में सांस ले रहे हैं, जहाँ महिलाएं कंधे से कंधा मिलाकर चल रही हैं और समाज का हर वर्ग तरक्की के सपने देख रहा है, उसकी पहली मजबूत ईंट 19वीं सदी में ज्योतिबा फुले ने ही रखी थी।वह एक ऐसा दौर था जब शिक्षा पर कुछ खास लोगों का एकाधिकार था और समाज की एक बहुत बड़ी आबादी अज्ञानता के घने अंधेरे में कैद थी। ज्योतिबा ने बहुत कम उम्र में ही यह समझ लिया था कि किसी को गुलाम बनाने के लिए लोहे की जंजीरें जरूरी नहीं होतीं, बल्कि उसे अशिक्षा के पिंजरे में कैद रखना ही काफी होता है। उन्होंने बड़ी बेबाकी से समाज को आईना दिखाते हुए कहा था- शिक्षा के बिना इंसान की बुद्धि मर जाती है और बुद्धि के बिना उसका विकास और नैतिकता हमेशा के लिए रुक जाती है।

ज्योतिबा फुले के जीवन का सबसे साहसी अध्याय उनकी जीवनसंगिनी सावित्रीबाई फुले के साथ जुड़ा है। उन्होंने किसी बड़े मंच से केवल भाषण देने के बजाय, बदलाव की शुरूआत अपने घर से की। उस कट्टर समाज की कल्पना कीजिए, जहाँ औरतों का पढ़ना एक महापाप माना जाता था, वहाँ ज्योतिबा अपनी पत्नी के हाथ में कलम और किताब थमा रहे थे। जब सावित्रीबाई स्कूल पढ़ाने निकलती थीं और उन पर गोबर और कीचड़ फेंका जाता था, तो ज्योतिबा एक चट्टान की तरह उनके पीछे खड़े रहते थे। यह उन दोनों का अटूट साहस और जिद ही थी, जिसने 1848 में पुणे के भिड़ेवाड़ा में लड़कियों के लिए भारत के पहले स्कूल का रास्ता खोला और सदियों पुराने बंद दरवाजे हमेशा के लिए तोड़ दिए। फुले के सुधार केवल स्कूलों की चारदीवारी तक सीमित नहीं रहे।

उनकी पैनी नजर समाज की हर उस बुराई पर थी जो एक इंसान को दूसरे इंसान से छोटा समझती थी। उन्होंने सत्यशोधक समाज की स्थापना की, जिसका एकमात्र उद्देश्य लोगों को अंधविश्वासों के मानसिक चंगुल से बाहर निकालना था। वे केवल बातों के धनी नहीं थे, बल्कि उन्होंने अपने सिद्धांतों को जीकर दिखाया। जब अछूतों के लिए पानी पीना भी अपराध माना जाता था, तब उन्होंने अपने खुद के घर का पानी का टैंक उनके लिए खोल दिया। यह उस समय के कट्टरपंथी समाज के मुंह पर एक बहुत बड़ा तमाचा था। वे जानते थे कि जब तक एक आम इंसान अपनी नजरों में खुद को गौरवशाली नहीं समझेगा, तब तक वह समाज में अपना हक कभी नहीं मांग पाएगा। अक्सर हम फुले को इतिहास की एक पुरानी तस्वीर मानकर दीवार पर टांग देते हैं, लेकिन उनके विचार आज के आधुनिक युग में भी उतने ही अनिवार्य हैं। आज हमारे पास बड़ी-बड़ी डिग्रियां तो हैं, लेकिन क्या हमारे भीतर वह सामाजिक चेतना है जो फुले पैदा करना चाहते थे? उन्होंने स्पष्ट कहा था कि शिक्षा का असली मकसद केवल नौकरी पाना नहीं, बल्कि खुद को स्वतंत्र बनाना और समाज के प्रति संवेदनशील होना है।

आज जब हम समाज में बढ़ती नफरत और भेदभाव की नई दीवारें देखते हैं, तो फुले की गुलामगिरी जैसी कालजयी रचनाएं हमें याद दिलाती हैं कि असली मानसिक आजादी पाना अभी भी एक लंबा संघर्ष है। महात्मा फुले ने कभी अपने व्यक्तिगत सुख या आराम की चिंता नहीं की। अपनी प्रतिभा और पढ़ाई के दम पर वे चाहते तो एक बहुत ही समृद्ध जीवन जी सकते थे, लेकिन उन्होंने उन लोगों के लिए कांटों भरा रास्ता चुना जो समाज के अंतिम पायदान पर खड़े थे। यही कारण है कि जनता ने उन्हें अपने दिल से महात्मा की उपाधि दी थी। उनकी लड़ाई किसी विशेष धर्म या जाति के खिलाफ नहीं थी, बल्कि उनकी जंग उस अमानवीय व्यवस्था के विरुद्ध थी जो इंसान और इंसान के बीच ऊंच-नीच की दीवार खड़ी करती थी। वे किसानों के दुख-दर्द को भी उतनी ही शिद्दत से समझते थे और उनके शोषण के खिलाफ हमेशा ढाल बनकर खड़े रहे।

11 अप्रैल का यह दिन हमें रुककर यह आत्मचिंतन करने का मौका देता है कि हम फुले के सपनों के भारत के कितने करीब पहुँचे हैं। क्या आज हर गांव के बच्चे के हाथ में गुणवत्तापूर्ण शिक्षा है? क्या आज भी हमारी महिलाएं समाज में पूरी तरह सुरक्षित और स्वतंत्र महसूस करती हैं? महात्मा फुले ने जो मशाल डेढ़ सौ साल पहले जलाई थी, उसे बुझने न देना ही उनके प्रति हमारी सच्ची श्रद्धांजलि होगी। आइए, आज हम फुले के उन सिद्धांतों को याद करें जो कहते हैं कि ज्ञान ही वह एकमात्र प्रकाश है जो हमें अंधकार से बाहर निकालकर सम्मान का जीवन दिला सकता है। उनका संघर्ष हमें भरोसा दिलाता है कि अगर हमारे इरादे नेक हों, तो एक अकेला व्यक्ति भी वक्त की धारा को मोड़ने का दम रखता है।

राष्ट्रीय सुरक्षित मातृत्व दिवस: हर माँ की सुरक्षा का संकल्प

सुनील कुमार महला

11 अप्रैल को भारत में राष्ट्रीय सुरक्षित मातृत्व दिवस मनाया जाता है, जिसका उद्देश्य गर्भवती महिलाओं के स्वास्थ्य, सुरक्षित प्रसव और मातृ सुरक्षा के प्रति व्यापक जागरूकता बढ़ाना है। इस अवसर पर देशभर में सरकारी और निजी संस्थानों द्वारा स्वास्थ्य शिविर, निःशुल्क जांच, परामर्श और जागरूकता अभियान आयोजित किए जाते हैं। इस दिवस का मुख्य लक्ष्य मातृ मृत्यु दर में कमी लाना, संस्थागत प्रसव को बढ़ावा देना, गर्भवती महिलाओं को प्रसव पूर्व और प्रसवोत्तर देखभाल, संतुलित पोषण तथा गर्भावस्था के दौरान होने वाले खतरनाक संकेतों के बारे में शिक्षित करना है। साथ ही, ग्रामीण और दूरदराज के क्षेत्रों में गुणवत्तापूर्ण मातृत्व स्वास्थ्य सेवाओं की पहुंच सुनिश्चित करना और हर महिला को सुरक्षित व सम्मानजनक प्रसव की सुविधा उपलब्ध कराना भी इसका प्रमुख उद्देश्य है। भारत सरकार ने 11 अप्रैल 2003 को 'व्हाइट रिबन एलायंस इंडिया' के अनुरोध पर इस दिवस की शुरूआत की थी, जिसके लिए 1800 से अधिक स्वयंसेवी संस्थाओं ने मिलकर अभियान चलाया था। इस दिवस का प्रतीक सफेद रिबन है, जो उन माताओं के प्रति शोक व्यक्त करता है जिनकी मृत्यु गर्भावस्था या प्रसव के दौरान हुई, और साथ ही आशा, पवित्रता तथा इस संदेश का प्रतीक है कि गर्भावस्था कोई बीमारी नहीं है और किसी भी महिला को जीवन देते समय अपनी जान नहीं गंवानी चाहिए।

भारत दुनिया का पहला देश है जिसने सुरक्षित मातृत्व के लिए एक समर्पित राष्ट्रीय दिवस घोषित किया, जबकि अन्य देश और वैश्विक संगठन सामान्यतः 28 मई को 'इंटरनेशनल डे ऑफ एक्शन फॉर वीमेन हेल्थ' मनाते हैं। यह दिवस कस्तूरबा गांधी की जयंती पर मनाया जाता है, जिन्होंने स्वतंत्रता संग्राम में महत्वपूर्ण भूमिका निभाने के साथ-साथ महिलाओं के स्वास्थ्य, स्वच्छता और सुरक्षित प्रसव के लिए उल्लेखनीय कार्य किए। साबरमती आश्रम में उन्होंने महिलाओं को स्वास्थ्य और स्वच्छता के प्रति जागरूक किया और उस समय, जब स्वास्थ्य सुविधाएं अत्यंत सीमित थीं, वे स्वयं एक कुशल प्रसव सहायिका के रूप में कार्य करती थीं तथा ग्रामीण महिलाओं को सुरक्षित प्रसव के लिए शिक्षित करती थीं। इस प्रकार यह दिवस उनके मौन लेकिन महत्वपूर्ण योगदान को स्मरण करने का अवसर भी है।

बहरहाल, यहां पाठकों को बताता चलूं कि हमारे देश में मातृ स्वास्थ्य को बेहतर बनाने के लिए कई महत्वपूर्ण योजनाएं संचालित की जा रही हैं। 'प्रधानमंत्री सुरक्षित मातृत्व अभियान' के अंतर्गत प्रत्येक माह की 9 तारीख को सरकारी स्वास्थ्य केंद्रों पर गर्भवती महिलाओं को निःशुल्क विशेषज्ञ जांच की सुविधा प्रदान की जाती है। 'जननी शिशु सुरक्षा कार्यक्रम' के तहत गर्भवती महिलाओं को मुफ्त प्रसव, भोजन और जांच की सुविधा मिलती है। इसके अतिरिक्त, 'नर्स प्रैक्टिशनर इन मिडवाइफरी' के माध्यम से पारंपरिक दाइयों के अनुभव को आधुनिक चिकित्सा विज्ञान से जोड़कर ह्यमिडवाइफरी लेड केयर यूनिट्सह्व विकसित किए जा रहे हैं, जिससे प्रसव प्रक्रिया को अधिक सुरक्षित, सहज और कम तनावपूर्ण बनाया जा सके।

वास्तव में, यह काबिले-तारीफ है कि पिछले एक दशक में भारत ने मातृ मृत्यु दर में लगभग 70 प्रतिशत की उल्लेखनीय कमी दर्ज की है और आज लगभग 90 प्रतिशत प्रसव अस्पतालों में (संस्थागत प्रसव) हो रहे हैं, जबकि 2003 में यह संख्या काफी कम थी। नवीनतम आंकड़ों के अनुसार भारत का मातृ मृत्यु दर (एमएमआर) घटकर 88 प्रति लाख जीवित जन्म हो गया है, जो राष्ट्रीय स्वास्थ्य नीति के निर्धारित लक्ष्य (100 से कम) से बेहतर है। यदि वैश्विक स्तर पर तुलना करें तो 1990 के बाद से भारत ने अपनी मातृ मृत्यु दर में लगभग 86 प्रतिशत की कमी हासिल की है, जबकि इसी अवधि में वैश्विक औसत गिरावट केवल 48 प्रतिशत रही है। वर्तमान में भारत का लक्ष्य 2030 तक संयुक्त राष्ट्र के सतत विकास लक्ष्यों के अनुरूप इस दर को 70 से नीचे लाना है। केरल, महाराष्ट्र, तमिलनाडु और आंध्र प्रदेश जैसे राज्यों ने उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए मातृ मृत्यु दर को 40 से नीचे ला दिया है, जबकि उत्तर प्रदेश, मध्य प्रदेश और असम में यह दर अभी राष्ट्रीय औसत से अधिक है, फिर भी संस्थागत प्रसव में वृद्धि के कारण वहां तेजी से सुधार हो रहा है। इस सफलता के पीछे 'प्रधानमंत्री सुरक्षित मातृत्व अभियान' और 'लक्ष्य' जैसे कार्यक्रमों की महत्वपूर्ण भूमिका रही है, जिनसे स्वास्थ्य सेवाओं की गुणवत्ता, विशेषकर लेबर रूम सुविधाओं में सुधार हुआ है। साथ ही, व्यापक टीकाकरण, बेहतर पोषण और प्रसव के दौरान प्रशिक्षित स्वास्थ्य कर्मियों की उपलब्धता ने मातृ स्वास्थ्य की स्थिति में व्यापक बदलाव लाया है।

प्रत्येक वर्ष इस दिवस की एक थीम निर्धारित की जाती है। वर्ष 2024 की थीम स्वस्थ शुरूआत, आशाजनक भविष्य रखी गई थी, जिसका उद्देश्य गर्भावस्था की शुरूआत से ही मां और शिशु के लिए बेहतर स्वास्थ्य सेवाएं सुनिश्चित करना था। वर्ष 2025 की थीम समान मातृत्व देखभाल: हर माँ का अधिकार रही, जबकि वर्ष

2026 की थीम सुरक्षित मातृत्व के लिए नवाचार और सुलभ स्वास्थ्य सेवा निर्धारित की गई है।

अंततः, यही कहूंगा कि राष्ट्रीय सुरक्षित मातृत्व दिवस केवल एक जागरूकता दिवस नहीं, बल्कि एक मानवीय और सामाजिक दायित्व का प्रतीक है। यह हमें यह सोचने के लिए प्रेरित करता है कि किसी भी समाज की वास्तविक प्रगति उसकी माताओं की सुरक्षा और स्वास्थ्य से मापी जाती है। जब तक हर गर्भवती महिला को समय पर उचित देखभाल, पर्याप्त पोषण, प्रशिक्षित स्वास्थ्य सेवाएं और सम्मानजनक व्यवहार नहीं मिलेगा, तब तक विकास अधूरा रहेगा। इस दिवस का मूल संदेश यही है कि सुरक्षित मातृत्व कोई विकल्प नहीं, बल्कि हर महिला का मौलिक अधिकार है। वास्तव में, सामूहिक प्रयासों, जन-जागरूकता और सशक्त स्वास्थ्य व्यवस्थाओं के माध्यम से ही हम एक ऐसा समाज व देश बना सकते हैं, जहां हर मां सुरक्षित हो और हर नवजीवन स्वस्थ भविष्य की ओर अग्रसर हो।

राज्यों व केन्द्र शासित प्रदेशों के विधानसभा चुनाव 2026

विनोद कुमार सिंह

निर्वाचन आयोग द्वारा जारी आधिकारिक आंकड़ों ने इस लोकतांत्रिक उत्सव को और अधिक अर्थपूर्ण बना दिया है। असम में लगभग 85 प्रतिशत से अधिक मतदान, केरल में लगभग 78 प्रतिशत और पुडुचेरी में लगभग 90 प्रतिशत के आसपास रिकॉर्ड मतदान यह स्पष्ट संकेत देता है कि भारत का मतदाता अब केवल दर्शक नहीं, बल्कि सक्रिय और निर्णायक भागीदार बन चुका है। यह आंकड़े केवल प्रतिशत नहीं हैं, बल्कि लोकतंत्र के प्रति जनता के विश्वास,उसकी प्रतिबद्धता और उसकी आकांक्षाओं का जीवंत प्रमाण हैं।

प्रथम चरण का मतदान मेंजनमत की गूंज,लोकतंत्र का आत्मविश्वास और बदलते राजनीतिक संकेत...

हमारा लोकतंत्र केवल एक संवैधानिक व्यवस्था नहीं,बल्कि जनचेतना की वह जीवंत धारा है , जो समय-समय पर अपने स्वरूप, अपने तेवर और अपनी दिशा को स्वयं निर्धारित करती है।वर्ष 2026 के विधानसभा चुनावों का प्रथम चरण - असम,केरल और केन्द्र शासित प्रदेश पुडुचेरी में सम्पन्न मतदान - इसी लोकतांत्रिक चेतना का प्रखर और व्यापक प्रतिबिंब बनकर सामने आया है।यह चरण केवल मतपेटियों तक सीमित एक प्रशासनिक प्रक्रिया नहीं,बल्कि जनमत की वह गूंज है जिसमें सामाजिक परिवर्तन की आहट, राजनीतिक पुनर्संतुलन की छाया और भविष्य की राजनीति की स्पष्ट रूपरेखा सुनाई देती है।

निर्वाचन आयोग द्वारा जारी आधिकारिक आंकड़ों ने इस लोकतांत्रिक उत्सव को और अधिक अर्थपूर्ण बना दिया है। असम में लगभग 85 प्रतिशत से अधिक मतदान, केरल में लगभग 78 प्रतिशत और पुडुचेरी में लगभग 90 प्रतिशत के आसपास रिकॉर्ड मतदान यह स्पष्ट संकेत देता है कि भारत का मतदाता अब केवल दर्शक नहीं, बल्कि सक्रिय और निर्णायक भागीदार बन चुका है। यह आंकड़े केवल प्रतिशत नहीं हैं, बल्कि लोकतंत्र के प्रति जनता के विश्वास,उसकी प्रतिबद्धता और उसकी आकांक्षाओं का जीवंत प्रमाण हैं।

असम में उच्च मतदान यह संकेत देता है कि वहां चुनाव केवल सत्ता परिवर्तन का माध्यम नहीं, बल्कि जनसरोकारों की अभिव्यक्ति का मंच बन चुका है। ग्रामीण क्षेत्रों से लेकर शहरी इलाकों तक जिस प्रकार मतदाताओं ने उत्साहपूर्वक भाग लिया, वह इस बात का द्योतक है कि मतदाता अब अपने अधिकारों के प्रति अधिक सजग और सचेत है।यह उत्साह जहां एक ओर सत्तारूढ़ दल के लिए चुनौती का संकेत देता है, वहीं दूसरी ओर यह भी दशार्ता है कि यदि सरकार ने अपने कार्यों से जनविश्वास अर्जित किया है,तो उसे पुनः अवसर भी मिल सकता है।

केरल का मतदान प्रतिशत अपनी प्रकृति में भले ही संतुलित प्रतीत होता हो, लेकिन उसकी गहराई में एक परिपक्व लोकतांत्रिक चेतना का प्रवाह दिखाई देता है।यहाँ का मतदाता परंपरागत रूप से विचारधारा आधारित मतदान करता है और यही कारण है कि मतदान का प्रतिशत स्थिर रहते हुए भी अत्यंत महत्वपूर्ण संकेत देता है। लगभग 78 प्रतिशत मतदान यह बताता है कि केरल में लोकतंत्र केवल एक प्रक्रिया नहीं,बल्कि एक वैचारिक अभ्यास है,जिसमें हर मतदाता अपने निर्णय को एक जिम्मेदारी के रूप में देखता है।

पुडुचेरी में लगभग 90 प्रतिशत के आसपास मतदान ने यह सिद्ध कर दिया है कि लोकतंत्र का उत्साह क्षेत्रफल या जनसंख्या पर निर्भर नहीं करता,बल्कि जनभागीदारी की भावना पर आधारित होता है। छोटे से केन्द्र शासित प्रदेश में इतनी बड़ी संख्या में मतदाताओं का मतदान करना यह दशार्ता है कि लोकतंत्र की जड़ें कितनी गहरी और मजबूत हैं। यह मतदान न केवल राजनीतिक दलों के लिए संदेश है, बल्कि पूरे देश के लिए प्रेरणा भी है कि लोकतंत्र की असली शक्ति जनता की सक्रिय भागीदारी में निहित है।

इस प्रथम चरण का एक और महत्वपूर्ण पक्ष मतदाता संरचना में हो रहा परिवर्तन है।लगभग 5.3 करोड़ से अधिक मतदाताओं की भागीदारी यह दशार्ती है कि लोकतंत्र अब केवल संख्याओं का खेल नहीं, वरन विविधता और समावेश का उत्सव बन चुका है। महिला मतदाताओं की बढ़ती संख्या और उनकी सक्रिय भागीदारी इस परिवर्तन का सबसे सशक्त संकेत है।केरल और पुडुचेरी जैसे क्षेत्रों में महिलाओं की संख्या पुरुषों के बराबर या उससे अधिक होना केवल एक सांख्यिकीय तथ्य नहीं,बल्कि एक सामाजिक क्रांति का संकेत है।

महिलाएं अब केवल मतदान करने वाली इकाई नहीं,बल्कि नीति निर्धारण को प्रभावित करने वाली शक्ति बन चुकी हैं।उनके मुद्दे अब चुनावी विमर्श के केंद्र में हैं - चाहे वह महंगाई हो, स्वास्थ्य सेवाएं हों, शिक्षा हो या सुरक्षा।राजनीतिक दलों ने भी इस परिवर्तन को स्वीकार करते हुए अपनी रणनीतियों में बदलाव किया है और महिला मतदाताओं को ध्यान में रखकर योजनाएं और घोषणाएं प्रस्तुत की हैं।यह स्पष्ट है कि आने वाले समय में महिला मतदाता भारतीय राजनीति की दिशा तय करने में निर्णायक भूमिका निभाएंगी।

युवा मतदाताओं की भागीदारी इस चुनाव की आत्मा है।लाखों नए मतदाताओं का पहली बार मतदान करना यह दशार्ता है कि भारत का भविष्य अब मतदान केंद्रों तक पहुंच चुका है। यह युवा वर्ग पारंपरिक राजनीति से अलग सोच रखता है।उसके लिए जातीय या धार्मिक समीकरणों की अपेक्षा रोजगार, शिक्षा, डिजिटल अवसर और वैश्विक प्रतिस्पर्धा अधिक महत्वपूर्ण हैं।वह केवल वादों से प्रभावित नहीं होता,बल्कि परिणाम चाहता है,पारदर्शिता चाहता है और अवसर चाहता है। यही कारण है कि आज की राजनीति में युवाओं की भूमिका केवल सहायक नहीं, बल्कि निर्णायक बन चुकी है।

पुरुष मतदाताओं की भूमिका अब भी महत्वपूर्ण है,लेकिन महिला और युवा मतदाताओं के उभार ने चुनावी समीकरणों को अधिक संतुलित और प्रतिस्पर्धी बना दिया है।यह परिवर्तन लोकतंत्र के लिए सकारात्मक संकेत है,क्योंकि इससे चुनाव अधिक निष्पक्ष और परिणाम अधिक प्रतिनिधिक बनते हैं।

अगर हम वर्त्तमान राजनीतिक परिदृश्य की बात करें तो असम, केरल और पुडुचेरी तीनों ही क्षेत्रों में अलग-अलग प्रकार के चुनावी समीकरण देखने को मिल रहे हैं। असम में जहां भाजपा नेतृत्व वाले गठबंधन और कांग्रेस गठबंधन के बीच सीधा मुकाबला है,वहीं केरल में पारंपरिक एल डी एफ (छऊऋ) और यु डी एफ (वऊऋ.)के बीच वैचारिक संघर्ष जारी है। पुडुचेरी में त्रिकोणीय मुकाबला चुनाव को और अधिक जटिल और रोचक बना रहा है।

असम में उच्च मतदान यह संकेत देता है कि चुनाव अत्यंत प्रतिस्पर्धी है।राजनीतिक विश्लेषकों का मानना है कि यदि सत्तारूढ़ गठबंधन अपने लाभार्थी वर्ग और महिला मतदाताओं का समर्थन बनाए रखने में सफल रहता है,तो उसे बढ़त मिल सकती है ,लेकिन उच्च मतदान अक्सर सत्ता विरोधी भावना का भी संकेत होता है, जिससे चुनाव परिणाम अनिश्चित हो जाता है।

केरल में स्थिति और भी जटिल है, क्योंकि वहां का मतदाता अत्यंत जागरूक और वैचारिक है।यहाँ चुनाव परिणाम बहुत ही सूक्ष्म अंतर से तय होते हैं और यही कारण है कि दोनों प्रमुख गठबंधन पूरी ताकत से मैदान में हैं।पुडुचेरी में रिकॉर्ड मतदान यह संकेत देता है कि मतदाता परिवर्तन चाहता है या स्पष्ट जनादेश देना चाहता है, लेकिन त्रिकोणीय मुकाबले के कारण यहां हंग असेंबली की संभावना से भी इनकार नहीं किया जा सकता।

मतदान प्रतिशत के भीतर छिपे राजनीतिक संकेतों को यदि समझा जाए कि उच्च मतदान केवल संख्या नहीं,बल्कि एक संदेश है।यह संदेश कभी बदलाव का होता है, कभी समर्थन का और कभी संतुलन का।महिला मतदाताओं की सक्रियता यह दशार्ती है कि कल्याणकारी योजनाएं और सामाजिक सुरक्षा अब राजनीति के केंद्र में हैं।युवा मतदाताओं की भागीदारी यह बताती है कि भविष्य की राजनीति विकास और अवसरों के इर्द-गिर्द घूमेगी।

प्रथम चरण का यह मतदान यह भी स्पष्ट करता है कि भारतीय लोकतंत्र अब एक नए दौर में प्रवेश कर चुका है।यह दौर परंपरागत समीकरणों से आगे बढ़कर विकास,पारदर्शिता और जवाबदेही पर आधारित है। मतदाता अब केवल भावनाओं के आधार पर नहीं,वरन अपने अनुभव और अपेक्षाओं के आधार पर निर्णय लेता है।

संक्षेप में यह कहा जा सकता है कि 2026 के विधानसभा चुनावों का प्रथम चरण केवल एक चुनावी प्रक्रिया नहीं,बल्कि भारत के लोकतांत्रिक आत्मविश्वास का सशक्त प्रमाण है।यह वह क्षण है जब राज्य का हर नागरिक यह महसूस करता है कि उसकी आवाज महत्वपूर्ण है,उसका वोट मूल्यवान है और उसका निर्णय देश के भविष्य को दिशा देने में सक्षम है।

यह केवल मतदान नहीं,बल्कि जनविश्वास का उत्सव है। यह केवल मतदान केआंकड़े नहीं,बल्कि जनभावनाओं की अभिव्यक्ति है। मतदाताओं की यही अभिव्यक्ति भारत के लोकतंत्र को न केवल जीवित रखती है,बल्कि उसे निरंतर सशक्त और समृद्ध भी बनाती है।

(स्वतंत्र पत्रकार व स्तम्भकार)

~~~~~~~~~

रोज ब्रश करते हो, कितनी देर करते हो, ध्यान रखना कीटाणु दाँतों में सड़न पैदा करते हैं। डेंटिस्ट से लेकर टीचर तक सब बच्चों को यही शिक्षा देते आए हैं। परंतु यह शोध पढ़ने के बाद शायद उनका सोच बदले।

मुँह के कीटाणु ज्यादातर फायदेमंद

रोज ब्रश करते हो, कितनी देर करते हो, ध्यान रखना कीटाणु दाँतों में सड़न पैदा करते हैं। डेंटिस्ट से लेकर टीचर तक सब बच्चों को यही शिक्षा देते आए हैं। परंतु यह शोध पढ़ने के बाद शायद उनका सोच बदले। एक शोध के मुताबिक मुँह में 600 कीटाणु होते हैं और इनमें से अधिकांश शरीर के लिए फायदेमंद होते हैं।

अमेरिका के फोरसिथ इंस्टीट्यूट के डॉ. फ्लाइड ड्यूहर्स्ट का कहना है कि मनुष्य के मुख में सूक्ष्म कीटाणु काफी फायदेमंद हो सकते हैं। न केवल दंत विशेषज्ञों के लिए वरन अन्य चिकित्सा विशेषज्ञों के लिए भी यह खबर फायदेमंद हो सकती है।

वैज्ञानिक अभी तक यह गिन सके हैं और अब यह जानने की भी कोशिश कर रहे हैं कि क्या इनका संबंध हृदयरोग, पक्षाघात या समय से पहले जन्म से होता है। मुँह में पाए जाने वाले अधिकांश बैक्टेरिया फायदेमंद होते हैं। ये दाँत और मसूड़ों की सेहत बनाकर रखते हैं।

ह्यूमन ओरल माइक्रोबियोम डाटाबेस वैज्ञानिकों ने तैयार किया है। लंदन के किंग्स कॉलेज के वैज्ञानिकों ने यह जानकारी जुटाई है। वैज्ञानिकों ने यह भी पता लगाया है कि यह कीटाणु किस तरह के होते हैं और इनका चयापचय कैसा होता है, साथ ही इनमें बीमारी पैदा करने की क्षमता कितनी होती है।

यह सारी जानकारी उनके डीएनए और प्रोटीन से जोड़कर देखी जाएगी। वैज्ञानिक यह भी देख रहे हैं कि इन कीटाणुओं का डीएनए कैसा है, साथ ही इनका अनुवांशिकी किस तरह से बना है। यह सारी जानकारी अगले तीन साल में एकत्र कर ली जाएगी।

स्वस्थ रहने के नौ टिप्स

- अगर सुख की नींद सोना हो तो सोते समय 'चिंता' न करें, प्रभुनाम का 'चिंतन' करें।
- पाचन शक्ति ठीक रखनी हो तो ठीक वक्त पर भोजन करें और प्रत्येक कौर को 32 बार चबाएँ।
- यदि यौनशक्ति ठीक रखनी हो तो कामुक चिंतन न किया करें और सप्ताह में एक से अधिक बार सहवास न किया करें।
- यह गलतफहमी है कि अण्डा, माँस खाने से बल बढ़ता है और शराब पीने से आनंद आता है। अण्डा, माँस खाने से शरीर मोटा-तगड़ा जरूर हो सकता है पर कुछ बीमारियाँ भी इसी से पैदा होती हैं। शराब पीने से आनंद नहीं आता, बेहोशी आती है और बीमारियाँ होती हैं।
- अपनी आर्थिक शक्ति से अधिक धन खर्च करने वाला कर्जदार हो जाता है। अपनी शारीरिक शक्ति से अधिक श्रम करने वाला कमजोर हो जाता है। अपनी क्षमता से अधिक विषय भोग करने वाला जल्दी बूढ़ा और नपुंसक हो जाता है और अपने से अधिक बलवान से शत्रुता करने वाला नष्ट हो जाता है।
- भोजन करते समय और सोते समय किसी भी प्रकार की चिंता, क्रोध या शोक नहीं करना चाहिए। भोजन से पहले हाथ और सोने से पहले पैर धोना तथा दोनों वक्त मुँह साफ करना हितकारी होता है।
- यदि आप मुफ्त में स्वस्थ और चुस्त बने रहना चाहते हैं तो आपको तीन काम करना चाहिए। पहला तो प्रात: जल्दी उठकर वायु सेवन के लिए लम्बी सैर के लिए जाना और दूसरा ठीक वक्त पर खूब अच्छी तरह चबा-चबाकर खाना तथा तीसरा दोनों वक्त शौच अवश्य जाना।
- बीमारी की अवस्था में, बीमारी से मुक्त होने के बाद, भोजन करने के बाद, परिश्रम या यात्रा से थके होने पर प्रात:काल तथा सूर्यास्त के समय और उपवास करते समय विषय भोग करना बहुत हानिकारक होता है।
- यदि आप सुख चाहते हैं तो दु:ख देने वाला काम न करें, यदि आप आनंद चाहते हैं तो स्वास्थ्य की रक्षा करें। यदि आप स्वास्थ्य चाहते हैं तो व्यायाम और पथ्य का सेवन करें। संसार के सब सुख स्वस्थ व्यक्ति ही भोग सकता है। कहा भी गया है- पहला सुख निरोगी काया।

हेल्थ प्लस

अब दाँत फिर से उगने लगेंगे

एक बार दाँत टूट जाने के बाद फिर से नकली दाँत लगवाने पड़ते हैं, लेकिन निकट भविष्य में 'डेंटल केयर एंड क्योर' के क्षेत्र में क्रांति आने वाली है।

भविष्य में की जाने वाली डेंटल सर्जरी के तरह दर्दरहित इंजेक्शनों और 'फिलिंग्स' का इस्तेमाल किया जाने लगेगा, जिसकी वजह से दाँत फिर से जीवित होकर खुद-ब-खुद काम करने लगेंगे या फिर से पूरा का पूरा दाँत नया निकल आएगा।

'अमेरिकन डेंटल एसोसिएशन' ने हाल ही में कम्प्यूटर से कंट्रोल होने वाले पहले 'एनेस थेटिक इंजेक्शनों' को लगाने की क्रिया का प्रदर्शन किया। ये इंजेक्शन बहुत ही धीमी गति से लगाए जाते हैं, ताकि दर्द बिल्कुल न हो।

अमेरिकी वैज्ञानिक एक ऐसी प्रक्रिया भी विकसित करने में जुटे हैं जो दाँतों के लिए कोई ऐसी स्थिति बनाने में मदद करेगी कि दाँत फिर से उग सकें, चाहे मरीज उम्रदराज ही क्यों न हो।

यूनिवर्सिटी ऑफ टेक्सास की मेरी मैकडोगल का कहना है कि दाँत फिर से उगने की कुदरती कूवत रखता है। शोधकर्ता जो आविष्कार कर रहे हैं, उन्हें आम लोगों तक पहुँचने में दशकों का वक्त लग सकता है, लेकिन इसका बहुत बड़ा फायदा लोगों को भविष्य में जरूर मिलेगा।

सोयाबीन कोलेस्ट्रॉल को कम करता है

अनेक बार हो चुके अध्ययनों से यह बात पता चली है कि सोयाबीन को भोजन में नियमित रूप से शामिल किया जाए तो शरीर में कोलेस्ट्रॉल लगभग 34 प्रतिशत घट जाता है।

सोयाबीन में पाया जाने वाला 'फाइटोइस्ट्रोजेन' (पौधों में पाया जाने वाला प्राकृतिक एस्ट्रोजेन) स्तन कैंसर के खतरों को कम करने में भी मददगार साबित होता है।

सोयाबीन के फाइटो इस्ट्रोजन को 'आइसो फ्लावॉन्स' के नाम से जाना जाता है। यह शरीर के प्राकृतिक एस्ट्रोजेन में रुकावट पैदा करके स्तन कैंसर के खतरे को कम करता है। साथ ही साथ मेनोपॉज के बाद महिलाओं में होने वाले 'हॉट फ्लैशेज' में भी कमी लाता है।

इतना ही नहीं, यह केमिकल कैंसर ग्रस्त गाँठ को पोषण देने वाली रक्त-वाहिनियों की वृद्धि को भी रोकता है। सोयाबीन खाने का सबसे सरल तरीका है गेहूँ के आटे में सोयाबीन का आटा मिलाकर चपातियाँ बनाना, पुलाव या बिरयानी में सोयाबीन को शामिल करना और सब्जियों के साथ सोयाबीन को पकाना।

फल खाओ, स्वस्थ रहो

जो लोग फल-तरकारियाँ नहीं खाते और सोचते हैं कि विटामिन की गोलियाँ खा लेने से आहार की कमियाँ पूरी हो जाएँगी, गलत सोच रहे हैं। रंगीन फलों और सब्जियों में विशेष एंटीऑक्सीडेंट तत्व पाए जाते हैं, जो शरीर में ऑक्सीजन के हानिकारक प्रभाव को खत्म करता है।

पिज्जा-बर्गर खाकर रहने वाली पीढ़ी को तुष्ट करने के लिए डॉक्टर विटामिन की गोलियाँ लिख देते हैं जिनसे आहार में विटामिन ए, बीटाकैरोटीन और विटामिन ई की पूर्ति होने का तर्क होता है।

पिछले दिनों आहार विशेषज्ञों ने अलग से खाए जाने वाले एंटीऑक्सीडेंटों की समीक्षा की और पाया कि वे शरीर को कोई उल्लेखनीय फायदा नहीं पहुँचाते। चौंका देने वाला परिणाम तो यह है कि वे मौत की आशंका को ही बढ़ाते हैं। यहाँ-वहाँ से चुने (रेंडमाइज्ड) 67 मामलों के मेटर-विश्लेषण से पाया गया कि एंटीऑक्सीडेंट की सप्लीमेंट्री खुराक मृत्यु की आशंका को कम नहीं करती। इस नतीजे को 2 लाख लोगों से बातचीत कर प्राप्त की हुई जानकारी से बल मिला है।

समीक्षा करने वाले सह लेखक क्रिश्चियन ग्लड ने यह साबित कर दिया है कि इन विटामिनों का प्रभाव मरीजों को ऊपरी राहत देने से ज्यादा प्राणांतक है। समीक्षकों ने एंटीऑक्सीडेंट के बढ़-चढ़कर किए जाने वाले प्रयोग पर तुरंत पाबंदी लगाए जाने की माँग की है।

- मनुष्य के शरीर में भोजन को पूरी तरह पचने में 12 घंटे का समय लगता है।
- शार्क मछली में कैंसर से लड़ने की प्रतिरोधक क्षमता होती है।

लहसुन प्रतिदिन खाएँ

तेज गंध वाली लहसुन एक संजीवनी है जो कैंसर, एड्स और हृदय रोग के विरुद्ध सुरक्षा कवच बन सकती है।

'एनल्स ऑफ इंटरनल मेडिसिन' की एक रिपोर्ट के मुताबिक प्रति सप्ताह पाँच दाना कच्ची या पकी लहसुन खाने से कैंसर का खतरा 30 से 40 फीसदी कम हो जाता है। लहसुन में कैंसर से लड़ने की विलक्षण क्षमता है। लहसुन सेवन से कोलेस्ट्रॉल में 4 से 6 फीसदी गिरावट हो सकती है।

दूसरी ओर 'जर्नल ऑफ न्यूट्रीशन' के एक अध्ययन के मुताबिक लहसुन के सेवन से कोलेस्ट्रॉल में 10 फीसदी गिरावट आती है। कुछ लोग यह मानते रहे हैं कि लहसुन से कोलेस्ट्रॉल की मात्रा घटाने में ही सफलता मिलती है, जबकि सचाई यह है कि यह हृदय रोग से लड़ने में भी सक्षम है।

लहसुन के सेवन से रक्त में थक्का बनने की प्रवृत्ति बेहद कम हो जाती है, जिससे हृदयाघात का खतरा टलता है। लहसुन का सेवन उच्च रक्तचाप में भी काफी लाभदायक माना गया है।

लहसुन में एंटीबायोटिक दवाओं से अधिक गुण हैं, जिसकी वजह से वह रोगाणुओं का नाश करती है। यही कारण है कि घाव धोने के लिए लहसुन के एक भाग रस में तीन भाग पानी मिलाकर काम में लिया जाता है।

जिनके शरीर में रक्त की कमी है, उन्हें लहसुन का सेवन अवश्य करना चाहिए, इसमें पर्याप्त मात्रा में लौह तत्व होता है जो कि रक्त निर्माण में सहायक होता है। लहसुन में विटामिन सी होने से यह स्कर्वी रोग से भी बचाता है।

यह आँतों के छिपे मल को भी बाहर निकाल देती है और कब्ज से मुक्ति दिलाती है। लहसुन का इस्तेमाल जोड़ों के दर्द या गठिया में भी होता है तथा यह सूजन का भी नाश करती है। यदि काली खाँसी की शिकायत हो, तो लहसुन के रस की पाँच-पाँच बूंदें सुबह-शाम लेनी चाहिए।

टाईम पास

आज का राशिफल

मेष (चू चे चो ला ली लू ले लो आ)

लेन-देन में स्पष्टता बनाये रखें। घर के सदस्य मदद करेंगे और साथ ही आर्थिक बदहाली से भी मुक्ति मिलने लगेगी। कोई प्रिय वस्तु अथवा नवीन वस्त्राभूषण प्राप्त होंगे। व्यापार व व्यवसाय में स्थिति उत्तम रहेगी। पदोन्नति की संभावना है। राजकीय कार्यों से लाभ। पैतृक सम्पत्ति से लाभ। शुभांक-7-8-9

वृष (इ उ ए ओ वा वी वू वे वो)

आज की सुविधा कल नहीं मिल पायेगी, लाभ उठाएं। मित्रों से सावधान रहें तो ज्यादा उत्तम है। व्यापार में स्थिति नरम रहेगी। संतोष रखने से सफलता मिलेगी। नौकरी में स्थिति सामान्य ही रहेगी। चल-अचल सम्पति में वृद्धि होगी। शैक्षणिक क्षेत्र में उदासीनता रहेगी। स्वास्थ्य पर ध्यान दें। शुभांक-2-5-7

मिथुन (का की कू घ ङ छ के को हा)

अपना कार्य दूसरों के सहयोग से बना लेंगे। मित्रों की उपेक्षा करना ठीक नहीं रहेगा। नौकरी के क्षेत्र में कुछ उलझनें रहेगी। प्रतिष्ठा में वृद्धि व शिक्षा में परेशानी आ सकती है। स्वास्थ्य का विशेष ध्यान रखें। व्यापार में वृद्धि होगी। शत्रुपक्ष पर आप हावी रहेंगे। मेहमानों का आगमन होगा। शुभांक-6-7-9

कर्क (ही हू हे हो डा डी डू डे डो)

श्रेष्ठजनों की सहानुभूति मिलेगी। कारोबारी यात्रा सफल होगी। अच्छे कार्य के लिए रास्ते बना लेंगे। बुद्धि, बल व पराक्रम सफल होगा। व्यापार में वृद्धि व लाभ मिलेगा। कार्यक्षेत्र में संतोषजनक सफलता मिलेगी। आर्थिक हित के काम को साधने में मदद मिल जाएगी। शुभांक-1-4-6

सिंह (मा मी मू मे मो टा टी टू टे)

अपने काम को प्राथमिकता से करें। धार्मिक आस्थाएं फलीभूत होंगी। लाभ होगा और पुराने मित्रों से समागम भी होगा। अपने काम पर पैनी नजर रखिए। स्वभाव में सौम्यता आपकी मदद करेगी। जीवन साथी से संबंधों में मिठास बढ़ेगी। परिस्थिति सभी का सहयोग मिलेगा। शुभांक-5-7-9

कन्या (टो पा पी पू ष ण ठ पे पो)

समय नकारात्मक परिणाम देने वाला बन रहा है। दिमाग में निर्मूल तर्क पैदा होंगे। पर प्रपंच में ना पड़कर अपने काम पर ध्यान दीजिए। नौकरी में सावधानीपूर्वक कार्य करें। विरोधियों के सक्रिय होने की संभावना है। कारोबारी यात्रा को फिलहाल टालें। कारोबारी काम में बाधा बनी रहेगी। स्वास्थ रनरम रहेगा। शुभांक-5-7-9

तुला (रा री रु रे रो ता ती तू ते)

जो चल रहा है उसे सावधानीपूर्वक संभालें। मायूस न हो समय चक्र है। कारोबारी काम में बाधा उभरने से मानसिक अशांति बनी रहेगी। शत्रुभय, चिंता, संतान को कष्ट, अपव्यय के कारण बनेंगे। कार्यक्षेत्र में आगे बढ़ने में रुकावट का एहसास होगा। पारिवारिक परेशानी बढ़ेगी। धन के लेन-देन में सतर्क रहें। शुभांक-2-5-7

वृश्चिक (तो ना नी नू ने नो य यी यू)

परिवार में मांगलिक कार्यों का आयोजन होगा। वैवाहिक जीवन में प्रेम-प्रीति बढ़ेगी। जीवन साथी से संबंधों में मिठास बढ़ेगी। राजकीय सम्मान प्राप्त होने के योग हैं। शांतिपूर्वक कार्य करें, जान है तो जहान है अत: वाहन आदि चलाने में सावधानी बरतें। अपना कार्य स्वयं करें, किसी के भरोसे न रहें। शुभांक-1-5-9

धनु (ये यो भा भी भू धा फा ढा भे)

मेल-मिलाप भविष्य में लाभदायक सिद्ध होगा। स्वयं पर विश्वास कार्यों की सिद्धि है। घर तथा व्यावसाय को एक-दूसरे से दूर ही रखें। व्यापारिक संबंधों में प्रगति के योग हैं। कार्य स्थल पर नियमपूर्वक व्यवहार लाभकारी होगा। कोई प्रिय वस्तु अथवा नवीन वस्त्राभूषण प्राप्त होंगे। शुभांक-3-5-7

मकर (भे जा जी खी खू खे खो गा गी)

धन के लेन-देन में सतर्क रहें। बातचीत में संयम बरतें। मन में चंचलता बढ़ेगी। भावुकतावश निर्णय न लें। कर्ज देने से बचें। मानसिक व्यथा व संतान के कारण परेशानी होगी। कला क्षेत्र के जातकों को मेहनत के बाद सफलता मिलेगी। कारोबारी यात्रा को फिलहाल टालें। शुभांक-4-6-8

कुंभ (गू गे गो सा सी सू से सो दा)

सरकारी पक्ष से पूर्ण सहयोग प्राप्त होगा। विद्यार्थियों के लिए समय अनुकूल रहेगा। स्वास्थ्य पर ध्यान दें। आर्थिक मजबूती हेतु मन केन्द्रित होगा। मिल रहे अवसरों का लाभ उठाएं। आर्थिक योजनाएं फलित होंगी। स्त्री, संतान, मित्र के साथ मनोविनोद बढ़ेगे। बकाया धन की प्राप्ति के योग हैं। शुभांक-4-7-8

मीन (दी दू थ झ ञ दे दो चा ची)

उत्साह में वृद्धि होगी। आलस्य का त्याग करें। नये आय के स्त्रोत बनेंगे। पद-प्रतिष्ठा बढ़ाने के लिए कुछ सामाजिक कार्य संपन्न होंगे। पसंदीदा भोज्य पदार्थों की प्राप्ति होगी। लम्बे प्रवास व चुनौती पूर्ण कार्यों का सामना हो सकता हैं। व्यवसायिक क्षेत्र में आपकी मेहनत व लगन की परीक्षा होगी। शुभांक-1-4-6

काकुरो पहेली - 3855

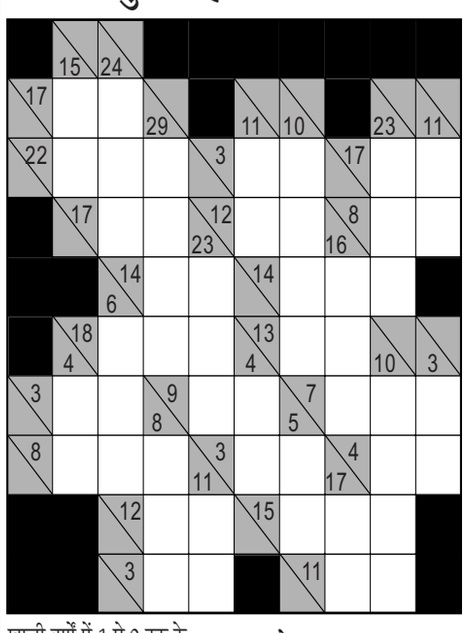

खाली वर्गों में 1 से 9 तक के अंक लिखकर नीचे से ऊपर व दाएं से बाएं की जोड़ हल्के रंग के आधे वर्ग की संख्या से मेल खानी चाहिए.किसी भी अंक का उस जोड़ में पुनः उपयोग नहीं किया जा सकता.

उदाहरणतः

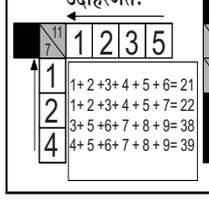

काकुरो - 3854 का हल

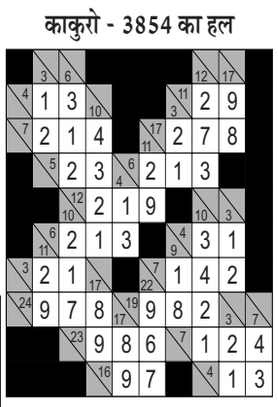

हंसी के फव्वारें

मालकिन ने नई नौकरानी से पूछा- 'देखो ! मैं ज्यादा बातचीत नहीं करती. अगर मैं अंगुली से इशारा करूँ तो समझ लो कि मैं बुला रही हूँ.'

इस पर नौकरानी बोली- 'जी ! मैं भी बहुत कम बोलना पसन्द करती हूँ. अगर मैं अपना सिर हिला दूं तो समझ जाइये कि मैं नहीं आ सकती.'

□ □ □

जेल की एक कोठरी में बैठे तीन कैदी बता रहे थे कि वे क्यों पकड़कर बन्द कर दिये गए ?

पहला- 'मै चुनाव में राजनारायण के पास में काम कर रहा था !'

दूसरा- 'और मैं राजनारायण के खिलाफ काम कर रहा था !'

तीसरा- 'राजनारायण मैं खुद हूँ.'

□ □ □

प्रेमिका बोली, ''मैं किसी ऐसे व्यक्ति के साथ विवाह न करूंगी जो झूठ बोलता हो.''

प्रेमी बोला, ''तब तो तुम सारा जीवन कुंवारी रहोगी.''

□ □ □

मंत्री जी ने अस्पताल के नवनिर्मित ऑपरेशन थिएटर का उद्घाटन करते हुए अपने भाषण में कहा—''भाइयों, ऑपरेशन थिएटर का निर्माण एक अच्छी बात है. इतने बड़े अस्पताल में रोगियों के मनोरंजन के लिए उनका अपना थिएटर होना बहुत जरूरी है.''

फिल्म वर्ग पहेली- 3855

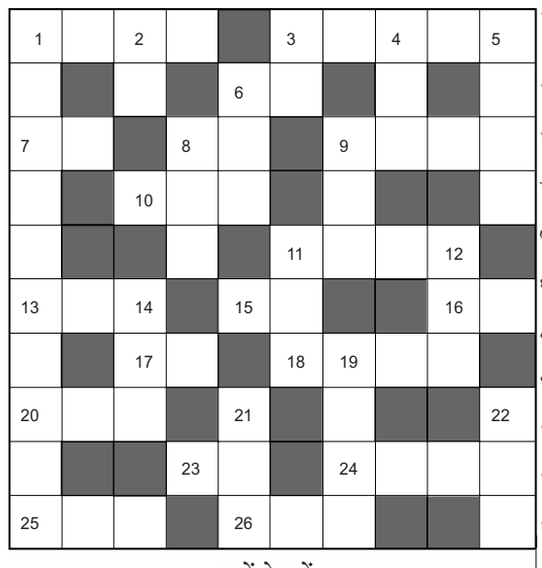

बायें से दायें:-

१. इमरान हाशमी, दीपल शॉ की 'क्योंकि इतना प्यार' गीत वाली फिल्म-४
३. 'सौ दर्द हैं सौ राहतें' गीत वाली प्रीती, सलमान, अक्षय की फिल्म-२,१,२
६. आमिर खान, माधुरी दीक्षित की 'हम प्यार करने वाले' गीत वाली फिल्म-२
७. 'आजा गुफाओं में' गीत वाली अमिताभ, मनोज की फिल्म-२
८. मोहित अहलावत, निशा की 'धीमी धीमी सी जिंदगी' गीतवाली फिल्म-२
९. 'ये मुलाकात एक बहाना है' गीत वाली जीतेंद्र, सुलक्षणा की फिल्म-४
१०. अनिलकपूर, स्मिता की 'आसमान छत हो मेरी' गीत वाली फिल्म-३
११. 'एक था बचपन' गीत वाली अशोक कुमार, संजीव, सुमिता की फिल्म-४
१३. सनी, मीनाक्षी शेशाद्रि की 'गवाह हैं चाँद तारे' गीत वाली फिल्म-३
१५. 'सारे मोहल्ले में हल्ला' गीत वाली सुनील शेट्टी, पूजा बत्रा की फिल्म-२
१६. नसीर, जैकी, शिल्पा, की 'लड़का लड़की से' गीत वाली फिल्म-२
१७. 'मैं ऐसा क्यों हूँ' गीत वाली अमिताभ, ऋतिक की फिल्म-२
१८. जीतेंद्र, लीना की 'दुनिया ने मुझको समझा नाकारा' गीत वाली फिल्म-४
२०. 'मिली तेरे प्यार की छाँव' गीत वाली अनिलकपूर, पूनम की फिल्म-३
२३. संजयदत्त, उर्मिला की 'ये जान ले ले रे' गीत वाली फिल्म-२
२४. 'प्यार मुझसे जो किया' गीत वाली फारूख शेख, दीप्ति की फिल्म-२,२
२५. अमिताभ, हेमा मालिनी की 'दुल्हा दुल्हन की जोड़ी' गीत वाली फिल्म-३
२६. 'चोरी चोरी जब नजरें मिली' गीत वाली बॉबी देओल, नेहा की फिल्म-३

ऊपर से नीचे:-

१. 'मितवा, कहे धड़कने तुझसे' गीत वाली अमिताभ, शाहरूख, जॉन, अभिषेक, काजोल की फिल्म-२,४,१,३
२. अजय, अभिषेक, रानी, करीना, 'कभी नीम नीम कभी शहद शहद' गीत वाली फिल्म-२
३. 'एक लड़की बस गई' गीत वाली सनी देओल, तब्बू, रीमा सेन की फिल्म-२
४. राहुल खन्ना, जॉन, मिथुन, लारा, अमीषा की 'बेचैन मेरा दिल' गीत वाली फिल्म-३
५. 'कश पे कश लगाने दे' गीत वाली शरदकुमार, नंदा की फिल्म-२,२
६. ऋषि कपूर, शाहरूख, दिव्या की 'ऐसी दीवानगी देखी नहीं' गीत वाली फिल्म-३
८. 'तुम्हारे प्यार में' गीत वाली धर्मेन्द्र, संजीव कुमार, आशा की फिल्म-३
९. नाना, सलमान, मनीषा, सीमा की 'आज मैं ऊपर आसमां नीचे' गीत वाली फिल्म-३
११. 'मेरी बन्नो की आएगी' गीत वाली जैकी, जूही, अमृतासिंह की फिल्म-३
१२. अक्षय खन्ना, सोनाली बेंद्रे की 'सावन बरसे तरसे दिल' गीत वाली फिल्म-३
१४. फिल्म 'दूध का कर्ज' में जैकी श्रॉफ के साथ नायिका कौन थी ?-३
१९. जैकी श्रॉफ मोहसिन खान, नीलम की 'दे दो दे दो मुझे दिल' गीत वाली फिल्म-४
२१. 'रहने को घर नहीं है' गीत वाली संजय दत्त, पूजा भट्ट की फिल्म-३
२२. गिरीश कर्नाड, स्मिता पाटिल की 'म्हारे गाँव काथिया पारे' गीत वाली श्याम बेनेगल निर्देशित फिल्म-३

फिल्म वर्ग पहेली- 3854

म	र्या	दा		ब	व	ड	र		औ
हा		दी	वा	ना		र	ख	वा	ला
न	ई	माँ		र	क्त		वा		द
	श्व		द	स		पा	ले	खाँ	
स	र	ग	म		खा	की			ध
ड़		द		श		जा	न	व	र
क	श्मी	र	की	क	ली		क्शा		ती
			म		ला	ख		ना	
इ	जा	ज	त			मो	ह	श	
श्क		ख्मी		त	ला	शी		ज	ख्म

सूडोकु -3855

		2				1		
				2	5	7	3	
	9	4		6	7			2
	5		4		3			9
	8			9			7	
1			6		8		2	
6			7	4		9	5	
	4	5	8	3				
		8				6		

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते.
- पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकु -3854 का हल

9	1	6	2	3	7	4	5	8
8	2	3	4	5	9	1	7	6
4	5	7	1	6	8	3	9	2
5	6	8	7	1	2	9	3	4
1	7	4	9	8	3	2	6	5
2	3	9	5	4	6	8	1	7
7	4	1	8	9	5	6	2	3
3	8	5	6	2	1	7	4	9
6	9	2	3	7	4	5	8	1

शब्द पहेली - 3855

बाएँ से दाएँ

1. अत्यावश्यक-6
5. कारागार,जेल-4
8. पानी,नीर-2
9. मीन,मत्स्य-3
10. लक्ष्मी,कमला-2
11. कलाकार,फनकार-4
12. मर्द,मादा का विलोम-2
14. हसरत,मुराद-4
15. कैद में,अवरुद्ध,रुका-2
17. भूमि,धरती-3
19. मतवासा,मदहोश-4
21. फिल्मी दुनिया-3,3
24. दुर्भाग्यशाली-5
27. ठोकर लगना,भिड़ना-4
29. दौंडी पीटना-3
31. सांप,सर्प-2
32. दाल-4
33. हूर,अप्सरा-2
35. गाड़ी चलाने वाला-4
36. पिता का छोटा भाई-2
38. पुत्र,बेटा-3
39. टौंटी,नलका-2
40. ललचाना,तड़फाना-4
41. टाऊन हाल, नागरिक भवन-2,4

ऊपर से नीचे

1. ईश्वर,अनश्वर-3,3
2. तेलहन-2
3. सुखद वस्तु, वर देना-4
4. करधनी,कमर पेटी-5
5. गलीचा-3
6. दिन-2
7. समस्या का हल-4
11. धरोहर,थाती-4
13. मिट्टी,धूल-2
16. चमकना-4
18. वायुसेना का एक विमान-3
19. इतराना-4
20. परत-2
22. जाप करना-3
23. किवाड़,द्वार-2
25. उदाहरणतः-4
26. परवरिश-3,3
28. राग छेड़ना-5
29. भेंट,मेल-मिलाप-4
30. दिया,दीपक-2
32. औषधालय, दवाखाना-4
34. खाली होना-3
37. छोटी सवारी गाड़ी-2
39. नया,नवीन-2

शब्द पहेली -3854 का हल

	बि	रा	द	री		ज	य	मा	ला	
बि	ल		श		का	य	म		श	व
रा		म	ह	क	ना		ज	रा		र्त
द्र	र	द	रा			सा		ग	रि	मा
र		हो		ब	सु	ध	र		या	न
	कु	श	ल		दा		जा	य	ज	
मि	ली		क	रा	मा	त		म		अ
ला	न	त		त			प	रा	धी	न
ब		ल	ता		अ	च	र	ज		ब
ट	ब		ली	न	ता		र्त		मी	न
	स	ला	म	त		मि	त्र	व	त	

शेयर बाजार तेजी के साथ बंद

सेंसेक्स 918, निफ्टी 275 अंक ऊपर आया

मुंबई ।

भारतीय शेयर बाजार शुक्रवार को तेजी के साथ बंद हुआ। सप्ताह के अंतिम कारोबारी दिन दुनिया भर से मिले अच्छे संकेतों के साथ ही खरीदारी हावी होने से बाजार में ये तेजी आई है। दिन भर के कारोबार के बाद 30 शेयरों पर आधारित बीएसई सेंसेक्स 918.60 अंक बढ़कर 77,550.25 जबकि 50 शेयरों वाला एनएसई निफ्टी 275.50 अंक उछलकर 1.10 24,050.60 पर बंद हुआ। बाजार में बढ़त ऑटो स्टॉक्स में तेजी से आई है। इस कारण निफ्टी ऑटो में सबसे अधिक 2.85 फीसदी की तेजी रही जबकि निफ्टी रियल्टी में 2.08 फीसदी और निफ्टी फाइनेंशियल सर्विसेज में 2.06 फीसदी, निफ्टी पीएसयू बैंक 2.01 फीसदी, निफ्टी की तेजी के साथ बंद हुआ। सूचकांकों में केवल निफ्टी आईटी ही 1.91 फीसदी गिरावट पर बंद हुआ।

आज लार्जकैप के साथ ही मिडकैप और स्मॉलकैप शेयरों में भी उछाल आया। निफ्टी मिडकैप 100 इंडेक्स 865.20 अंक बढ़कर 57,843.95 और निफ्टी स्मॉलकैप 100 इंडेक्स 274.10 अंक ऊपर आकर 16,840.10 पर बंद हुआ। सेंसेक्स पैक में एशियन पेंट्स, आईसीआईसीआई बैंक, एमएंडएम, इंडिगो, एसबीआई, एक्सिस बैंक, बजाज फाइनेंस, बजाज फिनसर्व, अदाणी पोर्ट्स, ट्रेंट, एचडीएफसी बैंक, एलएंडटी, एचयूएल, पावर ग्रिड, टाइटन, अल्ट्राटेक सीमेंट, मारुति सुजुकी, कोटक महिंद्रा बैंक, टाटा स्टील, बीईएल और एनटीपीसी के शेयर लाभ में रहे थे जबकि सन फार्मा, इन्फोसिस, टीसीएस, टेक महिंद्रा और एचसीएल टेक के शेयर गिरे हैं।

इससे पहले आज सुबह बाजार की मजबूती के साथ शुरुआत हुई। सेंसेक्स 77,198 अंक पर खुला। शुरुआती कारोबार में यह 577.35 अंक की बढ़त के साथ 77,209 के स्तर पर पहुंच गया। इसी तरह निफ्टी 50 भी मजबूती के साथ 23,880 पर खुला। एशियाई बाजारों से मिले सकारात्मक संकेतों ने भी बाजार को सपोर्ट दिया। हालांकि, वैश्विक स्तर पर यूएस-ईरान तनाव अभी भी चिंता का विषय बना हुआ है। इस कारण निवेशक पूरी तरह

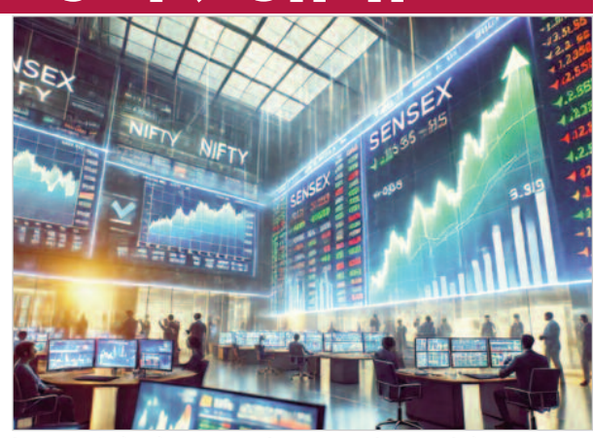

बेफिक्र नहीं हैं और सतर्कता के साथ निवेश कर रहे हैं।

रुपया गिरावट पर बंद

मुंबई । अमेरिकी डॉलर के मुकाबले भारतीय रुपया शुक्रवार को 35 पैसे की गिरावट के साथ ही 92.85 पर बंद हुआ। आज सुबह रुपया 10 पैसे की तेज होकर 92.41 प्रति डॉलर पर पहुंच गया। वहीं अंतरबैंक विदेशी मुद्रा विनिमय बाजार में रुपया, अमेरिकी डॉलर के मुकाबले 92.58 पर खुला। फिर शुरुआती कारोबार में 92.41 प्रति डॉलर पर पहुंच गया जो पिछले बंद भाव से 10 पैसे की बढ़त दिखाता है। रुपया गुरुवार को तीन पैसे की मामूली बढ़त के साथ अमेरिकी डॉलर के मुकाबले 92.51 पर बंद हुआ था। इस बीच छह प्रमुख मुद्राओं के मुकाबले अमेरिकी डॉलर की स्थिति को दिखाने वाला डॉलर सूचकांक 0.07 फीसदी की बढ़त के साथ 98.69 पर रहा।

इंदौर व्यापार महोत्सव में साबु ट्रेड करेगा न्यूट्रीदाना का प्री-लॉन्च

स्टाल नंबर 7 पर मिलेगा शुद्धता और स्वाद का संगम

इंदौर ।

इंदौर में माहेश्वरी समाज द्वारा आयोजित दो दिवसीय व्यापार महोत्सव में देश की प्रतिष्ठित खाद्य उत्पाद कंपनी साबु ट्रेड प्राइवेट लिमिटेड, सेलम अपनी विशेष उपस्थिति दर्ज कराने जा रही है। 11 और 12 अप्रैल को आयोजित होने वाले इस महोत्सव में कंपनी न केवल अपने लोकप्रिय उत्पादों का प्रदर्शन करेगी, बल्कि अपने आगामी इनोवेटिव उत्पाद सच्चासाबु न्यूट्रीदाना की पहली झलक भी पेश करेगी।

एडीबी ने भारत की विकास दर 6.9 फीसदी रहने का अनुमान लगाया

– घरेलू मांग और आसान वित्तीय परिस्थितियों से वृद्धि मजबूत रहने की उम्मीद

नई दिल्ली ।

एशियाई विकास बैंक (एडीबी) ने चालू वित्त वर्ष 2026-27 में भारत की आर्थिक वृद्धि दर 6.9 प्रतिशत रहने का अनुमान जताया है। बैंक के अनुसार मजबूत घरेलू मांग और आसान वित्तपोषण परिस्थितियां अर्थव्यवस्था को सहारा देंगी। एशियन डेवलपमेंट आउटलुक रिपोर्ट में कहा गया है

कि भारतीय वस्तुओं पर अमेरिका के कम शुल्क और निवेश माहौल में सुधार से भी वृद्धि को समर्थन मिलेगा। वहीं 2027 -28 में जीडीपी ग्रोथ बढ़कर 7.3 प्रतिशत तक पहुंच सकती है। रिपोर्ट में चेतावनी दी गई है कि पश्चिम एशिया में लंबे समय तक संघर्ष जारी रहने से ऊर्जा कीमतों में वृद्धि, व्यापार बाधाएं और रेमिटेंस में कमी के जरिए भारत की अर्थव्यवस्था पर नकारात्मक असर पड़ सकता है। एडीबी ने अनुमान लगाया है कि मुद्रास्फीति 2025-26 के 2.1 प्रतिशत से बढ़कर 2026-27 में 4.5 प्रतिशत हो सकती है, जिसका कारण तेल कीमतों में वृद्धि, मुद्रा में कमजोरी और खाद्य वस्तुओं की कीमतों में उतार-चढ़ाव है।

हालांकि 2027-28 में तेल कीमतों में नरमी से मुद्रास्फीति घटकर लगभग 4 प्रतिशत रहने की संभावना है। रिपोर्ट के अनुसार घरेलू सुधार, यूरोपीय संघ के साथ व्यापार समझौते और सरकारी वेतन वृद्धि भविष्य में आर्थिक विकास को और गति दे सकते हैं।

भारत एकीकृत सामाजिक सुरक्षा ढांचा अपनाए, बढ़ेगी दक्षता और घटेगा लाभों का दोहराव एडीबी

– पेंशन, स्वास्थ्य बीमा और दिव्यांगता लाभों को जोड़ने से बेहतर लक्ष्यीकरण और कम होगा राजकोषीय बोझ

नई दिल्ली ।

एशियाई विकास बैंक (एडीबी) ने भारत को सलाह दी है कि वह अपनी सामाजिक सुरक्षा प्रणाली को अधिक प्रभावी बनाने के लिए एकीकृत सामाजिक सुरक्षा ढांचा अपनाए। इससे न केवल योजनाओं में दोहराव कम होगा, बल्कि लाभार्थियों तक सहायता बेहतर तरीके से पहुंच सकेगी और सरकारी खर्च अधिक संतुलित होगा। एडीबी ने अपनी एशिया डेवलपमेंट आउटलुक रिपोर्ट में भारत की सामाजिक सुरक्षा व्यवस्था को और मजबूत बनाने के लिए कई महत्वपूर्ण सुझाव दिए हैं। बैंक ने कहा है कि भारत को एक एकीकृत सामाजिक सुरक्षा ढांचा अपनाना चाहिए, जिससे विभिन्न योजनाओं के बीच समन्वय बढ़े और संसाधनों का बेहतर उपयोग हो सके। रिपोर्ट के अनुसार वर्तमान में केंद्र और राज्य सरकारों की कई योजनाएं समान लाभार्थी समूहों को कवर करती हैं, लेकिन इनके बीच समन्वय सीमित है। इसके कारण कई बार एक ही व्यक्ति या परिवार को अलग-अलग योजनाओं से समान प्रकार के लाभ मिल जाते हैं, जिसे ÷लाभों का दोहराव÷ कहा जाता है। एडीबी ने सुझाव दिया कि पेंशन, स्वास्थ्य बीमा और दिव्यांगता कवरेज जैसी प्रमुख सामाजिक सुरक्षा योजनाओं को एक साझा ढांचे में जोड़ा जाए। इसमें अंशदायी योजनाओं को भी शामिल किया जा सकता है, जिससे लाभ वितरण अधिक व्यवस्थित और लक्षित हो सके। रिपोर्ट में यह भी कहा गया कि सामाजिक सुरक्षा की जरूरतें राज्यों की जनसंख्या संरचना, रोजगार पैटर्न और वित्तीय क्षमता के अनुसार अलग-अलग होती हैं।

इसलिए एकीकृत ढांचा राज्यों को अपनी आवश्यकताओं के अनुसार लचीलापन देगा। मनीला स्थित इस बहुपक्षीय संस्था ने यह भी बताया कि इस सुधार से सरकारें सामाजिक सुरक्षा योजनाओं की सुरक्षा भूमिका को बनाए रखते हुए राजकोषीय लागत को नियंत्रित कर सकेंगी। इससे बचने वाले संसाधनों को बुनियादी ढांचे और मानव पूंजी जैसे क्षेत्रों में लगाया जा सकता है, जो दीर्घकालिक आर्थिक विकास के लिए जरूरी हैं। एडीबी ने प्रत्यक्ष लाभ अंतरण प्रणाली को और मजबूत करने की भी सिफारिश की है, ताकि सत्यापित लाभार्थियों तक ही सहायता पहुंचे और अनावश्यक दोहराव कम हो। इसके अलावा रिपोर्ट में उपभोग आधारित सब्सिडी से हटकर निवेश आधारित सहायता पर जोर दिया गया है। उदाहरण के लिए, मुफ्त बिजली की जगह घरों में सौर ऊर्जा अपनाने को बढ़ावा देना, जिससे सरकारी खर्च कम होगा और परिवारों की आर्थिक स्थिरता बढ़ेगी।

अमेरिका जाएगा भारतीय प्रतिनिधिमंडल, व्यापार समझौते की संभावना

अंतरिम ट्रेड डील को अंतिम रूप देने की तैयारी, 500 अरब डॉलर व्यापार लक्ष्य पर फोकस

नई दिल्ली ।

भारत और अमेरिका के बीच प्रस्तावित अंतरिम व्यापार समझौते को आगे बढ़ाने के लिए इस महीने के अंत में भारतीय प्रतिनिधिमंडल वाशिंगटन का दौरा करेगा। दोनों देशों के बीच व्यापारिक सहयोग को मजबूत करने की दिशा में यह अहम कदम माना जा रहा है। भारत और अमेरिका ने फरवरी में एक अंतरिम व्यापार समझौते के ढांचे की घोषणा की थी, जिसका उद्देश्य आपसी व्यापार बढ़ाना, बाजार पहुंच को आसान बनाना और आपूर्ति श्रृंखलाओं को मजबूत करना है। अब इस समझौते को आगे बढ़ाने के लिए दोनों देशों के बीच उच्च स्तरीय वार्ता की तैयारी है। भारत में अमेरिका के राजदूत सर्जियो गोर इस समय अमेरिका की यात्रा पर हैं। उन्होंने अमेरिकी व्यापार प्रतिनिधि जेमिसन ग्रीर से मुलाकात की। इस दौरान उन्होंने कहा कि वह इस महीने के अंत में वाशिंगटन पहुंचने वाले भारतीय प्रतिनिधिमंडल का स्वागत करने और प्रस्तावित व्यापार समझौते पर चर्चा करने के लिए उत्सुक हैं। यह बैठक ऐसे समय में हुई है जब एक दिन पहले ही विदेश सचिव विक्रम मिसरी ने वाशिंगटन में 'भारत-अमेरिका व्यापार सुविधा पोर्टल' की शुरुआत की। दोनों देश आपसी व्यापार को 500 अरब डॉलर के लक्ष्य तक पहुंचाने की दिशा में काम कर रहे हैं। इससे पहले गोर ने अमेरिका में भारत के राजदूत विनय मोहन क्वात्रा से भी मुलाकात की थी। क्वात्रा ने कहा था कि दोनों पक्ष अपने नेताओं द्वारा तय किए गए रणनीतिक संबंधों के लक्ष्यों को प्राप्त करने के लिए ठोस प्रयास कर रहे हैं।

व्यापार समझौते को अंतिम रूप देने के उद्देश्य से चर्चा के लिए दोनों देशों के प्रतिनिधियों के बीच आमने-सामने की यह पहली बैठक होगी। यह बैठक पहले ही होनी थी, लेकिन दो महीने पहले अमेरिका के सुप्रीम कोर्ट के फैसले के बाद टैरिफ पर अनिश्चितता की स्थिति बन गई, जिस कारण भारतीय प्रतिनिधिमंडल की वाशिंगटन यात्रा टल गई थी।

आरबी आई डिजिटल भुगतान में सुरक्षा बढ़ाने नए नियम लागू करेगी

– बड़े लेनदेन में देरी से क्रेडिट, डिजिटल भुगतान को बंद करने का विकल्प

मुंबई ।

भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) ने डिजिटल भुगतान प्रणाली में बढ़ती धोखाधड़ी को रोकने के लिए कई नए और सख्त सुरक्षा उपायों का प्रस्ताव रखा है। इनमें बड़े लेनदेन में देरी से क्रेडिट, डिजिटल भुगतान को बंद करने का विकल्प और कमजोर वर्गों के लिए अतिरिक्त सुरक्षा शामिल है। केंद्रीय बैंक ने इस पर सुझाव और प्रतिक्रिया 8 मई तक मांगी है।` रिजर्व बैंक आफ इंडिया ने डिजिटल भुगतान प्रणाली में तेजी से बढ़ रही धोखाधड़ी पर चिंता जताते हुए एक चर्चा पत्र जारी किया है। इसमें ग्राहकों की सुरक्षा को मजबूत करने के लिए कई महत्वपूर्ण प्रस्ताव शामिल किए गए हैं। सबसे प्रमुख प्रस्ताव के अनुसार, 10,000 रुपये से अधिक के पुश पेमेंट लेनदेन पर राशि को तुरंत खाते में जमा करने के बजाय लगभग एक घंटे की देरी से क्रेडिट किया जाएगा। इस दौरान ग्राहक के पास ट्रांजैक्शन रद्द करने का विकल्प रहेगा। इससे फर्जी लेनदेन पर रोक लगाने में मदद मिलने की उम्मीद है। इसके अलावा आरबीआई ने ÷किल स्विच÷ प्रणाली का प्रस्ताव रखा है, जिसके तहत ग्राहक अपने सभी डिजिटल भुगतान विकल्पों को एक क्लिक में बंद कर सकेंगे। आवश्यकता पड़ने पर उचित प्रमाणीकरण के बाद ही इन्हें दोबारा चालू किया जा सकेगा। बैंक ने खाताधारकों को यह सुविधा देने का भी सुझाव दिया है कि वे अपने खाते में विभिन्न प्रकार के डिजिटल लेनदेन की सीमाएं तय कर सकें। साथ ही, संदिग्ध गतिविधियों को रोकने के लिए कुछ खातों में क्रेडिट सीमा लगाने का भी प्रस्ताव है, ताकि म्यूल अकाउंट जैसी धोखाधड़ी पर रोक लग सके। 70 वर्ष और उससे अधिक आयु के नागरिकों तथा दिव्यांग व्यक्तियों के लिए अतिरिक्त सुरक्षा का भी प्रावधान सुझाया गया है। इनके बड़े डिजिटल लेनदेन के लिए किसी भरोसेमंद व्यक्ति द्वारा अतिरिक्त

अनुमति की आवश्यकता हो सकती है। आरबीआई ने यह भी बताया कि डिजिटल भुगतान धोखाधड़ी के मामले तेजी से बढ़ रहे हैं, 2025 में लगभग 28 लाख मामले दर्ज हुए, जिनमें हजारों करोड़ रुपये की धोखाधड़ी शामिल है।

आपूर्ति संकट और मध्य पूर्व तनाव से कच्चे तेल की कीमतों में तेजी

– होर्मुज जलडमरूमध्य में बाधा और अमेरिका-ईरान तनाव से ब्रेंट और डब्ल्यूटीआई में बढ़त

मुंबई ।

वैश्विक कच्चे तेल बाजार में शुक्रवार को फिर तेजी देखने को मिली, जब भू-राजनीतिक तनाव और आपूर्ति बाधाओं की आशंकाओं ने निवेशकों की चिंता बढ़ा दी। अमेरिका-ईरान सीजफायर को लेकर अनिश्चितता, मध्य पूर्व में सैन्य तनाव और प्रमुख समुद्री मार्गों पर जोखिम के कारण तेल की कीमतों में उछाल दर्ज किया गया। ब्रेंट क्रूड 1.13 प्रतिशत बढ़कर 97.01 डॉलर प्रति बैरल पर पहुंच गया, जबकि वेस्ट टेक्सास इंटरमीडिएट (डब्ल्यूटीआई) क्रूड 1.39 प्रतिशत चढ़कर 99.24 डॉलर प्रति बैरल पर ट्रेड करता नजर आया। भारत के मल्टी कमोडिटी एक्सचेंज पर भी असर दिखा, जहां 20 अप्रैल डिलीवरी वाला क्रूड ऑयल फ्यूचर्स करीब 2.43 प्रतिशत की बढ़त के साथ 9,150 रुपये प्रति बैरल पर पहुंच गया। बाजार में यह तेजी ऐसे समय आई है जब अमेरिका और ईरान के बीच सीजफायर को लेकर स्पष्टता नहीं है। मध्य पूर्व में तनाव बढ़ने के साथ-साथ सऊदी अरब के ऊर्जा ढांचे पर हमलों की आशंका और सप्लाई चेन बाधित होने के डर ने निवेशकों की चिंता बढ़ा दी है। सबसे बड़ा जोखिम स्ट्रेट आफ होर्मुज में देखा जा रहा है, जहां से वैश्विक तेल आपूर्ति का बड़ा हिस्सा गुजरता है। रिपोर्टों के अनुसार, इस महत्वपूर्ण समुद्री मार्ग से शिपिंग गतिविधियां सामान्य स्तर से काफी कम हो गई हैं, जिससे वैश्विक सप्लाई पर दबाव बना है। मध्य पूर्व में इज़रायल और लेबनान के बीच जारी तनाव ने भी स्थिति को और जटिल बना दिया है। वहीं, अमेरिका के पूर्व राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने चेतावनी दी है कि यदि सीजफायर की शर्तों का पालन नहीं हुआ तो सैन्य कार्रवाई की संभावना से इनकार नहीं किया जा सकता, हालांकि उन्होंने इसे कम संभावना वाला

बताया है। विश्लेषकों के अनुसार कुछ दिन पहले तेल कीमतों में करीब 20 प्रतिशत की गिरावट आई थी, लेकिन मौजूदा भू-राजनीतिक परिस्थितियों ने बाजार को फिर अस्थिर कर दिया है। ऐ शियन डेवलपमेंट बैंक ने भी कहा है कि जब तक तनाव कम नहीं होता, तब तक तेल की कीमतें ऊंची बनी रह सकती हैं, हालांकि दीर्घकाल में स्थिरता की उम्मीद की जा सकती है।

इक्विटी म्यूचुअल फंड में मार्च में निवेश 56 फीसदी बढ़कर 40,450 करोड़

- गोल्ड ईटीएफ में निवेश घटकर 2,266 करोड़ रुपये रह गया

नई दिल्ली ।

मार्च महीने में बाजार में उतार-चढ़ाव और भू-राजनीतिक तनाव के बावजूद निवेशकों का भरोसा शेयर आधारित म्यूचुअल फंडों में बना रहा। इक्विटी योजनाओं में शुद्ध निवेश में तेज वृद्धि दर्ज की गई है, जबकि डेट फंडों से भारी निकासी ने कुल उद्योग आंकड़ों को प्रभावित किया। मार्च महीने में भारतीय शेयर आधारित म्यूचुअल फंड योजनाओं में निवेशकों का भरोसा मजबूत बना रहा, जिससे शुद्ध निवेश 56 प्रतिशत बढ़कर 40,450 करोड़ रुपये तक पहुंच गया। फरवरी में यह आंकड़ा 25,978 करोड़ रुपये था। बाजार में उतार-चढ़ाव और वैश्विक भू-राजनीतिक तनाव के बावजूद इक्विटी योजनाओं में लगातार निवेश बढ़ा, जिसका मुख्य कारण फ्लेक्सी कैप, मिड कैप और स्मॉल कैप फंडों में भारी प्रवाह रहा। फ्लेक्सी कैप फंड में 10,000 करोड़ रुपये से अधिक का निवेश दर्ज किया गया, जबकि स्मॉल कैप में 6,263 करोड़ रुपये और मिड कैप में 6,063 करोड़ रुपये का निवेश हुआ। व्यवस्थित निवेश योजना यानी एसआईपी के माध्यम से भी निवेश बढ़कर 32,087 करोड़ रुपये हो गया, जो पिछले महीने से अधिक है। हालांकि ईएलएसएस श्रेणी में मामूली निकासी देखी गई। वहीं गोल्ड ईटीएफ में निवेश घटकर 2,266 करोड़ रुपये रह गया। दूसरी ओर डेट फंडों से भारी निकासी के कारण पूरे उद्योग में कुल 2.4 लाख करोड़ रुपये की शुद्ध निकासी दर्ज हुई, जिससे एयूएम घटकर 73.73 लाख करोड़ रुपये रह गया। यह प्रवृत्ति निवेश धारणा में बदलाव को दर्शाती है।

रियल एस्टेट दिवाला मामलों में परियोजना पूर्णता को प्राथमिकता देने की सिफारिश

- आईबीबीआई की विशेष समिति ने 155 सुझाव दिए, घर खरीदारों के हितों की सुरक्षा पर जोर

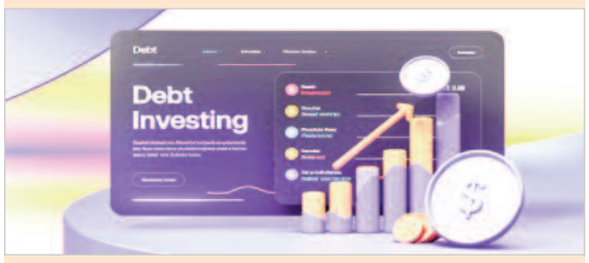

नई दिल्ली ।

रियल एस्टेट क्षेत्र के दिवाला मामलों के समाधान में अब वित्तीय वसूली की बजाय अटकी परियोजनाओं को पूरा करने पर अधिक ध्यान देने का सुझाव दिया गया है। रियल एस्टेट से जुड़े दिवाला मामलों में घर खरीदारों के हितों की सुरक्षा के लिए परियोजना-केंद्रित दृष्टिकोण अपनाने की सिफारिश की गई है। भारतीय दिवाला एवं ऋणशोधन अक्षमता बोर्ड (आईबीबीआई) द्वारा गठित एक विशेष समिति ने सुझाव दिया है कि ऐसे मामलों में पूरी कंपनी को दिवालिया घोषित करने के बजाय केवल अटकी हुई परियोजनाओं के समाधान पर ध्यान दिया जाए। समिति का मानना है कि इस क्षेत्र में खरीदारों की प्राथमिकता पैसा वापस पाने के बजाय अपने घर का निर्माण पूरा होना और कब्जा प्राप्त करना होती है। उच्चतम न्यायालय के निर्देश पर गठित इस समिति में कॉरपोरेट मामलों और आवास एवं शहरी मामलों के मंत्रालयों के प्रतिनिधि शामिल थे। समिति ने 55 प्रमुख मुद्दों की समीक्षा कर 155 सिफारिशें की हैं। इसमें आईबीसी और रेरा के बीच बेहतर समन्वय पर भी जोर दिया गया है ताकि परियोजनाएं समय पर पूरी हों और खरीदारों का भरोसा मजबूत हो सके।

गोदरेज प्रॉपर्टीज की बिक्री बुकिंग रिकॉर्ड स्तर पर

- कंपनी की बिक्री 16 प्र तिशत बढी, 34,171 करोड़ रुपये का आंकड़ा पार

नई दिल्ली।

रियल एस्टेट कंपनी गोदरेज प्रापर्टीज` लिमिटेड ने वित्त वर्ष 2025-26 में मजबूत आवासीय मांग के दम पर अब तक का सबसे बेहतर प्रदर्शन दर्ज किया है। कंपनी की बिक्री बुकिंग सालाना आधार पर 16 प्रतिशत बढ़कर रिकॉर्ड 34,171 करोड़ रुपये पर पहुंच गई। कंपनी ने शुक्रवार को शेयर बाजार को दी जानकारी में बताया कि इस दौरान उसने 32,500 करोड़ रुपये का लक्ष्य रखा था, जिसे उसने आसानी से पार कर लिया। इस अवधि में कुल 17,515 आवासीय इकाइयों की बिक्री हुई, जिनका संयुक्त क्षेत्रफल लगभग 2.7 करोड़ वर्ग फुट रहा। मात्रा के आधार पर बिक्री में भी सालाना 5 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की गई। कंपनी का यह अब तक का सबसे बड़ा वार्षिक बुकिंग मूल्य और वॉल्यूम बताया जा रहा है। कंपनी के एक वे रिष्ठ अे धिकारी के अनुसार यह प्रदर्शन भारत के प्रमुख महानगरों में मजबूत आवासीय मांग को दर्शाता है। कंपनी का फोकस भविष्य में भी परियोजनाओं के विस्तार और निवेश पर रहेगा।

रुपया 10 पैसे की बढ़त के साथ 92.41 प्रति डॉलर पर

- रुपया गुरुवार को डॉलर के मुकाबले 92.51 पर बंद हुआ था

मुंबई।

रुपया शुक्रवार को 10 पैसे मजबूत होकर 92.41 प्रति डॉलर पर पहुंच गया। विदेशी मुद्रा कारोबारियों ने बताया कि रुपये में कारोबार के दौरान भारी उतार-चढ़ाव देखने को मिल सकता है क्योंकि बैंकों को अपने ओवरनाइट पोजीशन को 10 करोड़ डॉलर तक सीमित करने के लिए केंद्रीय बैंक के निर्देशों की समय सीमा आज समाप्त हो रही है। अंतरबैंक विदेशी मुद्रा विनिमय बाजार में रुपया, अमेरिकी डॉलर के मुकाबले 92.58 पर खुला। फिर शुरुआती कारोबार में 92.41 प्रति डॉलर पर पहुंच गया जो पिछले बंद भाव से 10 पैसे की बढ़त दर्शाता है। रुपया गुरुवार को तीन पैसे की मामूली बढ़त के साथ अमेरिकी डॉलर के मुकाबले 92.51 पर बंद हुआ था। इस बीच छह प्रमुख मुद्राओं के मुकाबले अमेरिकी डॉलर की स्थिति को दर्शाने वाला डॉलर सूचकांक 0.07 प्रतिशत की बढ़त के साथ 98.69 पर रहा।

आईपीएल में आज सीएसके पर जीत के इरादे से उतरेगी कैपिटल्स

चेन्नई (एजेंसी)। आईपीएल में शनिवार को होने वाले दूसरे मुकाबले में चेन्नई सुपर किंग्स (सीएसके) का मुकाबला दिल्ली कैपिटल्स से होगा। इस मैच में सीएसके के कप्तान ऋतुराज गायकवाड़ अपने घरेलू मैदान पर टीम को जीत दिलाना चाहेंगे। अब तक सीएसके ने इस सत्र में एक भी मैच नहीं जीता है। उसके गेंदबाजों और बल्लेबाजों का प्रदर्शन अच्छा नहीं रहा है जिससे टीम मुश्किल में है। इस मैच में उसके पूर्व कप्तान महेन्द्र सिंह धोनी के खेलने की संभावना है। अगर धोनी खेलते हैं तो ये सीएसके के लिए काफी फायदेमंद होगा। वहीं दूसरी ओर अक्षर पटेल की कप्तानी में उतर रही दिल्ली कैपिटल का प्रदर्शन सीएसके से अच्छा रहा है। ऐसे में उसके हौसले बुलंद हैं।

सीएसएके के लिए इस सत्र की शुरुआत अच्छी नहीं रही है। टीम अपने शुरुआती मैच में आरसीबी और पंजाब किंग्स से हारी है। टीम की बल्लेबाजी ही नहीं गेंदबाजी भी कमजोर रही है। वहीं कैपिटल्स ने सत्र की शुरुआत बेहतर तरीके से की है। उसने अपने पहले तीन मैचों में से 2 में जीत हासिल की है। उसे लखनऊ सुपर जायंट्स और मुंबई इंडियंस के खिलाफ जीत मिली जबकि गुजरात टाइटंस से उसे केवल एक रन से ही हार मिली।

आंकड़ों पर नजर डालें तो दोनो ही टीमों के बीच अबतक हुए पिछले 31 के मुकाबलों में, दिल्ली ने 12 जीत दर्ज की हैं, जबकि चेन्नई सुपर किंग्स ने 19 जीत हासिल की हैं।

टीम इस प्रकार है

चेन्नई सुपर किंग्स- ऋतुराज गायकवाड़ (कप्तान), संजू सैमसन (विकेटकीपर), आयुष म्हात्रे, सरफराज खान, शिवम दुबे, प्रशांत वीर, जेमी ओवरटन, अंशुल कंबोज, नूर अहमद, खलील अहमद, मैट हेनरी

दिल्ली कैपिटल्स- अक्षर पटेल (कप्तान), पथुम निसांका, केएल राहुल (विकेटकीपर), नितीश राणा, समीर रिजवी, डेविड मिलर, ट्रिस्टन स्टब्स, विप्राज निगम, कुलदीप यादव, टी नटराजन, लुंगी एनगिडी

ऑरेंज और पर्पल कैप की सूची में बदलाव, अंगकृश रघुवंशी और अजिंक्य रहाणे शीर्ष पांच में शामिल

कोलकाता (एजेंसी)। कोलकाता नाइट राइडर्स और लखनऊ सुपर जाएंट्स के बीच खेले हुए आईपीएल मुकाबले के बाद सबसे अधिक रनों के लिए मिलने वाली ऑरेंज कैप और सबसे अधिक विकेट के लिए मिलने वाली पर्पल कैप के दावेदारों में बदलाव आये हैं। अब राजस्थान रॉयल्स के वैभव सूर्यवंशी और मुम्बई के रोहित शर्मा शीर्ष पांच से बार हो गये हैं। वहीं, केकेआर के अंगकृश रघुवंशी और कप्तान अजिंक्य रहाणे अपनी अच्छी पारियों की बदौलत शीर्ष पांच में पहुंच गये हैं। वहीं पर्पल कैप की दौड़ में लखनऊ सुपर जाएंट्स के प्रिंस यादव को लाभ हुआ है।

ऑरेंज कैप की सुची में में राजस्थान रॉयल्स के सलामी बल्लेबाज यशस्वी जायसवाल पहले स्थान पर हैं। उन्होंने अभी तक खेले 3 मुकाबलों में 163.46 के स्ट्राइक रेट के साथ 170 रन बनाये है। वहीं दिल्ली कैपिटल्स के समीर रिजवी और केकेआर के अंगकृश रघुवंशी दूसरे और तीसरे नंबर पर हैं। शीर्ष पांच बल्लेबाजों में सनराइजर्स हैदराबाद के हेनरिक क्लासेन और केकेआर के अजिंक्य रहाणे चौथे और पांचवे नंबर पर हैं।

पर्पल कैप की सूची में राजस्थान रॉयल्स के स्टार स्पिनर रवि बिश्नोई नंबर एक पर बने हुए हैं उन्होंने इस लीग में अभी तक तीन मैचों में 7 विकेट लिए हैं। वहीं गुजरात टाइटंस के प्रसिद्ध कृष्णा और राशिद खान के साथ-साथ दिल्ली कैपिटल्स के लुंगी एनगिडी और राजस्थान रॉयल्स के नंद्रे बर्गर शीर्ष-5 में शामिल हैं। लखनऊ सुपर जाएंट्स के प्रिंस यादव 5 विकेट के साथ 7वें नंबर पर पहुंच गए हैं। वहीं केकेआर के वैभव अरोड़ा 9वें पायदान पर हैं।

थर्ड अंपायर के पास जाना चाहिए था फैसला, रोवमन पॉवेल ने दिग्वेश राठी के कैच पर उठाए सवाल

कोलकाता (एजेंसी)। आईपीएल 2026 में गुरुवार को कोलकाता नाइट राइडर्स (केकेआर) और लखनऊ सुपर जायंट्स (एलएसजी) के बीच ईडन गार्डेन्स में एक रोमांचक मुकाबला खेला गया जिसे एलएसजी ने मुकुल चौधरी की विस्फोटक बल्लेबाजी के दम पर 3 विकेट से जीता। केकेआर की पारी के दौरान सलामी बल्लेबाज फिन एलन का कैच एलएसजी के स्पिनर दिग्वेश राठी ने पकड़ा था जिस पर विवाद हुआ था। मैच के बाद रोवमन पॉवेल ने कहा कि इसे तीसरे अंपायर को भेजा जाना चाहिए था।

रोवमैन ने मैच के बाद प्रेस कॉन्फ्रेंस में रिपोर्टर्स से कहा, 'यह उनकी तरफ से एक बड़ी गलती थी, लेकिन हम इस पर गौर नहीं करेंगे और यह नहीं कहेंगे कि आज रात हमें दो पॉइंट्स का नुकसान हुआ, लेकिन मैदान पर मौजूद अंपायरों को फैसला थर्ड अंपायर को भेजना चाहिए था।'

केकेआर की पारी का दूसरा ओवर प्रिंस यादव कर रहे थे। ओवर की चौथी गेंद प्रिंस ने बैक-ऑफ-ए-लेंथ डिलीवरी फेंकी, और फिन एलन ने उसे लाइन के पार मारा, लेकिन टॉप एज लग गया। बॉल थर्ड मैन पर खड़े दिग्वेश के पास गई। ऐसा लगा कि बॉल दूर तक जाएगी, लेकिन राठी ने खुद को बाउंड्री लाइन के किनारे पर संभाला और दोनों हाथों से कैच लेने के लिए अपनी बाईं ओर खड़े हो गए। राठी बाउंड्री लाइन के बहुत करीब थे, और अंपायर जो कुछ भी हुआ उससे खुश लग रहे थे। एलन को आउट दिया गया। फैसला थर्ड अंपायर को नहीं भेजा गया, और बाद में रिप्ले से पता चला कि राठी ने शायद कुशन पर पैर रख दिया था। हालांकि, रिप्ले से कुछ भी पक्का पता नहीं चल सका।

आईपीएल में आज होगा पंजाब और सनराइजर्स का मुकाबला

मुल्लांपुर (एजेंसी)। आईपीएल में शनिवार को को होने वाले पहले मुकाबले में पंजाब किंग्स का मुकाबला सनराइजर्स हैदराबाद से होगा। कप्तान श्रेयस अय्यर की पंजाब का लक्ष्य इस मैच में भी अपनी जीत का सिलसिला बनाये रखना रहेगा। पंजाब ने अभी तक इस सत्र में काफी अच्छा प्रदर्शन किया है। इससे वह जीत की प्रबल दावेदार मानी जा रही है। उसे इस मैच में घरेलू मैदान का भी लाभ मिलेगा। उसने तीन में से अपने दो मैच जीते हैं वहीं उसका एक मैच बारिश के कारण पूरा नहीं हो पाया था। पंजाब ने इस सत्र में 200 रन से अधिक रनों का लक्ष्य भी आसानी से हासिल कर लिया था।

टीम के बल्लेबाजों और गेंदबाजों ने अब तक के मैचों में काफी अच्छा प्रदर्शन किया है।

सलामी बल्लेबाज प्रभसिमरन सिंह के अलावा कूपर कोनोली ने भी अच्छा प्रदर्शन किया है। वहीं गेंदबाजी में विजयकुमार वैशाक ने प्रभावी प्रदर्शन किया है।

वहीं दूसरी ओर ईशान किशन की कप्तानी में सनराइजर्स अभी तक केवल एक मैच ही जीत पायी है। टीम की ताकत उसकी बल्लेबाजी है पर उसके बल्लेबाज इस सत्र में असफल रहे हैं। सलामी बल्लेबाज ट्रैविस हेड और अभिषेक शर्मा भी अबतक असफल रहे हैं। उसके प्रमुख गेंदबाज

हर्षल पटेल और जयदेव उनादकट भी अबतक प्रभावी नहीं रहे हैं। केवल नीतीश कुमार रेड्डी और हेनरिक क्लासेन ही अब तक सफल रहे हैं। स्पिनर हर्ष दुबे ने पावरप्ले में अच्छा प्रदर्शन बनाये रखा है।

आईपीएल इतिहास में अब तक दोनों टीमों के बीच कुल 23 मैच खेले गए हैं। इसमें पंजाब किंग्स ने 7 तो हैदराबाद ने 17 मुकाबलों में जीत हासिल की है।

दोनो ही टीमें इस प्रकार हैं

पंजाब किंग्स- श्रेयस अय्यर (कप्तान), अर्शदीप सिंह, प्रियांश आर्य, पाइला अविनाश, अजमतुल्लाह उमरजई,

जेवियर बार्टलेट, युजवेंद्र चहल, कूपर कोनोली, प्रवीण दुबे, बेन ड्वारशुइस, लॉकी फर्ग्यूसन, हरनूर सिंह, हरप्रीत बराड़, मार्को यानसन, मुशीर खान, विशाल निशाद, मिचेल ओवेन, प्रभसिमरन सिंह (विकेटकीपर), शशांक सिंह, मार्कस स्टोइनिस, सूर्यांश शेडगे, विष्णु विनोद, विजयकुमार वैश्यक, नेहल वढेरा, यश ठाकुर।

सनराइजर्स हैदराबाद- ईशान किशन (कप्तान और विकेटकीपर), अभिषेक शर्मा, अमित कुमार, सलिल अरोड़ा, ब्रायडन कार्स, पैट कमिंस, हर्ष दुबे, क्रेन्स फुलेट्रा, ट्रैविस हेड, प्रफुल्ल हिंगे, हेनरिक क्लासेन, लियाम लिविंगस्टोन, ईशान मलिंगा, कामिंडु मेंडिस, नीतीश कुमार रेड्डी, हर्षल पटेल, डेविड पायने, साकिब हुसैन, शिवम मावी, शिवांग कुमार, रविचंद्रन स्मरण, ओंकार तरमाले, जयदेव उनादकट, अनिकेत वर्मा, जीशान अंसारी।

भारत के खिलाफ टेस्ट में राशिद के बिना ही उतरेगी अफगानिस्तान

नई दिल्ली ।अफगानिस्तान की टीम को जून में भारत के खिलाफ मुल्लांपुर में होने वाले होने वाले एकमात्र टेस्ट में अपने स्टार स्पिनर राशिद खान के बिना ही उतरना होगा।इसका कारण है कि राशिद को डॉक्टर ने सलाह दी है उन्हें अपनी कमर को आराम देना होगा।आजकल आईपीएल खेल रहे राशिद से डॉक्टर ने कहा है कि अगर वह अपना करियर लंबा करना चाहते हैं तो टेस्ट क्रिकेट से दूर रहें।इसी कारण राशिद मैच से बाहर रहेंगे। राशिद का कहना है कि उनकी प्राथमिकता साल 2027 में दक्षिण अफ्रीका में होने वाले एकदिवसीय विश्व कप को देखते हुए फिटनेस हासिल करना है।राशिद ने साल 2023 वनडे विश्व कप के बाद कमर की सर्जरी कराई थी।उन्होंने कहा कि डॉक्टर ने उन्हें टेस्ट क्रिकेट से दूर रहने की सलाह दी थी पर इसके बाद भी पिछले साल उन्होंने जिम्बाब्वे के खिलाफ एक टेस्ट खेलकर 54 ओवर किये थे।

राशिद के अनुसार डॉक्टर ने उन्हें टेस्ट क्रिकेट से दूर रहने के लिए ही कहा था।इसके बावजूद उन्होंने जिम्बाब्वे के खिलाफ टेस्ट खेला।उन्होंने कहा, एकदिवसीय क्रिकेट में मुझे मजा आता है और मैं अफगानिस्तान के लिए लंबे समय तक खेल सकता हूं पर फिलहाल अपनी कमर को आराम देना चाहता हूं जिससे कि उसपर अधिक दबाव न पड़े।आईपीएल के बाद भारत के खिलाफ एकमात्र टेस्ट के बारे में खेलने को लेकर राशिद ने कहा कहा, ये काफी कठिन सवाल है।मैं 2025 में एक टेस्ट खेल चुका हूं और अब विश्व कप की तैयारी करूंगा। ऐसे में एक टेस्ट खेलकर अपना करियर खतरे में नहीं डाला जा सकता।

यूईएफए यूरोपा लीग- क्वार्टरफाइनल के पहले लेग में ब्रागा और रियल बेटिस के बीच मैच 1-1 से ड्रॉ रहा

ब्रागा।यूईएफए यूरोपा लीग क्वार्टरफाइनल के पहले लेग में ब्रागा और रियल बेटिस के बीच खेला गया मुकाबला 1-1 की बराबरी पर समाप्त हुआ।एस्टाडियो म्युनिसिपल डे ब्रागा में खेले गए इस मैच में दोनों टीमों ने शानदार प्रदर्शन किया।मैच की शुरुआत में ब्रागा ने आक्रामक अंदाज अपनाया और इसका फायदा उन्हें जल्दी ही मिल गया।

डिएगो रोड्रिग्स के कॉर्नर पर फ्लोरियन ग्रिलिट्श ने शानदार फ्लिक के जरिए गोल दागते हुए टीम को बढ़त दिलाई। इस शुरुआती गोल ने घरेलू टीम को आत्मविश्वास दिया और उन्होंने खेल पर नियंत्रण बनाए रखा। हालांकि, रियल बेटिस ने धीरे-धीरे वापसी की कोशिश की। 24वें मिनट में मार्क बार्ट्रा ने हेडर के जरिए बराबरी का मौका बनाया, लेकिन गेंद पोस्ट से टकराकर बाहर चली गई। इसके बाद भी बेटिस ने दबाव बनाए रखा और ब्रागा के गोलकीपर लुकास हॉर्निसेक को कई बार सतर्क रहना पड़ा, खासकर कुचो हर्नांडेज के क्लोज-रेंज हेडर को रोकते समय।दूसरे हाफ में मैच और रोमांचक हो गया।बेटिस ने आक्रमण को तेज करने के लिए बदलाव किए, जिसमें विंगर एंटनी को मैदान पर उतारा गया।हालांकि, ब्रागा ने भी मौके बनाए और ग्रिलिट्श का एक शॉट गोलकीपर पाऊ लोपेज ने शानदार तरीके से बचाया।मैच का टर्निंग पॉइंट तब आया जब ब्रागा के जीन-बैप्टिस्ट गोर्बी ने बॉक्स में फाउल कर दिया, जिससे बेटिस को पेनल्टी मिली।

जोनाथन क्रिस्टी को हराकर आयुष शेट्टी ने किया उलटफेर, सेमीफाइनल में पहुंचे

निंगबो (चीन)।भारतीय बैडमिंटन खिलाड़ी आयुष शेट्टी ने शुक्रवार को बड़ा उलटफेर करते हुए दुनिया के चौथे नंबर के खिलाड़ी जोनाथन को हराकर बैडमिंटन एशिया चैंपियनशिप 2026 के सेमीफाइनल में जगह बना ली। आज यहां टॉप-4 में जगह बनाने के साथ ही आयुष शेट्टी 2018 में एच.एस. प्रणय के बाद इस कॉन्टिनेंटल टूर्नामेंट में पदक जीतने वाले पहले भारतीय पुरुष एकल बैडमिंटन खिलाड़ी बन गए हैं। यह 2023 में चिराग शेट्टी और सात्विकसाईराज रंकीरेड्डी के पुरुष डबल्स गोल्ड मेडल के बाद बैडमिंटन एशिया चैंपियनशिप में भारत का पहला मेडल भी होगा। पुरुष एकल बैडमिंटन रैंकिंग में 25वें स्थान पर मौजूद आयुष शेट्टी ने क्वार्टर-फ़ाइनल में इंडोनेशिया के ओलंपियन और तीसरी वरीयता प्राप्त जोनाथन क्रिस्टी को 23-21, 21-17 से हराया। पहला गेम बेहद कड़ा रहा, जिसमें कोई भी खिलाड़ी निर्णायक बढ़त नहीं बना पाया। पूर्व एशियाई चैंपियन जोनाथन क्रिस्टी 11-10 की मामूली बढ़त के साथ मिड-गेम ब्रेक में गए। जोनाथन क्रिस्टी 18-15 की बढ़त बनाकर मैच पर नियंत्रण बनाते दिख रहे थे

और उन्हें गेम पॉइंट भी मिल गया था, लेकिन आयुष शेट्टी ने जोरदार वापसी की और मैच को टाई-ब्रेक में ले जाकर पहला गेम जीत लिया।दूसरा गेम भी उतना ही कड़ा रहा। आयुष शेट्टी 11-9 की मामूली बढ़त के साथ ब्रेक में गए, जिसके बाद उन्होंने मैच पर अपनी पकड़ मजबूत की और जीत हासिल करके सेमीफाइनल में अपनी जगह पक्की कर ली।दोनों खिलाड़ियों के बीच यह पहली भिड़ंत थी, जिसमें आयुष शेट्टी ने जोनाथन क्रिस्टी के ख़िलाफ़ अपनी पहली जीत दर्ज की।इससे पहले टूर्नामेंट में, आयुष शेट्टी ने पहले राउंड में दुनिया के सातवें नंबर के खिलाड़ी और मौजूदा एशियाई खेलों के चैंपियन ली शी फ़ेंग को चौंका दिया था।इसके बाद उन्होंने चीनी ताइपे के ची यू जेन को हराकर क्वार्टर-फ़ाइनल में जगह बनाई थी।सेमीफाइनल में, आयुष शेट्टी का मुक़ाबला थाईलैंड के पेरिस 2024 रजत पदक विजेता कुनलावुत विटिडसर्न और चीन की एशियाई खेलों की गोल्ड मेडल विजेता पुरुष टीम के सदस्य वेंग होंगयांग के बीच होने वाले मैच के विजेता से होगा।

बिली जीन किंग कप : इंडोनेशिया से हारा भारत, कोरिया की जीत का सिलसिला जारी

नई दिल्ली। बिली जीन किंग कप ग्रुप-ढ्ढ एशिया/ओशिआना मुकाबलों में भारत को गुरुवार को इंडोनेशिया के खिलाफ हार का सामना करना पड़ा।डीएलटीए कॉम्प्लेक्स में खेले गए इस मुकाबले में इंडोनेशिया ने दोनों सिंगल्स मैच जीतकर अजेय बढ़त हासिल कर ली।पहले सिंगल्स मुकाबले में वैष्णवी अडकर को प्रिस्का मैडेलिन नुग्रोहो के खिलाफ कड़े मुकाबले में 7-6(3), 6-7(3), 6-3 से हार झेलनी पड़ी। मैच काफी उतार-चढ़ाव भरा रहा, जहां अडकर ने दूसरे सेट में वापसी करते हुए मुकाबला निर्णायक सेट तक पहुंचाया, लेकिन तीसरे सेट में इंडोनेशियाई खिलाड़ी ने बाजी मार ली। दूसरे सिंगल्स में सहजा यमलापल्ली को जेनिस त्जेन के खिलाफ 6-2, 6-1 से एकतरफा हार का सामना करना पड़ा, जिससे इंडोनेशिया ने मुकाबला अपने नाम कर लिया। खबर लिखे जाने तक रुतुजा भोसले और अंकिता रैना इंडोनेशियाई जोड़ी के खिलाफ डबल्स मुकाबला खेल रही थीं। अन्य मुकाबलों में कोरिया गणराज्य ने न्यूजीलैंड को हराकर अपनी जीत का सिलसिला जारी रखा। दायोन बैक ने वैलेंटिना इवानोव को 7-5, 6-3 से हराया, जबकि सोह्युन पार्क ने मोनिक बैरी को 6-0, 6-1 से हराकर टीम की जीत पक्की कर दी।कोरिया और इंडोनेशिया दोनों ही टीमें अब तक अपने सभी मुकाबले जीतकर तालिका में शीर्ष पर बनी हुई हैं। वहीं थाईलैंड ने भी शानदार वापसी करते हुए मंगोलिया को 3-0 से क्लीन स्वीप किया।थासापोर्न नाकलो ने अनु-वजिन गैंटोर को 6-1, 6-0 से हराया, जबकि पाचारिन चीपचांदेज ने खोंगोरजुल अलदारखिशिग को समान स्कोर से मात दी।

हार से निराश रहाणे बोले, मुकुल ने हमसे मैच छीन लिया

कोलकाता । कोलकाता नाइटराइडर्स (केकेआर) के कप्तान आजिंक्य रहाणे ने लखनऊ सुपरजायंट्स के खिलाफ रोमांचक मुकाबले में मिली हार पर निराशा जताते हुए कहा कि इस प्रकार की हार को स्वीकार नहीं किया जा सकता है।केकेआर को इस सत्र में सभी तीन मैचों में हार झेलनी पड़ी है जबकि एक मैच बारिश के कारण नहीं हो पाया।सुपरजायंट्स के खिलाफ उसे मैच की अंतिम गेंद पर हार मिली।इस मैच में एक समय केकेआर काफी अच्छी स्थिति में थी पर मुकुल चौधरी ने अंतिम ओवरों में अर्धशतक लगाकर मैच पलट दिया। हार को लेकर रहाणे ने कहा, 'इसे स्वीकार करना थोड़ा मुश्किल क्योंकि अंत तक हम मैच में बने हुए थे। मुकुल ने अंत में जबरदस्त शॉट

खेलकर मैच हमसे छीन लिया। ऐसे करीबी मैचों में ज्यादा कमियां नहीं निकाली जा सकतीं।' उन्होंने कहा, 'फील्डिंग में शायद एक-दो गलतियां हुईं पर हमारे गेंदबाजों ने अपनी जिम्मेदारी अच्छी तरह से निभाई।हारने के बाद कमियां निकालना आसान होता है।हमें लगा था कि इस पिच पर 180-185 का स्कोर अच्छा था क्योंकि बड़े शॉट खेलना आसान नहीं था। धीमी गेंदें रुक कर आ रही थीं इसलिए बल्लेबाजी करना कठिन था।' रहाणे ने कहा, 'मुझे लगा कि 18 ओवर तक हम बहुत अच्छी स्थिति में थे पर अंत के दो ओवरों में स्थिति खराब हो गयी क्योंकि मुकुल ने मैच पलट दिया। हमारी गेंदबाजी अच्छी थी पर मुकुल ने उससे भी अच्छी बल्लेबाजी की और उसे जीत का श्रेय मिलना ही चाहिये।'

पूर्व भारतीय क्रिकेटर ने की भविष्यवाणी, आईपीएल खिताब का बचाव कर सकती है आरसीबी

फरीदाबाद (हरियाणा) (एजेंसी)। पूर्व भारतीय क्रिकेटर अंजुम चोपड़ा ने पूरा भरोसा जताया है कि रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (RCB) अपना इंडियन प्रीमियर लीग (IPL) खिताब बचाने में सक्षम है। मुंबई इंडियंस और चेन्नई सुपर किंग्स जैसी सफल फ्रेंचाइजी से तुलना करते हुए उन्होंने कहा कि प्लेऑफ में पहुंचने के लिए लगातार अच्छा प्रदर्शन करना ही सबसे जरूरी है। RCB ने अहमदाबाद के नरेंद्र मोदी स्टेडियम में 2025 IPL के फाइनल में पंजाब किंग्स को 6 रनों से हराकर अपना पहला IPL खिताब जीता था जिससे ट्रॉफी के लिए उनका 18 साल का इंतजार खत्म हो गया था।

चोपड़ा ने आगे कहा कि जो टीमें शुरुआत में ही लय पकड़ लेती हैं और अपनी फॉर्म बरकरार रखती हैं, वे आखिर तक जा सकती हैं। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि इस सीजन में कोई नया चैंपियन भी उभर सकता है, और RCB भी अपना खिताब बचा सकती है। बात करते हुए अंजुम चोपड़ा ने कहा, 'हां, वे निश्चित रूप से ऐसा कर सकते हैं। मुंबई ने ऐसा किया है, चेन्नई ने ऐसा किया है, RCB भी ऐसा कर सकती है। और फिर से, जो टीम लगातार अच्छा खेलेगी, वह प्लेऑफ में पहुंचेगी। प्लेऑफ में पहुंचने वाली सभी टीमें वहीं से शुरुआत करती हैं, जहां उन्होंने पिछली बार छोड़ा था इसलिए वे निश्चित रूप से ऐसा कर सकती हैं। कोई नया चैंपियन भी बन सकता है और RCB भी अपना IPL खिताब बचा सकती है।'

चोपड़ा का मानना है कि RCB इस सीजन में सबसे ज्यादा व्यवस्थित टीम लग रही है और मौजूदा चैंपियन होने के नाते अपनी मजबूत लय को आगे बढ़ा रही है। उन्होंने आगे

कहा कि उन्होंने न केवल वहीं से शुरुआत की है जहां उन्होंने पिछले साल छोड़ा था बल्कि मौजूदा सीजन में वे और भी ज्यादा प्रभावशाली और संतुलित नजर आ रहे हैं।

उन्होंने आगे कहा, 'RCB अच्छी लग रही है, वे सबसे ज्यादा व्यवस्थित टीम लग रही हैं क्योंकि वे मौजूदा चैंपियन हैं। उन्होंने वहीं से शुरुआत की है जहां उन्होंने पिछले सीजन में छोड़ा था। असल में इस सीजन में वे और भी बेहतर लग रहे हैं।' RCB ने 2026 IPL के अपने दोनों शुरुआती मैच जीते हैं और अब वह पॉइंट्स टेबल में चार अंकों और +2.501 के शानदार नेट रन रेट (NRR) के साथ तीसरे स्थान पर है।

चोपड़ा को यह भी लगा कि पंजाब किंग्स (PBKS) भी जबरदस्त फॉर्म में है, पिछले सीजन में फाइनल तक पहुंचने की वजह से उन्हें ठीक-ठीक पता है कि उस अनुभव का फायदा उठाकर आगे कैसे बढ़ना है। उन्होंने कहा, 'पंजाब भी बहुत अच्छी दिख रही है। उन्होंने पिछले साल फाइनल भी खेला था, इसलिए उन्हें पता है कि उनका सफर कहां खत्म हुआ था और उन्हें दोबारा कहां से शुरुआत करनी है। उन्होंने शुरुआत भी अच्छी की है।' PBKS ने भी 2026 IPL सीजन की शुरुआत ज़ोरदार तरीके से की है। उन्होंने अपने तीन मैचों में से दो में जीत हासिल की, जबकि एक मैच ड्रॉ रहा। IPL पॉइंट्स टेबल में पंजाब 5 पॉइंट्स के साथ दूसरे स्थान पर है।

हॉकी इंडिया का बड़ा निर्णय, टिम व्हाइट को जूनियर महिला टीम का कोच बनाया

नई दिल्ली (एजेंसी)। हॉकी इंडिया ने शुक्रवार को टिम व्हाइट को जूनियर महिला टीम का कोच बनाने की घोषणा की। ऑस्ट्रेलियाई हाई-परफॉर्मेंस कोच व्हाइट ने हाल ही में जनवरी में हॉकी इंडिया लीग में अकॉर्ड तमिलनाडु ड्रैगन्स के हेड कोच के तौर पर काम किया था। वह भारत महिला हॉकी की अगली पीढ़ी को तैयार करने के लिए मुख्य कोच की जिम्मेदारी संभाल रहे हैं।

हॉकी इंडिया के अध्यक्ष दिलीप टिर्की ने इस नियुक्ति का स्वागत करते हुए कहा, 'हम टिम व्हाइट को टीम में शामिल करके बहुत खुश हैं। बेल्जियम और ऑस्ट्रेलियाई जूनियर कार्यक्रम के साथ उनका पुराना रिकॉर्ड अपने आप में बहुत कुछ कहता है, खासकर जूनियर विश्व कप में टीमों को पोडियम फिनिश तक ले जाने में उनकी सफलता। हमारा मानना है कि हाई-परफॉर्मेंस कोचिंग और एथलीट विकास में उनका बहुत बड़ा अनुभव हमारी जूनियर महिलाओं को सीनियर अंतरराष्ट्रीय हॉकी की चुनौतियों के लिए तैयार करने में बहुत जरूरी होगा।'

हॉकी इंडिया के महासचिव भोला नाथ सिंह ने कहा, 'टिम की नियुक्ति हमारी जूनियर टीमों को विश्व स्तरीय कोचिंग देने के हमारे लक्ष्य से मेल खाती है। जूनियर से सीनियर हॉकी में बदलाव एक अहम दौर है, और हमें विश्वास है कि टिम के निर्देशन में हमारे युवा एथलीट सबसे ऊंचे लेवल पर अच्छा प्रदर्शन करने के लिए जरूरी तकनीकी परिपक्वता हासिल करेंगे।

व्हाइट ने अपनी नियुक्ति पर कहा, 'हाल ही में तमिलनाडु ड्रैगन्स के कोच के तौर पर इंडिया में समय बिताने के बाद, मैं देश के जबरदस्त पैशन और समृद्ध हॉकी संस्कृति से वापस आया। मैंने जूनियर वर्ल्ड कप में इंडिया के खिलाफ कोचिंग करते हुए यहां बहुत सारी युवा प्रतिभाएं देखीं। ऐसे एथलीट्स के साथ फुल-टाइम काम करने का मौका मिलना एक विशेषाधिकार की तरह है। मेरा लक्ष्य तकनीकी रूप से मजबूत खिलाड़ियों को तैयार करना है जो गैप को भरने और सीनियर टीम में जगह बनाने के लिए तैयार हों।'

टीम के प्रति अपने विजन के बारे में उन्होंने कहा, 'मैं गेम को सिंपल रखना चाहता हूं और सामूहिक साथ ही व्यक्तिगत मजबूती पर फोकस करना चाहता हूं। हमारा लक्ष्य एक ऐसी टीम बनना होगा जो आक्रामक हॉकी को अहमियत दे लेकिन अपने रक्षात्मक खेल में भी अनुशासित रहे। यह जरूरी है कि हम पूरे 60 मिनट तक उच्च स्तर पर प्रदर्शन करने के लिए शारीरिक रूप से कड़ी मेहनत करें। 'टीम-फर्स्ट' की अवधारणा को आगे रखते हुए हम किसी भी अंतरराष्ट्रीय चुनौती के लिए अच्छी तरह तैयार रहेंगे।'

व्हाइट की नियुक्ति को भारत में जूनियर हॉकी को आधुनिक तकनीक और अनुशासन को शामिल करने के लिए एक रणनीतिक कदम के तौर पर देखा जा रहा है। उनके बैकग्राउंड में हॉकी ऑस्ट्रेलिया के लिए नेशनल जूनियर कोच के तौर पर काम करना और यूरोप में हाई-परफॉर्मेंस पाथवे की देखरेख करना शामिल है।

व्हाइट के कोचिंग करियर में बेल्जियम में हाल की सफलता और ऑस्ट्रेलिया के साथ पिछला अनुभव शामिल है। भारत आने से पहले, उन्होंने

बेल्जियम अंडर-21 महिला टीम के कोच के तौर पर काम किया, और दिसंबर में 2025 जूनियर वर्ल्ड कप में उन्हें कांस्य पदक दिलाया था।

2021 और 2024 के बीच, वह बेल्जियम की महिला राष्ट्रीय टीम के कोचिंग स्टाफ का भी एक अहम हिस्सा थे। इस दौरान टीम ने विश्व रैंकिंग में काफी सुधार किया और 12 वें से 3 पर आ गई। 2024 पेरिस ओलंपिक गेम्स में सेमीफाइनल में जगह बनाने में कामयाब रही।

अपने करियर की शुरुआत में, वह ऑस्ट्रेलिया के लिए राष्ट्रीय जूनियर कोच के पद पर थे, जहां टीम ने जूनियर विश्व कप में कांस्य पदक जीता था।

ब्रोकोली में पाए जाते है औषधीय गुण

आप जानते है ब्रोकोली एक प्रमुख सब्जी है, जो की गोभीय वर्गीय सब्जियों के अंतर्गत आती हैं। ब्रोकोली दिखने में फूलगोभी की तरह ही दिखाई देती है लेकिन इसमें पोष्टिकता फूलगोभी से ज्यादा होती है। यह एक पौष्टिक इटालियन गोभी है। जिसे मूलत : सलाद, सूप, व सब्जी के रूप में प्रयोग किया जाता है। ब्रोकोली को हरी गोभी भी कहा जाता हे ब्रोकोली में गोभी से अधिक भाव और अधिक फूल प्राप्त होते हे गोभी के पौधे पर एक ही फूल प्राप्त होता हे लेकिन ब्रोकोली के एक ही पौधे से 4 से 5 फूल प्राप्त होते हैं। भारत में इसकी खेती ज्यादातर उत्तर भारत में की जाती है।

ब्रोकोली में पाए जाने वाले औषधीय गुण

ब्रोकोली हरी सब्जी के रूप में लोहा, प्रोटीन, कैल्शियम, कार्बोहाइड्रेट, क्रोमियम, विटामिन ए और सी पाया जाता है, जो सब्जी को पौष्टिक बनाता है। इसके अलावा इसमें फाइटोकेमिकल्स और एंटी-ऑक्सीडेंट भी होता है, जो बीमारी और बॉडी इंफेक्शन से लडने में सहायक होता है। ब्रोकोली विटामिन सी से भरी हुई है। यह कई पोषक तत्वों से भरपूर है। यह कई बीमारियों से बचाने के साथ ब्रेस्ट कैंसर और प्रोस्टेट कैंसर के भी खतरे को कम करती है।

बुवाई का समय

ब्रोकोली की खेती के लिए नर्सरी तैयार करने का समय अक्टूबर का दूसरा पखवाड़ा होता है, पर्वतीय क्षेत्रों में क़म उंचाई वाले क्षेत्रों में सितम्बर-अक्टूम्बर, मध्यम उंचाई वाले क्षेत्रों में अगस्त, सितम्बर, और अधिक़ उंचाई वाले क्षेत्रों में मार्च-अप्रैल में तैयार की जाती हैं।

दुरी

बीज को पंक्तियों में 4-5 से.मी. की दूरी पर बोना चाहिए।

गहराई

बीजों की 2.5 से.मी. की गहराई पर बुवाई करना चाहिए।

बुवाई का तरीका

ब्रोकोली की बुवाई बीजों द्वारा नर्सरी में इसकी पौध प्रो-ट्रे और क्यारियों में तैयार की जाती है, और उसके बाद खेत में रोपण किया जाता है। नर्सरी की तैयारी में इस बात का ध्यान रखें की नर्सरी जमीन से 15 सेमी. ऊंची हुई हो।

बीज की मात्रा

ब्रोकोली की नर्सरी में बुवाई के लिए 400-500 ग्राम बीज प्रति हेक्टेयर (8-10 ग्राम प्रति नाली) पर्याप्त होता है।

बीज उपचार

ब्रोकोली की पौध तैयार करने के दौरान बीज को उपचारित कर नर्सरी में लगाना चाहिए। बीज को उपचारित करने के लिए थीरम या कैप्टन दवा की उचित मात्रा का इस्तेमाल करना चाहिए।

खाद एवं रासायनिक उर्वरक

उर्वरको का प्रयोग मृदा परीक्षण के आधार पर करना उपयुक्त रहता है 7 अच्छी उपज के लिए खेत तैयार करते समय प्रति हैक्टेयर 15-20 टन गोबर / कम्पोस्ट खाद, 100 किलोग्राम नाइट्रोजन, 100 किलोग्राम फास्फोरस तथा 50 किलोग्राम पोटाश का प्रयोग किया जाना अनुकूल होता है।

खरपतवार नियंत्रण

खरपतवार की रोकथाम के लिए आवश्यकतानुसार समय-समय पर निराई-गुड़ाई करना चाहिए।

सिंचाई

ब्रोकोली के पौधों को पानी की सामान्य जरूरत होती है। लेकिन पौध को खेत में लगाने के तुरंत बाद उनकी सिंचाई कर देनी चाहिए। उसके बाद इसके पौधों को आवश्यकता के आधार पर 10 से 15 दिन के अंतराल में पानी देते रहना चाहिए। इसके पौधे को पककर तैयार होने के लिए लगभग 5 से 6 सिंचाई की ही जरूरत होती है।

फसल की कटाई

ब्रोकोली की फसल की कटाई के लिए पौधरोपण के 65-70 दिन बाद तैयार हो जाते हैं, ब्रोकली का फूल जब गठा हुआ, हरा व उचित आकार का हो तभी डंठल सहित तोडना चाहिये। तुड़ाई करने में विलम्ब होने से शीर्ष (फूल) में पीलापन तथा स्वाद में विपरीत प्रभाव पड़ता है।

भंडारण

ब्रोकोली को तुड़ाई के बाद बाजार में बिकने तक उचित रखरखाव की आवश्यकता होती है। अन्यथा ब्रोकली खराब होने लगती है। इसके लिये या तो ब्रोकली को बर्फ के साथ पैकिंग करें या ठंडे कमरे में रखें अथवा ठंडे पानी का छिड़काव करें। उचित रखरखाव करें इसमें ब्रोकली खराब नहीं होगी तथा बाजार पहुंचने तक ताजी एवं गुणकारी रहेगी।

उत्पादन

ब्रोकोली की उन्नत तरीके से खेती करके अच्छा उत्पादन प्राप्त किया जा सकता है। ब्रोकोली की साधारण किस्मों से 75 से 100 क्विंटल प्रति हेक्टेयर तथा संकर किस्मों से 120 से 150 क्विंटल प्रति हेक्टेयर तक पैदावार प्राप्त की जा सकती है।

बाकी फसलों से ज्यादा सख्त होती है बैंगन की फसल

भारत में विभिन्न प्रकार की सब्जियों को उगाया हैं, जिनमें एक बैंगन हैं। बैंगन भारत में ही पैदा हुआ और आज आलू के बाद दूसरी सबसे अधिक खपत वाली सब्जी है। भारत चीन के बाद दूसरा सबसे अधिक बैंगन उगाने वाला देश है। यह देश में 5.5 लाख हेक्टेयर क्षेत्रफल में उगाया जाता है। हमारे देश के अलावा भी यह अन्य कई देशों की प्रमुख सब्जी की फसल है। बैंगन में विटामिन ए तथा बी के अलावा कैल्शियम, फ़ॉस्फ़रस और लोहे जैसे खनीज भी होते है। बैंगन की खेती पुरे वर्ष की जा सकती है, बैंगन की फसल बाकी फसलों से ज्यादा सख्त होती है। इसके सख्त होने के कारण इसे शुष्क या कम वर्षा वाले क्षेत्रों में भी उगाया जा सकता हैं। भारत देश में बैंगन उगाने वाले मुख्य राज्य मध्यप्रदेश, पश्चिमी बंगाल, उड़ीसा, कर्नाटक, बिहार, महांराष्ट्र, उत्तर प्रदेश, आंध्र प्रदेश, पंजाब, हरियाणा और राजस्थान हैं।

बुवाई का समय

बैंगन की खेती के लिए बैंगन की बुवाई पुरे वर्ष भर में किसी भी समय की जा सकती हैं।

वर्षाकालीन समय- नर्सरी तैयार करने का समय फरवरी से मार्च और मुख्य खेत में रोपाई का समय मार्च से अप्रेल उचित है।

शरदकालीन समय- नर्सरी तैयार करने का समय जून से जुलाई और मुख्य खेत में रोपाई का समय जुलाई से अगस्त उचित है।

बसंतकालीन समय- नर्सरी तैयार करने का समय दिसम्बर और मुख्य खेत में रोपाई का समय दिसम्बर से जनवरी उचित है।

दूरी

लाईन से लाईन की दूरी 60 से 70 सेंटीमीटर और लाईन में पौधे से पौधे की दूरी 60 सेंटीमीटर रखें।

गहराई

नर्सरी में बीज की बुवाई 1 से 1.5 सेन्टीमीटर की गहराई पर करें।

बुवाई का तरीका

बैंगन की खेती के लिए पौधरोपण हेतु बीजों द्वारा नर्सरी तैयार की जाती हैं।

नर्सरी तैयार करने का तरीका

एक हैक्टेयर की पौध तैयार करने के लिये एक मीटर चौडी और तीन मीटर लम्बी करीब 15 से 20 क्यारियों की आवश्यकता होती है। बीज की 1 से 1.5 सेन्टीमीटर की गहराई पर, 3 से 5 सेन्टीमीटर के अन्तर पर कतारों में बुवाई करें और बुवाई के बाद गोबर की बारीक खाद की एक सेन्टीमीटर मोटी परत से ढक दें तथा फव्वारें से सिंचाई करें।

बीज की मात्रा

एक हैक्टेयर में पौध रोपाई के लिये 500-750 ग्राम बीज और हाइब्रिड बीज की मात्रा 250 ग्राम/हेक्टेयर की आवश्यकता होती है।

बीज का उपचार

नर्सरी में बीज बुवाई से पहले बीजों को थीरम 3 ग्राम या कार्बेनडाजिम 3 ग्राम प्रति किलो बीज से

उपचार करें।

खाद एवं रासायनिक उर्वरक

बैंगन की खेती में मिट्टी की जांच के अनुसार खाद और उर्वरक डालनी चाहिए। अगर मिट्टी की जांच नहीं हो पाती है तो खेत तैयार करने समय 20-30 टन/हेक्टेयर गोबर की सड़ी खाद मिट्टी में मिला देनी चाहिए। इसके बाद प्रति हेक्टेयर में 200 किलो ग्राम यूरिया, 370 किलो ग्राम सुपर फॉस्फेट और 100 किलो ग्राम पोटेशियम सल्फेट का इस्तेमाल करना चाहिए।

खरपतवार नियंत्रण

खरपतवार की रोकथाम के लिए आवश्यकतानुसार समय-समय पर निराई-गुड़ाई करना चाहिए।

सिंचाई

बैंगन के पौधों की अच्छी बढ़वार लिए सिंचाई की अधिक आवश्यकता होती हैं, पौधरोपण के तुरंत बाद सिंचाई करना चाहिए। गर्मी के मौसम में हर 3-4 दिन बाद पानी देना चाहिए और सर्दियों में 12 से 15 के अंतराल में पानी देना चाहिए। कोहरे वाले दिनों में फसल को बचाने के लिए मिट्टी में नमी बनाए रखें और लगातार पानी लगाएं। इस बात का विशेष ध्यान रखें कि बैंगन की फसल में पानी खड़ा न हो, क्योंकि बैंगन की फसल खड़े पानी को सहन नहीं कर सकती है। उत्तम सिंचाई के लिए ड्रीप सिंचाई पद्धति का प्रयोग करें।

फसल की कटाई

खेत में बैंगन की पैदावार होने पर फलों की तुड़ाई पकने से पहले करनी चाहिए। तुड़ाई के समय रंग और आकार का विशेष ध्यान रखना चाहिए। बैंगन का मंडी में अच्छा रेट मिले इसके लिए फल का चिकना और आकर्षक रंग का होना चाहिए।

भंडारण

बैंगन को लंबे समय के लिए भंडारण नहीं किया जा सकता है। बैंगन को आम कमरे के सामान्य तापमान में भी ज्यादा देर नहीं रख सकते हैं क्योंकि ऐसा करने से इसकी नमी खत्म हो जाती है। हालांकि बैंगन को 2 से 3 सप्ताह के लिए 10-11 डिग्री सेल्सियस तापमान और 92 प्रतिशत नमी में रखा जा सकता है। किसान भाई बैंगन को कटाई के बाद इसे सुपर, फैंसी और व्यापारिक आकार के हिसाब से छांट लें और पैकिंग के लिए, बोरियों या टोकरियों का प्रयोग करें।

उत्पादन

बैंगन की खेती में उत्पादन मौसम, विविधता से विविधता और स्थान से स्थान तक भिन्न होती है। तथापि, सामान्य तौर पर बैंगन के स्वस्थ फलों की 250 से 500 क्विंटल/हेक्टेयर प्राप्त की जा सकती हैं।

बहुत ही गुणकारी है टिंडे

टिंडा कुकरबिटेसी कुल परिवार की यह सब्जी बहुत ही गुणकारी है। टिंडे को गोल तरबूज, गोल लौकी भी कहा जाता है7 यह उत्तरी भारत की सबसे महत्तवपूर्ण गर्मियों की सब्जी है। टिंडे का मूल स्थान भारत है। इसके कच्चे फल सब्जी बनाने के लिए प्रयोग किए जाते हैं। इसके फल की औषधीय विशेषताएं भी हैं, सूखी खांसी और रक्त संचार सुधारने के लिए इसका उपयोग किया जाता है। टिंडे की खेती उत्तरी भारत में, विशेषकर पंजाब, हरियाणा, राजस्थान, दिल्ली, उत्तर प्रदेश, बिहार, मध्य प्रदेश और आन्ध्रप्रदेश में की जाती है।

बुवाई का समय

टिंडे की बुवाई का समय फरवरी-मार्च जायद के लिए और खरीफ की फसल के लिए जून-जुलाई में भी बोया जा सकता है।

दुरी

बीजों को क्यारियों के दोनों तरफ बोयें और 45 से.मी. दुरी का प्रयोग करें।

बीज की गहराई

बीजों को 2-3 से.मी. की गहराई में बोयें।

बुवाई का तरीका

बीजों को सीधे या समतल क्यारियों (मेड़) पर बोया जा सकता है।

बीज की मात्रा

टिंडे की एक हेक्टेयर फसल की बुवाई के लिए 5 से 6 किलोग्राम बीज की आवश्यकता होती है।

बीज उपचार

रोग नियंत्रण के लिए बीजों को बोने से पूर्व बाविस्टीन या मैंकोजेब 2 ग्राम प्रति किलोग्राम बीज के हिसाब से उपचारित करके बोना चाहिए।

खाद एवं रासायनिक उर्वरक

खेत तैयारी के समय कार्बनिक खाद के रूप में गोबर की खाद 20-25 टन प्रति हेक्टेयर व 100 किलो ग्राम नाइट्रोजन, 50 किलो ग्राम फ़ोस्फोरस व 50 किलो ग्राम पोटाश की मात्रा प्रति हेक्टेयर की दर से प्रयोग करें। सम्पूर्ण गोबर की खाद, फास्फोरस एवं पोटाश की पूरी मात्रा और नाइट्रोजन की 1/3 मात्रा को अंतिम जुताई के समय खेत में मिला देना चाहिए तथा शेष 2/3 नाइट्रोजन की मात्रा को दो बराबर भागों में बांटकर टापड्रेसिंग के रूप में प्रथम बार बुवाई के 25 से 30 दिन बाद तथा 40 से 45 दिन पर फूल आने के समय देना चाहिए।

खरपतवार नियंत्रण

खरपतवार की रोकथाम के लिए समय-समय पर आवश्यकतना अनुसार निराई-गुड़ाई करना चाहिए।

सिंचाई

ग्रीष्म कालीन फसल की प्रति सप्ताह सिंचाई करें वर्षा कालीन फसल की सिंचाई वर्षा पर निर्भर रहती है 7 फूल एवं फलन के समय खेत में उचित नमी जरूरी है। वर्षाकालीन मौसम में जल निकास की उचित व्यवस्था आवश्यक है।

फसल की कटाई

किस्म के आधार पर बुवाई के 60 दिनों में फल तुड़ाई के लिए तैयार हो जाते हैं। जब फल पक जाएं और मध्यम आकार के हो जायें तब तुड़ाई कर लें। 4-5 दिनों के फासले पर तुड़ाई करें।

उत्पादन

टिंडे की फसल का उत्पादन बीजों की गुणवत्ता, बुवाई का समय, भूमि की क़िस्म, जलवायु व ताप आदि पर निर्भर होता है, टिंडे की फसल से अनुकूल परिस्थितियों में फसल से प्रति हेक्टेयर 80 से 120 क्विंटल पैदावार मिल जाती है।

भंडारण

फल की तुड़ाई के बाद आवश्यकतानुसार फलों को किसी छायादार स्थान पर 2 से 3 दिन तक किसी टोकरी में रखकर भंडारित कर सकते हैं। इस दौरान फलों पर बीच-बीच में पानी का छिड़काव करना जरूरी होता है।

'धड़क' के बाद डिप्रेशन में चली गई थीं जाह्नवी कपूर

फिल्म धड़क की रिलीज से ठीक पहले बॉलीवुड एक्ट्रेस जाह्नवी कपूर की मां श्रीदेवी का निधन हो गया था, जिसने उन्हें अंदर तक तोड़ दिया। इस गहरे सदमे और फिल्म के बाद मिली आलोचनाओं ने उन्हें डिप्रेशन की ओर धकेल दिया था। हाल ही में एक पॉडकास्ट में बातचीत के दौरान जाह्नवी ने अपने दिल की बात खुलकर रखी। उन्होंने बताया कि साल 2018 में ईशान खट्टर के साथ बॉलीवुड में डेब्यू करना उनके लिए भावनात्मक रूप से बेहद भारी था। एक तरफ मां को खोने का दुख था, तो दूसरी ओर बाहर से मिल रही नकारात्मक प्रतिक्रियाएं, जिसने उन्हें मानसिक रूप से कमजोर कर दिया। जाह्नवी ने कहा कि भले ही आज लोग 'धड़क' को सफल फिल्म मानते हैं, लेकिन उनके लिए उस दौर की यादें काफी कड़वी हैं। उन्होंने स्वीकार किया कि फिल्म के बाद वह डिप्रेशन में चली गई थीं और उन्हें लगने लगा था कि लोग उनसे नफरत करते हैं। उनके मन में यह डर बैठ गया था कि उनका करियर शुरू होने से पहले ही खत्म हो जाएगा। एक्ट्रेस ने यह भी बताया कि उन्हें हमेशा अपनी मां से हौसला और सराहना मिलती थी। मां के जाने के बाद उन्होंने वही उम्मीद दर्शकों से लगा ली, जो पूरी नहीं हो सकी। उन्होंने कहा कि वह चाहती थीं कि लोग उन्हें तुरंत स्वीकार कर लें, लेकिन ऐसा संभव नहीं था। उनका ध्यान सिर्फ नकारात्मक बातों पर केंद्रित हो गया था, जिसके कारण वह फिल्म की सफलता को भी महसूस नहीं कर पाईं। जाह्नवी ने आगे कहा कि उस समय 'धड़क' बॉक्स ऑफिस पर बड़ी हिट साबित हुई थी, लेकिन उन्हें इसका अहसास तक नहीं हुआ। उन्हें लगातार यही लगता रहा कि वह एक खराब कलाकार हैं और लोग उन्हें पसंद नहीं करते। यही नकारात्मक सोच धीरे-धीरे उनकी हकीकत बन गई थी। गौरतलब है कि शशांक खेतान के निर्देशन में बनी 'धड़क' मराठी फिल्म सैराट की आधिकारिक रीमेक थी, जिसने बॉक्स ऑफिस पर शानदार प्रदर्शन किया था।

फिल्म नहीं, एक फोटो ने मचा दिया तहलका

बॉलीवुड सुपरस्टार सलमान खान ने हाल ही में सोशल मीडिया पर अपने पालतू डॉग सुख के साथ कुछ बेहद खास तस्वीरें साझा कर फैंस के बीच तहलका मचा दिया है। आमतौर पर दमदार एक्शन हीरो के रूप में दिखने वाले सलमान का यह सादगी और प्यार भरा अंदाज़ वायरल हो गया है। सलमान ने इन तस्वीरों को 3-55 मॉय सुख कैप्शन के साथ पोस्ट किया, जिसमें वे अपने डॉग के साथ सुकून भरे पल बिताते नजर आ रहे हैं। उनका यह प्राकृतिक और दिखावे से रहित रूप उनकी ऑन-स्क्रीन छवि से बिल्कुल अलग है, जिसे फैंस ने प्योर हैप्पीनेस बताया। इन तस्वीरों में कोई ग्लैमर या शूट नहीं है, बस सलमान की निजी जिंदगी की एक प्यारी झलक है, जिसने लाखों दिलों को छू लिया। सोशल मीडिया पर जहां ग्लैमरस तस्वीरें छाई रहती हैं, वहीं सलमान की ये सादगी भरी तस्वीरें अलग पहचान बना रही हैं। फैंस ने इन पर जमकर प्यार बरसाया है, यह साबित करते हुए कि सच्चे रिश्ते और छोटी खुशियां किसी भी फिल्म प्रमोशन से ज्यादा दिल छू लेने वाली होती हैं।

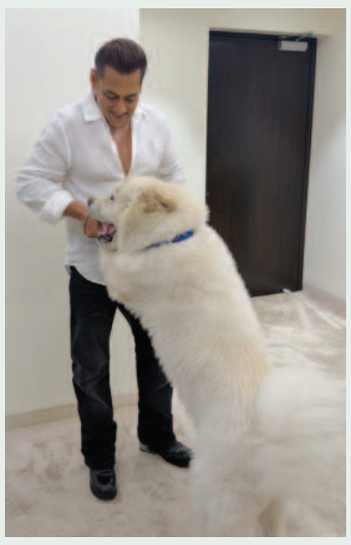

असली हीरो कैमरे के पीछे काम करने वाले लोग: सारा

बॉलीवुड की स्पाई थ्रिलर फिल्म धुरंधर- द रिवेंज की सफलता के बाद एक्ट्रेस सारा अर्जुन ने कहा कि किसी भी फिल्म की असली ताकत सिर्फ पर्दे पर नजर आने वाले कलाकार नहीं होते है, बल्कि वे लोग होते हैं जो कैमरे के पीछे रहकर पसीना बहाते हैं। एक्ट्रेस ने अपने पोस्ट में उन सभी क्रू मेंबर्स के प्रति आभार जताया, जिनकी मेहनत से यह फिल्म ब्लॉकबस्टर बन पाई। सारा अर्जुन ने बताया कि जब वह पहली बार निर्देशक आदित्य धर से मिलीं, तभी उनकी आंखों में सिनेमा के लिए कुछ बड़ा करने का जुनून नजर आ गया था। फिल्म की शूटिंग के दौरान यह विश्वास और मजबूत होता गया। लेकिन जब फिल्म पूरी हुई और उन्होंने पीछे मुड़कर देखा, तो उन्हें एहसास हुआ कि इस सपने को साकार करने में पर्दे के पीछे काम करने वाली एक पूरी टीम की अहम भूमिका रही है। उन्होंने अपने पोस्ट को 'धुरंधर' और 'धुरंधर 2' के उन गुमनाम नायकों को समर्पित किया, जिनका योगदान अक्सर नजरअंदाज हो जाता है। एक्ट्रेस ने सबसे पहले आदित्य धर और उनकी डायरेक्शन टीम का धन्यवाद किया और उन्हें इस प्रोजेक्ट का कप्तान बताया। साथ ही प्रोड्यूसर्स लोकेश धर, ज्योति मैम, जियो स्टूडियोज और बी62 स्टूडियोज की पूरी टीम की सराहना की, जिन्होंने हर चुनौती का सामना करते हुए फिल्म को पूरा किया। सारा ने फिल्म की तकनीकी टीम की भी खुलकर तारीफ की। उन्होंने डायरेक्टर ऑफ फोटोग्राफी और कैमरा टीम को धन्यवाद देते हुए कहा कि उन्होंने हर फ्रेम में फिल्म की भव्यता और आत्मा को जीवंत किया। कास्टिंग डायरेक्टर मुकेश छाबड़ा और उनकी टीम की सराहना करते हुए उन्होंने कहा कि उन्होंने किरदारों के लिए बिल्कुल सही चेहरों का चयन किया। कॉस्ट्यूम डिजाइनर स्मृति चौहान और मेकअप डिजाइनर प्रीति शील के काम की तारीफ करते हुए सारा ने कहा कि उन्होंने कपड़ों और लुक के जरिए कहानी को और गहराई दी। सारा ने लिखा कि भले ही एक्टर्स को पोस्टर पर जगह मिलती है, लेकिन असल में सिनेमा की रीढ़ यही टीम होती है। इसके अलावा सारा ने म्यूजिक टीम, एडिटर शिवकुमार पणिक्कर, वीएफएक्स टीम और ओजस गौतम के योगदान को भी सराहा।

लीजा रे को आफरीन-आफरीन गाने से मिली थी पहचान

कनाडा की खूबसूरत एक्ट्रेस और मॉडल लीजा रहे ने मॉडलिंग से करियर की शुरुआत की, बॉलीवुड में अपनी जगह बनाई। घातक कैंसर जैसी बीमारी को हराया और सरोगेसी के जरिए दो प्यारी जुड़वा बेटियों की मां बनीं। लीजा रे की कहानी सिर्फ सफलता की नहीं, बल्कि हौसले, संघर्ष और जिंदगी से कभी हार न मानने की मिसाल भी है। लीजा रे का जन्म 4 अप्रैल 1972 को कनाडा के टोरंटो में हुआ था। मात्र 16 साल की उम्र में उन्होंने मॉडलिंग की दुनिया में कदम रख दिया। साल 1996 में नुसरत फतेह अली खान के मशहूर गाने आफरीन-आफरीन में उन्होंने पहली बार स्क्रीन पर धमाल मचाया। इसके बाद उन्होंने तमिल फिल्म नेताजी से अभिनय की शुरुआत की। साल 2001 उनके करियर का टर्निंग पॉइंट साबित हुआ जब उन्होंने आफताब शिवदासानी के साथ हिंदी फिल्म कसूर से बॉलीवुड एंट्री की। इस थ्रिलर फिल्म में उनकी एक्टिंग और खूबसूरती दोनों को खूब सराहा गया। गानों में भी वे काफी प्रभावशाली नजर आईं। इसके बाद साल 2004 में दीपा मेहता की फिल्म वॉटर आई, जो ऑस्कर के लिए नामांकित हुई। इस फिल्म ने लीजा को अंतरराष्ट्रीय स्तर पर पहचान दिलाई और उनकी एक्टिंग स्किल्स को नई ऊंचाई दी। लीजा रे की जिंदगी आसान नहीं रही। साल 2009 में उन्हें मल्टीपल मायलोमा नामक ब्लड कैंसर का पता चला। यह बीमारी बहुत खतरनाक होती है और ज्यादातर लोग इससे हार मान लेते हैं। लेकिन लीजा ने हिम्मत नहीं हारी। उन्होंने इलाज कराया और साल 2010 में स्टेम सेल ट्रांसप्लांट कराकर इस बीमारी पर जीत हासिल की। कैंसर से उबरने के बाद भी वे दवाइयों पर निर्भर रहीं, लेकिन अपनी जिंदगी को नई दिशा देने में लगी रहीं। कैंसर पर काबू पाने के बाद लीजा ने बॉलीवुड में वापसी की। साल 2015-2016 में रिलीज हुई फिल्म इश्क फॉरएवर से उन्होंने फिर से दर्शकों का ध्यान खींचा।

इसके अलावा उन्होंने वीरप्पन जैसी फिल्म में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। अपनी मेहनत और सकारात्मक सोच की वजह से वह आज भी इंडस्ट्री में सक्रिय हैं। निजी जिंदगी में भी लीजा ने कई चुनौतियों का सामना किया। कैंसर के इलाज की वजह से उनकी प्राकृतिक मातृत्व की संभावना प्रभावित हो गई थी। लेकिन उन्होंने हार नहीं मानी। साल 2012 में उन्होंने जेसन देहनी से शादी की। इसके बाद दंपति ने सरोगेसी का रास्ता चुना। साल 2018 में जॉर्जिया के टिबिलिसी में सरोगेसी के जरिए उनकी दो जुड़वा बेटियां हुईं, जिनका नाम उन्होंने सूफी और सोलेल रखा। लीजा ने खुद इंस्टाग्राम पर इस खुशी को शेयर किया था। उन्होंने लिखा था कि मां बनने की खुशी शब्दों में बयां नहीं की जा सकती।

टच बडी में नया पहलू एक्सप्लोर करने का मौका मिला : जोनिता गांधी

डकैत अ लव स्टोरी के गाने के बारे में प्लेबैक सिंगर जोनिता गांधी ने खुलकर बात की है। पवन सिंह के साथ गाए गए नए गाने 'टच बडी' को लेकर जोनिता का मानना है कि इस गाने के जरिए कलाकार के तौर पर एक नए पहलू को एक्सप्लोर करने का मौका मिला। उन्होंने बताया कि यह गाना उनके लिए एक नया और रोमांचक अनुभव था, जिसने उन्हें खास तौर पर आकर्षित किया।
जोनिता गांधी इस समय अपनी कलात्मक यात्रा के एक नए दौर में हैं। वे अब सिर्फ आवाज देने तक सीमित नहीं रहना चाहतीं, बल्कि स्क्रीन पर भी पूरी तरह छा जाना चाहती हैं। 'टच बडी' में उन्होंने न सिर्फ गाया है, बल्कि पूरे आत्मविश्वास के साथ डांस परफॉर्मेंस भी किया है। जोनिता ने कहा, 'यह मेरे लिए बिल्कुल नया अनुभव था। मुझे डांस करना बहुत पसंद है, इसलिए इस गाने की ओर मैं खिंची चली गई। मैंने इसे एक किरदार निभाने के रूप में अपनाया। यह मेरी अपनी असलियत का विस्तार नहीं था, बल्कि एक कलाकार के रूप में मुझे एक नया पहलू एक्सप्लोर करने का मौका मिला।' उन्होंने आगे कहा, 'एक कलाकार के तौर पर मैं खुद के और भी कई पहलुओं को एक्सप्लोर कर रही हूं। अभी और भी बहुत कुछ आने वाला है। मैंने तो अभी बस शुरुआत की है।
अपना प्यार और साथ बनाए रखिएगा।' गाने में जोनिता एक स्टाइलिश, चंचल और आत्मविश्वास से भरपूर अंदाज में नजर आ रही हैं। उनका 'ग्रूव', एटीट्यूड और सहजता इस ट्रैक का मुख्य आकर्षण है। गाने का तेलुगु वर्जन भी रिलीज हो चुका है, जिसमें उनके साथ राम मिरियाला नजर आ रहे हैं। दोनों भाषाओं के कलाकारों के बीच शानदार तालमेल देखने को मिल रहा है। 'टच बडी' गाना फिल्म 'डकैत- अ लव स्टोरी' का गाना है। फिल्म में आदिवि शेष, अनुराग कश्यप और मृणाल ठाकुर मुख्य भूमिकाओं में हैं। फिल्म का निर्देशन शेनिल देव ने किया है। यह एक बाइलिंगुअल प्रोजेक्ट है, जिसे हिंदी और तेलुगु दोनों भाषाओं में शूट किया गया है। कहानी दो पुराने प्रेमियों के इर्द-गिर्द घूमती है, जो दोबारा मिलकर कई चोरियां करते हैं।

बच्चों की मासूमियत ने दिल को छू लिया अमिताभ के, हुए भावुक

सदी के महानायक अमिताभ बच्चन अपने घर 'जलसा' के बाहर हर रविवार फैंस से मुलाकात करने की परंपरा निभाते आ रहे हैं। ऐसी ही एक मुलाकात अमिताभ बच्चन के लिए बेहद भावुक पल लेकर आई, जिसका जिक्र उन्होंने अपने ब्लॉग पोस्ट में किया है। उन्होंने इस दौरान कुछ तस्वीरें भी साझा कीं, जिनमें छोटे-छोटे बच्चे नजर आ रहे हैं, जिनकी मासूमियत ने अभिनेता का दिल छू लिया।
अमिताभ बच्चन ने अपने ब्लॉग में लिखा कि जब वह अपने फैंस से मिले तो उनकी आंखें नम हो गईं। उन्होंने भावुक होकर कहा कि समझ नहीं आता कि उन्होंने ऐसा क्या किया है कि इतने वर्षों बाद भी लोगों का इतना स्नेह और सम्मान उन्हें लगातार मिलता रहता है। उन्होंने खास तौर पर बच्चों की मासूमियत का जिक्र करते हुए लिखा कि इन नन्हे चेहरों को शायद यह भी नहीं पता कि वे यहां क्यों आए हैं, लेकिन उनके चेहरे की मुस्कान दिल को गहराई से छू जाती है। उन्होंने आगे चिंता जताई कि जैसे-जैसे ये बच्चे बड़े होंगे, जीवन की सच्चाइयों से उनका सामना होगा, जो आसान नहीं होगा। अभिनेता ने लिखा कि यह सोचकर दुख होता है कि आने वाले समय में दुनिया कैसी होगी और हम अगली पीढ़ी के लिए कैसा समाज छोड़कर जा रहे हैं। उन्होंने इस बात पर भी सवाल उठाया कि क्या ये बच्चे भविष्य की चुनौतियों का सामना कर पाएंगे या नहीं। इसी भावुक पोस्ट के अंत में अमिताभ बच्चन ने अपने एक करीबी रिश्तेदार के निधन की जानकारी भी साझा की। उन्होंने कहा कि इस दुखद खबर ने उनके मन को और अधिक व्यथित कर दिया है और अब केवल शोक ही व्यक्त किया जा सकता है। गौरतलब है कि इससे एक दिन पहले उन्होंने अपने ब्लॉग में एक 'आलसी' दिन का जिक्र किया था। उन्होंने लिखा था कि बिना किसी खास वजह के दिनभर काम न करने से उन्हें असहज महसूस होता है। नियमित दिनचर्या में बदलाव से उनकी आदतें भी प्रभावित होती हैं।

भूत बंगला डर के साथ डबल डोज कॉमेडी

अक्षय कुमार और प्रियदर्शन की बहुप्रतीक्षित हॉरर-कॉमेडी फिल्म भूत बंगला का ट्रेलर आखिरकार रिलीज़ हो गया है। चार्ट-बस्टर गानों और टीज़र के बाद आया यह ट्रेलर, डर और कॉमेडी का एक शानदार डबल डोज पेश करता है, जो दर्शकों को भरपूर मनोरंजन का वादा कर रहा है। ट्रेलर एक ठोस और दिलचस्प कहानी दिखाता है जहाँ अक्षय कुमार अपनी उसी पुरानी फॉर्म में वापस आ गए हैं जिसमें वो सबसे माहिर हैं। अक्षय, परेश रावल और राजपाल यादव की गोल्डन तिकड़ी के साथ असरानी के कॉमेडी के तड़के ने सबका दिल जीत लिया है। ट्रेलर साबित करता है कि ऐसी कॉमेडी केवल हॉरर-कॉमेडी जॉनर के दिग्गज ही पेश कर सकते हैं, और दर्शक इस अंदाज़ में अक्षय कुमार को काफी मिस कर रहे थे। भूत बंगला 2026 की सबसे बहुप्रतीक्षित फिल्मों में से एक है, क्योंकि यह 14 साल बाद बॉलीवुड की आइकॉनिक एक्टर-डायरेक्टर जोड़ी, अक्षय कुमार और प्रियदर्शन को वापस ला रही है। बालाजी मोशन पिक्चर्स और केप ऑफ गुड फिल्म्स द्वारा निर्मित इस फिल्म में अक्षय कुमार, वामिका गब्बी, परेश रावल, तब्बू, राजपाल यादव, जीशु सेनगुप्ता और मिथिला पालकर जैसे कलाकार नजर आएंगे।

पुलिस का किरदार निभाना मेरे लिए स्वाभाविक : कविता कौशिक

ज्वालाबाद शहर की पृष्ठभूमि पर आधारित वेब सीरीज 'कप्तान' में एसएसपी समरदीप सिंह की कहानी को प्रमुखता से दिखाया गया है। सीरीज में कविता कौशिक ने डीएसपी प्रीत का किरदार निभाया है, जो एक सख्त और आत्मविश्वासी महिला पुलिस अधिकारी है। अपने किरदार को लेकर अभिनेत्री ने हाल ही में बातचीत के दौरान बताया कि उन्हें इस भूमिका में ढलने के लिए ज्यादा मेहनत नहीं करनी पड़ी। उन्होंने कहा कि उनका पारिवारिक माहौल ही पुलिस से जुड़ा रहा है, क्योंकि उनके पिता पुलिस अधिकारी थे। बचपन से उसी वातावरण में पली-बढ़ी होने के कारण यह किरदार उनके लिए बेहद सहज और स्वाभाविक बन गया। उन्होंने यह भी कहा कि चाहे उनका लोकप्रिय किरदार चंद्रमुखी चौटाला हो या फिर डीएसपी प्रीत, पुलिस अधिकारी की झलक उनके अभिनय में अपने आप दिखाई देती है।
अभिनेत्री ने सीरीज की पूरी टीम की सराहना करते हुए कहा कि उन्हें इस प्रोजेक्ट से जुड़ना इसलिए आसान लगा क्योंकि इसके पीछे एक मजबूत टीम थी। उन्होंने निर्देशक, निर्माताओं और प्लेटफॉर्म की तारीफ करते हुए कहा कि जब सभी चीजें सही लगती हैं, तो किसी प्रोजेक्ट को हां कहना मुश्किल नहीं होता। साथ ही उन्होंने अपने सह-कलाकारों की मेहनत और अनुशासन की भी खुलकर प्रशंसा की। शूटिंग के अनुभव पर बात करते हुए कविता ने कहा कि उन्हें व्यक्तिगत तौर पर किसी सीन को करने में ज्यादा कठिनाई नहीं हुई, लेकिन अन्य कलाकारों ने बेहद चुनौतीपूर्ण परिस्थितियों में भी शानदार एक्शन सीन दिए। उनका समर्पण और फिटनेस देखकर वह काफी प्रभावित हुईं और उन्होंने उनसे बहुत कुछ सीखा।
उन्होंने यह भी स्वीकार किया कि उनकी भूमिका अन्य कलाकारों की तुलना में थोड़ी सहज थी। महिला पुलिस अधिकारियों को कम महत्व दिए जाने के सवाल पर अभिनेत्री ने बेबाकी से कहा कि उन्होंने अपने करियर में कभी खुद को नजरअंदाज महसूस नहीं किया। उनका मानना है कि उन्हें जो भी अवसर मिलता है, वह उसमें अपना सर्वश्रेष्ठ देने की कोशिश करती हैं और स्क्रीन टाइम के बजाय अपने काम के प्रभाव पर ध्यान केंद्रित करती हैं। इस सीरीज में साकिब सलीम के साथ सिद्धार्थ निगम, कविता कौशिक और अंजुम शर्मा जैसे अनुभवी कलाकार अहम भूमिकाओं में नजर आ रहे हैं।

मुंबई एयरपोर्ट के टर्मिनल-1 में आग, समय रहते पाया काबू

-रनवे क्षेत्र से उठा धुआं तो कुछ उड़ानें अस्थायी रूप से रोकीं

मुंबई (एजेंसी)। छत्रपति शिवाजी महाराज इंटरनेशनल एयरपोर्ट के टर्मिनल-1 पर गुरुवार शाम अचानक आग लगने से अफरा-तफरी मच गई। घटना की सूचना मिलते ही फायर ब्रिगेड और इमरजेंसी टीमें मौके पर पहुंचीं और कुछ ही समय में आग पर काबू पा लिया गया। राहत की बात यह रही कि इस हादसे में किसी के घायल होने की खबर नहीं है। एयरपोर्ट प्रवक्ता के अनुसार, आग शाम करीब 6:10 बजे लगी। शुरुआती जांच में शॉर्ट सर्किट को आग लगने की संभावित वजह माना जा रहा है। आग ग्राउंड फ्लोर स्थित पावर हाउस के सीलिंग लेवल तक सीमित रही, लेकिन वहां मौजूद इलेक्ट्रिक ट्रे, वायरिंग, केबल, इंस्टॉलेशन और इलेक्ट्रिक पैनल को नुकसान पहुंचा। सुरक्षा के मद्देनजर एयरपोर्ट के सभी गेट कुछ समय के लिए बंद कर दिए गए, जिससे यात्रियों की लंबी कतारें लग गईं। टर्मिनल-1 से संचालित कुछ उड़ानों को एहतियातन रोका गया, जिससे फ्लाइट संचालन प्रभावित हुआ। फिलहाल स्थिति सामान्य कर दी गई है और अधिकारियों ने आग लगने के कारणों की विस्तृत जांच शुरू कर दी है।

तीन लड़कियों की मौत की वजह बनी सेल्फी... झरने के पास काई में पैर पिसलने से गहरे पानी में गिरी

अल्लूरी (एजेंसी)। आंध्र प्रदेश के अल्लूरी सीताराम राजू जिले में बेहद दर्दनाक हादसा हुआ है, इस घटना ने पूरे क्षेत्र को हिला दिया। विशाखापत्तनम के पास स्थित घटना में पिकनिक मनाने गई चार सहेलियों में से तीन की झरने के तेज बहाव में डूबने से मौत हो गई, जबकि एक लड़की को लोगों की मदद से सुरक्षित बचाया गया। जानकारी के अनुसार, जंबुवलसा गांव की चार सहेलियां अपनी परीक्षाएं खत्म होने के बाद पास की पहाड़ियों में स्थित मुलागुम्मी झरने घूमने गई थीं। सभी लड़कियां खुश और उत्साहित थीं और पिकनिक का आनंद लेकर झरने के पास पहुंचीं। शुरुआत में सब कुछ सामान्य था, लेकिन जल्द ही यह खुशी का पल एक भयानक हादसे में बदल गई। बताया जा रहा है कि 17 वर्षीय त्रिशा, 16 वर्षीय रत्नकुमारी और 16 वर्षीय पवित्रा झरने के बेहद करीब फिसलन भरी चट्टानों पर खड़ी होकर सेल्फी ले रही थीं। तभी चट्टानों पर जमी काई की वजह से संतुलन बिगड़ने के कारण तीनों लड़कियां अचानक गहरे और तेज बहाव वाले पानी में गिर गईं। चौथी सहेली ने मदद की कोशिश की, लेकिन वह खुद सुरक्षित बाहर नहीं निकल सकी। झरने के पास मौजूद लोगों ने लड़कियों की चीखें सुनकर तुरंत मदद के लिए दौड़ लगाई। ग्रामीणों ने साहस दिखाकर एक लड़की को किसी तरह बाहर निकाल कर अस्पताल में भर्ती कराया, जहां उसकी हालत गंभीर है। हालांकि, बाकी तीन लड़कियां तेज बहाव में बह गईं और उनकी जान नहीं बचाई जा सकी। सूचना मिलने पर पुलिस और गोताखोरों की टीम मौके पर पहुंची और घंटों की तलाश के बाद तीनों लड़कियों के शव बरामद किए गए।

अमरनाथ यात्रा के लिए 15 अप्रैल से शुरू होगा पंजीकरण, आधार कार्ड रखना जरूरी

नई दिल्ली (एजेंसी)। बाबा अमरनाथ यात्रा के लिए पंजीकरण 15 अप्रैल से शुरू होगा। पंजीकरण की अंतिम तिथि 20 मई है। श्री अमरनाथ श्राइन बोर्ड ने इसकी घोषणा की है। यह पंजीकरण देश भर के तय बैंक शाखाओं में होगा। यात्रा परमिट 'पहले आओ, पहले पाओ' के आधार पर मिलेगा। अमरनाथ यात्रा की तारीख जल्द सामने आएगी। देश के कुल 554 बैंक शाखाओं में पंजीकरण होगा। हर बैंक शाखा को रोज एक तय संख्या दी गई है। हर रास्ते के लिए अलग कोटा होगा। 13 साल से कम उम्र के बच्चों का पंजीकरण नहीं होगा। 70 साल से ज्यादा उम्र के लोगों का भी पंजीकरण नहीं होगा। 6 हफ्ते से ज्यादा गर्भवती महिलाओं का भी पंजीकरण नहीं होगा । इस बार पंजीकरण आधार से होगा। हर यात्री को बायोमैट्रिक ई-केवाईसी के बाद परमिट मिलेगा। यह प्रक्रिया एनआईसी पोर्टल पर होगी। अगर तकनीकी समस्या आई, तब मैनुअल तरीका भी अपनाया जाएगा। यात्रा के इच्छुक लोग बैंक में फोटो और डेटा लेकर पंजीकरण कर सकते है। पंजीकरण के लिए आधार कार्ड जरूरी है। हेल्थ सर्टिफिकेट भी जरूरी होगा। मोदी और राज्य सरकार की कोशिश रहेगी इस यात्रियों को बेहतर सुविधाएं मिल पाए। यात्रा को आरामदायक बनाने पर जोर है। साथ में सुरक्षा का भी पूरा ध्यान रखा जाएगा।

आतंकी दाग से बेदाग हुए कर्नल पुरोहित बनेंगे ब्रिगेडियर, सेना ने लगाई प्रमोशन पर मुहर

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारतीय सेना ने एक ऐतिहासिक और भावुक फैसले में कर्नल श्रीकांत पुरोहित को ब्रिगेडियर रैंक पर पदोन्नत करने की मंजूरी दे दी है। यह फैसला कर्नल पुरोहित के लिए किसी पुनर्जन्म से कम नहीं है, क्योंकि उन्होंने अपने जीवन के करीब दो दशक कानूनी लड़ाइयों और जेल की सलाखों के पीछे बिताए हैं। 2008 के मालेगांव विस्फोट मामले में आरोपी बनाए जाने के बाद उनका चमकता हुआ सैन्य करियर पूरी तरह पटरी से उतर गया था। हालांकि, लंबी कानूनी जंग के बाद अब सेना ने उन्हें उनका हक देने का फैसला किया है।

कर्नल पुरोहित मूल रूप से 31 मार्च, 2026 को सेवानिवृत्त होने वाले थे, लेकिन उनकी किस्मत ने तब करवट ली जब सशस्त्र बल न्यायाधिकरण (एएफटी) ने उनकी याचिका पर सुनवाई करते हुए उनकी रिटायरमेंट पर रोक लगा दी। ट्रिब्यूनल ने माना कि पुरोहित के साथ न्याय होना बाकी है। 31 जुलाई, 2025 को मुंबई की एक विशेष एनआईए अदालत ने उन्हें सभी आरोपों से ससम्मान बरी कर दिया था, जिसके बाद उनके प्रमोशन का रास्ता साफ हुआ। कोर्ट ने स्पष्ट किया था कि उनके खिलाफ सबूतों का अभाव है और अभियोजन पक्ष की कहानी विरोधाभासों से भरी थी। सेना के सूत्रों का कहना है कि यह प्रमोशन कर्नल पुरोहित के उन खोए हुए सालों की भरपाई है जो उन्होंने ट्रायल के दौरान गंवा दिए। यदि यह विवाद न होता, तो वे अब तक मेजर जनरल के पद तक पहुंच चुके होते। उनके बैच के साथी आज सेना में शीर्ष नेतृत्व संभाल रहे हैं। इस प्रमोशन के बाद अब वे ब्रिगेडियर के रूप में अपनी सेवाएं देंगे। एक समय में आतंकी कहे जाने वाले अधिकारी का एक सीनियर कमांडर के तौर पर वापस लौटना भारतीय सैन्य इतिहास की सबसे चर्चित वापसी में से एक है।

यूपी में एसआईआर की प्रक्रिया पूरी, मतदाता सूची से हटाए गए दो करोड़ से अधिक नाम

लखनऊ (एजेंसी)। उत्तर प्रदेश में विशेष प्रगाढ़ पुनरीक्षण (एसआईआर) 2026 की प्रक्रिया सफलतापूर्वक पूरी हो गई है। इस व्यापक अभियान के दौरान प्रदेश में दो करोड़ से अधिक मतदाताओं के नाम सूची से डिलीट किए गए हैं। मुख्य निर्वाचन अधिकारी नवदीप रिनवा ने बताया कि अंतिम मतदाता सूची का प्रकाशन 10 अप्रैल 2026 को कर दिया गया है। यह प्रक्रिया पूरे देश में एक साथ संचालित की गई।

उन्होंने बताया कि प्रदेश में गणना चरण 4 नवंबर 2025 से 26 दिसंबर 2025 तक चला, जबकि दावे और आपत्तियों के लिए 6 जनवरी से 6 मार्च 2026 तक का समय दिया गया था। इसके बाद 27 मार्च तक सभी दावों और आपत्तियों का निस्तारण किया गया। रिनवा ने कहा कि कोई भी मतदाता निर्वाचन आयोग की वेबसाइट पर अपना नाम देख सकता है। जिनका नाम सूची में नहीं है, वे फॉर्म-6 भरकर पुनः पंजीकरण करा सकते हैं।

उन्होंने भरोसा दिलाया कि किसी को चिंता करने की आवश्यकता नहीं है। उन्होंने बताया कि इस अभियान में सभी राजनीतिक दलों के प्रतिनिधियों, बूथ लेवल एजेंटों और आम जनता का व्यापक सहयोग मिला। साथ ही प्रिंट, इलेक्ट्रॉनिक और डिजिटल मीडिया ने भी जागरूकता फैलाने में अहम भूमिका निभाई। उन्होंने बताया कि 166 दिनों तक चले इस अभियान को सफल बनाने में प्रदेश के सभी 75 जनपदों के जिला निर्वाचन अधिकारियों, 403 निर्वाचक रजिस्ट्रीकरण अधिकारियों, 12,758 सहायक अधिकारियों, 18,026 बीएलओ सुपरवाइजरों और 1,77,516 बीएलओ ने सक्रिय भागीदारी निभाई। इसके अलावा 5,82,877 बूथ लेवल एजेंटों ने भी सहयोग दिया। रिनवा ने बताया कि अंतिम मतदाता सूची के अनुसार कुल मतदाता 13,39,84,792 हैं जिसमे पुरुष मतदाता 7,30,71,061 (54.54 फीसदी) और महिला मतदाताः 6,09,09,525 (45.46 फीसदी) हैं। उन्होंने कहा कि 6 जनवरी 2026 को प्रकाशित मसौदा सूची में कुल 12,55,56,025 मतदाता शामिल थे, जिनमें 6,88,43,159 पुरुष (54.83 फीसदी), 5,67,08,747 महिलाएं (45.17 फीसदी) और 4,119 तृतीय लिंग मतदाता शामिल थे। 18-19 आयु वर्ग के मतदाताओं की संख्या 3,33,981 रही, जबकि जेंडर रेशियो 824 दर्ज किया गया। मतदाता वृद्धि के मामले में प्रयागराज, लखनऊ, बरेली, गाजियाबाद और जौनपुर जिले आगे रहे। वहीं साहिबाबाद, जौनपुर, लखनऊ पश्चिम और फिरोजाबाद विधानसभा क्षेत्रों में मतदाताओं की संख्या में सर्वाधिक वृद्धि दर्ज की गई।

राज्यसभा जाने पर बोले अखिलेश.... हम चाहते थे नीतीश पीएम बनकर रिटायर हों, सपा प्रमुख ने एनडीए पर साधा निशाना

नई दिल्ली (एजेंसी)। बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के राज्यसभा सदस्य के रूप में शपथ लेने के बाद सियासी बयानबाजी तेज हो गई है। समाजवादी पार्टी के प्रमुख अखिलेश यादव ने इस पर प्रतिक्रिया देते हुए कहा कि विपक्षी गठबंधन की इच्छा थी कि नीतीश कुमार प्रधानमंत्री बनकर राजनीति से रिटायर हों, लेकिन अब हालात कुछ और ही दिशा में जाते दिख रहे हैं। सपा सांसद अखिलेश यादव ने कहा कि 'इंडिया गठबंधन के कई सहयोगी चाहते थे कि नीतीश कुमार प्रधानमंत्री बनें और उसी पद से रिटायर हों, लेकिन अब ऐसा लगता है कि वे राज्यसभा सदस्य के रूप में ही रिटायर होंगे।' उन्होंने इसे जनता के साथ 'बड़ा धोखा' करार दिया। गौरतलब है कि सपा प्रमुख ने इससे पहले भी अपने एक बयान में कहा था, कि उनकी पार्टी हमेशा चाहती थी कि विपक्ष का कोई मजबूत चेहरा प्रधानमंत्री बने। उन्होंने उदाहरण देते हुए बताया कि जब समाजवादी पार्टी ने बहुजन समाज पार्टी के साथ गठबंधन किया था, तब भी उनकी इच्छा थी कि मायावती प्रधानमंत्री बनें। उसी तरह, जब इंडिया गठबंधन का गठन हुआ तो उस समय भी कई दलों की इच्छा थी कि नीतीश कुमार इस भूमिका में सामने आएं। अखिलेश यादव ने भारतीय जनता पार्टी पर निशाना साधते हुए कहा कि बिहार की राजनीति में ऐसे हालात बनाए गए हैं कि अब नीतीश कुमार का राजनीतिक सफर राज्यसभा सदस्य के रूप में समाप्त होता दिख रहा है।

हिमाचल हाईकोर्ट से कांग्रेस नेता अभिषेक मनु सिंघवी को झटका

शिमला। कांग्रेस नेता अभिषेक मनु सिंघवी को हिमाचल हाईकोर्ट से झटका लगा है। राज्यसभा चुनाव में भाजपा नेता हर्ष महाजन के निर्वाचन को लेकर कांग्रेस नेता सिंघवी ने याचिका दाखिल की थी। इस मामले में सिंघवी ने आवेदन दाखिल कर महाजन की ओर से दी गई गवाहों की सूची और क्रॉस एगजामिनेशन को लेकर आवेदन दाखिल किया था। हिमाचल हाईकोर्ट ने सिंघवी के उक्त आवेदन को खारिज किया। साथ ही अदालत ने महाजन की तरफ से पेश की गई गवाहों की सूची को वैध माना है। हाईकोर्ट ने कहा है कि चुनाव से जुड़े ट्रायल में गवाह आवश्यक हैं। उल्लेखनीय है कि सिंघवी ने अपने आवेदन में हाईकोर्ट के समक्ष आग्रह किया था कि केस में गवाहों की जरूरत नहीं है और न ही किसी प्रकार के विस्तृत साक्ष्यों की जररुत है। हाईकोर्ट ने सिंघवी के इस आवेदन को खारिज किया। हाईकोर्ट ने कहा कि चुनाव याचिका एक ट्रायल बेस्ड प्रोसीडिंग है। इसमें साक्ष्यों के साथ-साथ गवाहों की भूमिका भी अत्यंत आवश्यक है। अदालत ने कहा कि भाजपा नेता महाजन की तरफ से पेश की गई गवाहों की सूची प्रक्रिया के अनुरूप उचित और वैलिड है। यहां बता दें कि 10 मार्च को हाईकोर्ट ने इस आवेदन के संदर्भ में अपना फैसला सुरक्षित किया था।

आईटी कंपनी में गंदा खेल! पुलिस वेश बदलकर दबोचे यौन शोषण और जबरन धर्मांतरण कराने वाले

कोलकाता (एजेंसी)। नासिक,(ईएमएस)। महाराष्ट्र के नासिक में एक मल्टीनेशनल आईटी कंपनी के भीतर चल रहे रेप, यौन शोषण और जबरन धर्मांतरण के सनसनीखेज रैकेट का पुलिस ने बड़ा पर्दाफाश किया है। इस मामले में पुलिस ने सातवीं गिरफ्तारी करते हुए कंपनी की एचआर मैनेजर को सलाखों के पीछे पहुँचा दिया है। आरोप है कि एचआर ने पीड़ित महिला कर्मचारियों की शिकायतों को लगातार नजरअंदाज किया और इस घिनौने खेल को फलने-फूलने का मौका दिया। यदि समय रहते एक्शन लिया गया होता, तो कई महिलाओं को इस मानसिक और शारीरिक प्रताड़ना से बचाया जा सकता था। पुलिस ने वेश बदलकर आरोपियों को दबोचा और पूरे मामले का पर्दाफाश किया।

इस हाई-प्रोफाइल मामले की जांच किसी फिल्मी पटकथा से कम नहीं रही। शिकायतें मिलने के बाद जब पुलिस को मामले की गंभीरता का अहसास हुआ, तो नासिक पुलिस ने एक गुप्त मिशन तैयार किया। सात महिला पुलिसकर्मियों की एक विशेष टीम ने अपनी पहचान छिपाकर और वेश बदलकर कंपनी के भीतर एंट्री ली। कई दिनों तक कर्मचारी बनकर रहने के दौरान इन महिला अधिकारियों ने संदिग्धों की अश्लील हरकतों और धर्मांतरण के दबाव को रंगे हाथों पकड़ा। पुलिस ने लगभग 40 सीसीटीवी कैमरों के फुटेज खंगाले, जिनमें आरोपियों की काली करतूतों के पुख्ता सबूत मिले हैं।

अब तक इस मामले में कुल सात गिरफ्तारियां हो चुकी हैं और मुंबई नाका पुलिस थाने में नौ अलग-अलग मामले दर्ज किए गए हैं। पुलिस अब गिरफ्तार एचआर मैनेजर से यह उगलवाने की कोशिश कर रही है कि इस नेक्सस के पीछे और कौन-कौन से बड़े नाम शामिल हैं। क्या यह केवल एक कंपनी तक सीमित मामला है या इसके तार किसी बड़े अंतरराष्ट्रीय धर्मांतरण गिरोह से जुड़े हैं? इस घटना ने कॉरपोरेट जगत में महिला सुरक्षा पर बड़े सवाल खड़े कर दिए हैं और प्रशासन अब जिले की अन्य कंपनियों पर भी कड़ी नजर रख रहा है।

कांग्रेस नेता पवन खेड़ा को तेलंगाना हाईकोर्ट ने एक सप्ताह की अंतरिम जमानत दी

नई दिल्ली (एजेंसी)। कांग्रेस नेता और राष्ट्रीय प्रवक्ता पवन खेड़ा को बड़ी राहत मिली है। तेंलगाना की अदालत ने उन्हें एक सप्ताह की अंतरिम जमानत दे दी है। तेलंगाना हाईकोर्ट ने स्पष्ट किया है कि नियमित जमानत के लिए उन्हें निर्धारित समय के अंदर सक्षम अदालत के पास जाना होगा। मामले में फैसला न्यायमूर्ति के. सुजाना ने सुनाया, जिन्होंने एक दिन पहले कांग्रेस नेता की याचिका पर सुनवाई की थी। यह आदेश उस समय में आया है जब कांग्रेस प्रवक्ता खेड़ा 7 अप्रैल से जांच एजेंसियों की नजरों से दूर बताए जा रहे थे। दरअसल, असम और दिल्ली पुलिस के साथ मिलकर खेड़ा से पूछताछ करने उनके दिल्ली स्थिति आवास पर पहुंची थी, लेकिन वे वहां मौजूद नहीं मिले। यह कार्रवाई उस मामले में हो रही थी जिसमें कांग्रेस नेता खेड़ा ने असम के मुख्यमंत्री हिमंता बिस्वा सरमा की पत्नी पर तीन विदेशी पासपोर्ट रखने का आरोप लगाया था।

इस बीच, कांग्रेस नेता खेड़ा ने अग्रिम जमानत के लिए तेलंगाना हाईकोर्ट का दरवाजा खटखटाया था। उन्होंने अदालत में अपना आवासीय पता हैदराबाद बताकर गिरफ्तारी की स्थिति में राहत देने की मांग की। बताया जा रहा है कि उनका तेलंगाना से पारिवारिक संबंध है और हैदराबाद में उनका निजी निवास भी है। साथ ही, राज्य में कांग्रेस की सरकार होने को भी इस कदम से जोड़कर देखा जा रहा है।

मामले ने तूल तब पकड़ा जब खेड़ा ने प्रेसवार्ता में मुख्यमंत्री सरमा और उनकी पत्नी रिनिकी सरमा पर गंभीर आरोप लगाए। खेड़ा ने दावा किया कि रिनिकी के पास तीन अलग-अलग देशों के पासपोर्ट हैं और उनके समर्थकों के पास इसतरह के दस्तावेज हैं जो इस कथित खुलासे को साबित करते हैं। उन्होंने इस स्वतंत्र भारत की राजनीति में एक बड़ा मामला बताया।

हालांकि, सीएम सरमा ने इन आरोपों को सिरे से खारिज कर पूरी तरह निराधार, दुर्भावनापूर्ण और राजनीतिक रूप से प्रेरित बताया। उन्होंने कहा कि खेड़ा जनता को गुमराह करने की कोशिश कर रहे हैं। इससे पहले सरमा ने तंज कसते हुए कहा था कि जो व्यक्ति पहले गिरफ्तारी की चुनौती दे रहा था, वहीं अब जांच से बचने के लिए हैदराबाद चला गया है। तब सीएम हिमंता ने कहा था कि वह और उनकी पत्नी अगले 48 घंटों के भीतर खेड़ा के खिलाफ

आपराधिक और दीवानी, दोनों तरह के मानहानि के मुकदमे दायर करने वाले है।

सुनवाई के दौरान खेड़ा का प्रतिनिधित्व कर रहे कांग्रेस नेता अभिषेक मनु सिंघवी ने तर्क दिया कि यह मामला असम सरकार की राजनीतिक बदले की भावना का परिणाम है। हालांकि, असम सरकार के वकील जनरल देवजीत सैकिया ने इस बात से इंकार किया। वकील सैकिया ने कहा कि खेड़ा की याचिका तेलंगाना उच्च न्यायालय में सुनवाई योग्य नहीं है, लेकिन कांग्रेस नेता ने हैदराबाद स्थित अपना आवासीय पता प्रस्तुत किया।

सिंघवी ने तर्क दिया कि कांग्रेस नेता खेड़ा समाज में गहरी जड़ें जमा चुके हैं और एक प्रमुख राजनीतिक हस्ती हैं। हम संवैधानिक मनमानी के युग में नहीं जी रहे हैं। हम इसतरह युग में नहीं जी रहे हैं जहां बंदूक निकालकर असम से 100 लोगों को निजामुद्दीन (खेड़ा को गिरफ्तार करने के लिए) भेजा जाए, जबकि शिकायत में मानहानि का आरोप लगाया गया है। जवाब में, सैकिया ने कहा कि असम कोई लोकतांत्रिक गणराज्य नहीं है और पूर्वोत्तर राज्य में कानून का पालन होता है।

राघव चड्ढा ने वीडियो जारी कर दिया अपने विरोधियों को जबाव

नई दिल्ली (एजेंसी)। राज्यसभा सांसद राघव चड्ढा ने अपने संसदीय प्रदर्शन पर सवाल उठाने वालों को सोशल मीडिया के माध्यम से जबाव दिया। उन्होंने कहा कि वे आलोचनाओं का जवाब शब्दों से नहीं, बल्कि अपने काम से देना पसंद करते हैं। वीडियो में उन्होंने कई अहम विषयों को प्रमुखता से उठाया है, जिसमें डेटा प्राइवेसी, पितृत्व अवकाश को कानूनी अधिकार बनाने की मांग और बैंकों द्वारा न्यूनतम बैलेंस पर लगाने वाले जुर्माने को समाप्त करने जैसे जनहित के मुद्दे शामिल हैं। इसके अलावा खाद्य मिलावट, 28 दिन के मोबाइल रिचार्ज प्लान, एयरलाइंस के अतिरिक्त बैगेज शुल्क और पेपर लीक जैसे गंभीर मामलों पर भी उन्होंने अपनी बात रखी।

राघव चड्ढा ने वायु प्रदूषण, गिग वर्कर्स के शोषण, हेल्थ इंश्योरेंस क्लेम में देरी, टोल प्लाजा पर अधिक वसूली और महंगे एयरपोर्ट खाद्य पदार्थों जैसे मुद्दों को भी संसद में उठाया। उन्होंने लोगों को राहत देने के लिए मुफ्त वार्षिक हेल्थ चेकअप का अधिकार देने की वकालत की। साथ ही डिजिटल कॉपीराइट स्ट्राइक, बढ़ते कर्ज-से-जीडीपी अनुपात और भीड़भाड़ वाले एयरपोर्ट्स की समस्या पर भी चिंता जाहिर की है।

वीडियो में सरकारी बैंकों की स्थिति, दिव्यांगों और सशस्त्र बलों पर टैक्स में राहत, वर्चुअल डिजिटल एसेट्स को वैध बनाने और 'राइट टू हायर, राइट टू फायर' जैसे विषय भी शामिल रहे। उन्होंने महंगाई, पंजाब की 'कैंसर ट्रेन', जल संकट और भूजल की कमी जैसे गंभीर मुद्दों पर भी सरकार का ध्यान आकर्षित किया। इसके अतिरिक्त शिक्षा और रोजगार के बीच बढ़ती खाई, वेतन इंडेक्सेशन, किसानों के लिए न्यूनतम समर्थन मूल्य (एमएसपी), भ्रामक ब्रांडिंग और ग्रामीण बैंकिंग ढांचे को मजबूत करने की जरूरत पर भी जोर दिया। उन्होंने भगत सिंह को भारत रत्न देने, 'वन नेशन, वन मेडिकल ट्रीटमेंट', मासिक धर्म स्वच्छता और श्री ननकाना साहिब कॉरिडोर जैसे विषयों को भी उठाया। कुल मिलाकर, यह वीडियो उनके संसदीय कार्यों और जनहित से जुड़े मुद्दों को सामने लाने का एक प्रयास है, जिससे वे यह संदेश देना चाहते हैं कि उनका काम ही उनकी पहचान है।

तमिलनाडु में बड़ा उल्टफेर... एनडीए गठबंधन के समर्थन में उतरे नौ मुस्लिम संगठन

चेन्नई (एजेंसी)। तमिलनाडु की राजनीति में हाल ही में एक महत्वपूर्ण घटनाक्रम सामने आया है, जिसमें नौ मुस्लिम संगठनों ने एआईएडीएमके (एआईएडीएमके) के नेतृत्व वाले एनडीए गठबंधन को बिना शर्त समर्थन देने का ऐलान कर दिया है। यह फैसला चेन्नई में हुई बैठक के बाद सामने आया, जिसमें दक्षिण भारत दरगाह मस्जिद एसोसिएशन, तमिलनाडु उर्दू मुस्लिम विकास संगठन सहित कई सूफी-सुन्नी मुस्लिम समूहों के प्रतिनिधि शामिल थे। इन संगठनों ने एआईएडीएमके महासचिव एडप्पादी के. पलानीस्वामी से मुलाकात की और राजनीतिक समर्थन की घोषणा की। बैठक के दौरान एआईएडीएमके नेतृत्व ने मुस्लिम प्रतिनिधियों को आश्वासन दिया कि यदि उनकी सरकार सत्ता में आती है, तब राज्य में अल्पसंख्यक समुदायों, विशेषकर सूफी-सुन्नी मुसलमानों के हितों की रक्षा होगी और उनके कल्याण के लिए कार्य किया जाएगा। इस आश्वासन के बाद मुस्लिम संगठनों ने एनडीए गठबंधन को समर्थन देने का निर्णय लिया।

दक्षिण भारत दरगाह मस्जिद एसोसिएशन ने एक महत्वपूर्ण मुद्दा भी उठाया। संगठन ने हाल ही में राज्य सरकार द्वारा मुख्य काजी की नियुक्ति को लेकर आपत्ति जाहिर की है। उनका कहना है कि परंपरागत रूप से तमिलनाडु में मुख्य काजी की नियुक्ति सूफी-सुन्नी समुदाय की सहमति और परामर्श से होती रही है, लेकिन इस बार बिना समुदाय की राय लिए एक गैर-ताबी कन्नी मुस्लिम को यह पद दे दिया गया, जिससे समुदाय के एक हिस्से में असंतोष पैदा हुआ है। संगठन ने दावा किया कि तमिलनाडु में करीब 2,500 से अधिक मस्जिदें और दरगाहें हैं, जो वक्फ बोर्ड को अपने राजस्व का एक निश्चित हिस्सा दान करती हैं। इसके बावजूद वक्फ संपत्तियों से जुड़े कई मुद्दे पिछले कई वर्षों से अनसुलझे पड़े हैं। कई कानूनी विवाद और याचिकाएं भी लंबित हैं, जिसके कारण मस्जिदों और दरगाहों के प्रबंधन को कठिनाइयों का सामना करना पड़ रहा है। पत्र में यह भी उल्लेख किया गया कि इन समस्याओं के समाधान के लिए कई बार प्रयास किए गए, लेकिन अपेक्षित परिणाम नहीं मिले। इसी कारण समुदाय के प्रतिनिधियों ने एआईएडीएमके के नेतृत्व वाले गठबंधन से हस्तक्षेप और सहयोग की अपेक्षा जताई है। कुल मिलाकर, यह घटनाक्रम तमिलनाडु की राजनीति में मुस्लिम समुदाय के एक हिस्से के रुख में बदलाव और आगामी राजनीतिक समीकरणों पर संभावित प्रभाव का संकेत देता है।

अनोखा ग्रीन कॉरिडोर, 14 अप्रैल को प्रधानमंत्री मोदी करेंगे उद्घाटन... 7 घंटे का सफर 2.30 घंटे में

-100 की रफ्तार से दौड़ेंगे वाहन, जानवर भी सुरक्षित

देहरादून (एजेंसी)। पहाड़ों के बीच सिंगल लेन सड़क पर सामने से अचानक हाथियों का झुंड आने से पीछे गाड़ियों को लंबा जाम लगाता था, कभी उफनती नदी.....तब कभी शिवालिक पहाड़ियों से गिरता मलबा सड़क पर जमा लगा देता था। पहले ऐसा ही नजारा दिखाता था दिल्ली से देहरादून रोड पर आने वाला मोहंड बेल्ट पर। 210 किमी लंबे और तीन राज्यों से गुजरने वाले इस एक्सप्रेस-वे का 20 किमी का हिस्सा राजाजी टाइगर रिजर्व में आता है। लेकिन यह हिस्सा अब पूरी तरह बदल चुका है।

अब मोहंड घाटी के ऊपर बने एलिवेटेड कॉरिडोर से गाड़ी 100 किमी प्रति घंटे की रफ्तार से बिना ब्रेक, बिना जाम दौड़ रही हैं और नीचे हाथियों का झुंड आराम से गुजर रहा है। 20 किमी लंबे हिस्से में एलिवेटेड पार्ट 12 किमी का है। यह ग्रीन कॉरिडोर पर्यावरण संरक्षण और विकास के बीच संतुलन का बेहतरीन मिसाल बना है। इस शानदार एक्सप्रेसवे का उद्घाटन 14 अप्रैल को पीएम नरेंद्र मोदी करने वाले है।

मोहंड घाटी जिस बरसाती नदी से घिरती थी, वहां अब नजर नहीं आती, क्योंकि उस नदी को एलिवेटेड रोड के नीचे से निकाला गया है। सड़क को 35-40 फीट ऊपर, 400 से ज्यादा पिलर्स पर खड़ा किया गया है, ताकि नदी का बहाव, जानवरों के झुंड और विकास तीनों बिना रुकावट चलते रहें।

राजाजी टाइगर रिजर्व के डायरेक्टर बताते हैं कि 14 हजार करोड़ रुपए में बने एक्सप्रेस-वे का 12 किमी का हिस्सा एशिया का सबसे लंबा वाइल्डलाइफ एलिवेटेड कॉरिडोर है। तस्वीरें इस बात का संकेत हैं कि जानवर इसके नीचे से सुरक्षित निकल रहे हैं। ऊपर से भारी वाहन 80 की स्पीड में बाएं और हल्के वाहन 100 की स्पीड पर दाएं चलने वाले है।

पे-पर-यूज टोल सिस्टम, टोल पारंपरिक नाकों वाला नहीं, बल्कि क्लोज्ड टोलिंग सिस्टम होगा। एंट्री-एग्जिट के आधार पर दूरी के हिसाब से शुल्क कटेगा। फास्टैग से बिना रुके भुगतान, जाम की समस्या नहीं। सहारनपुर के कुम्हारहेड़ा में एक टोल प्लाजा पहले से सक्रिय, बाकी एंट्री-एग्जिट पॉइंट्स पर टोल गेट्स।

इस शानदार एक्सप्रेसवे के बनने से सफर तेज, खर्च कम होगा। 6-7 घंटे का सफर अब 2.5-3 घंटे में, दूरी 260 किमी से 210 किमी होगी। 20 किमी जोखिम भरा पहाड़ी रास्ता अब 12 किमी एलिवेटेड, एक्सीडेंट रिस्क कम होगा। इतना ही नहीं सालाना 93 लाख किलो कार्बन उत्सर्जन घटेगा। इस एक्सप्रेसवे के बनने से पर्यटन, व्यापार को बूस्ट मिलेगा। हरिद्वार-ऋषिकेश-देहरादून का सफर आसान, छुटमलपुर इंटरचेंज से लॉजिस्टिक्स तेज। पर्यटन और व्यापार को बढ़ावा मिलेगा। वहीं बागपत, शामली, सहारनपुर जैसे शहरों में एक्सप्रेसवे पर नए ग्रोथ हब के रुप में विकसित होने वाले है।

स्वामी, प्रकाशक, अनीता शर्मा द्वारा मुद्रक, रजनी कुमारी- मैसर्स साई प्रिंटिंग प्रेस D-85 सेक्टर-6 नोएडा, गौतमबुद्धनगर से मुद्रित एवं जी-271 एचआईजी, प्रताप विहार, सेक्टर-11, गाजियाबाद (उ०प्र०) से प्रकाशित। संपादक -अतुल शर्मा *
ईमेल-rashtriyashikhar@gmail.com (समस्त विवादों का क्षेत्र गाजियाबाद न्यायालय रहेगा) (* इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं संपादन तथा कानूनी मामलों हेतु उत्तरदायी)
समाचार संपादक-आरव शर्मा (एडवोकेट) 9310230557, 9625163807
(PRGI No. - UPHIN/25/A0086)